MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-57

सफाईकर्मी की सैलरी 2 लाख

इंजीनियर को प्रतिमाह 7 लाख, चीफ सेक्रेटरी ने किया खुलासा

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पिछले एक दशक के दौरान तेलंगाना के पब्लिक सेक्टर के कर्मचारियों की तनख्वाह में गजब का इजाफा हुआ है। तेलंगाना के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने बताया कि आंध्र प्रदेश से अलग होने के बाद से अब तक सैलरी और पेंशन खर्च में 300 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब सरकारी खजाने से हर साल 6000 करोड़ रुपये सैलरी और पेंशन में खर्च किए जाते हैं। उदाहरण देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि बिजली कंपनी के चीफ इंजीनियर को 7 लाख रुपये और जीएसएमसी के सीनियर सफाईकर्मी को 2 लाख रुपये की सैलरी मिलती है।

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज द्वारा आयोजित 16वें फाइनेंस कमीशन की सिफारिशों पर एक कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने इस मौके पर कहा कि 2014 में जब आंध्र प्रदेश से तेलंगाना अलग किया गया था, तब यह खर्च 1,500 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा कि इसके बाद से, चुनाव के समय लगातार सैलरी रिवीजन के कारण सैलरी और पेंशन खर्च 300 प्रतिशत बढ़ गया है।

इन बदलावों का एक खास नतीजा यह है कि अब

पब्लिक सेक्टर की सैलरी आईएएस अधिकारियों और यहां तक कि गवर्नर से भी कहीं ज्यादा है। रामकृष्ण राव ने एक अंग्रेजी दैनिक को बताया कि पावर यूटिलिटीज में सैलरी इसलिए ज्यादा है क्योंकि हर चार साल में एक बार बदलाव होता है। जानकारी के अनुसार, एंट्री-लेवल म्युनिसिपल स्टाफ को हर महीने लगभग 28,000 मिलते हैं, जबकि 30 साल की सर्विस वाले ड्राइवर या सफाई कर्मचारी 1 लाख से ज्यादा कमा सकते हैं। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में 2 प्रतिशत सफाई कर्मचारी रेगुलर हैं, ▶10पर

जनता की जेब पर डाका
वाहनों की खरीद पर सेस

तेलंगाना सरकार ने 01 मार्च से नए वाहनों की खरीद पर रोड सेफ्टी सेस (सड़क सुरक्षा उपकर) लगाने का निर्णय लिया है। परिवहन विभाग ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत राज्य की कराधान शक्तियों का उपयोग करते हुए बुधवार को इस संबंध में आदेश जारी किए।

नए नियमों के तहत, गैर-परिवहन वाहनों के खरीदारों को वाहन पंजीकरण के समय 2,000 से 10,000 के बीच अतिरिक्त सेस देना होगा। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य राज्य भर में सड़क सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए धन जुटाना है।

यह रोड सेफ्टी सेस वाहन के पंजीकरण के समय ही वसूला जाएगा। यह लेवी दोपहिया वाहनों, कारों, निजी वाहनों और गैर-परिवहन श्रेणी में आने वाले पैसेंजर ऑटो पर लागू होगी। ▶10पर

वेमुलवाड़ा मंदिर में दरगाह को हटाने पर रोक

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

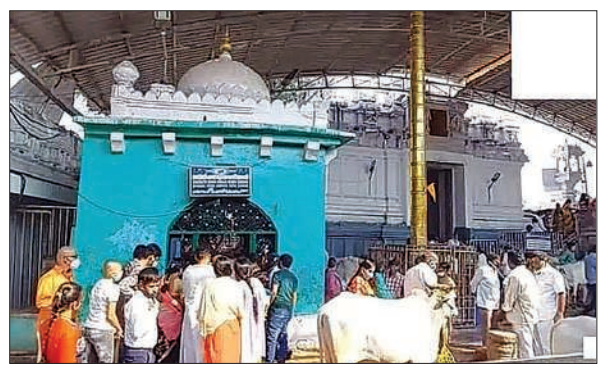

एक समयोचित हस्तक्षेप करते हुए, जिसे कई लोग न्याय की विफलता को रोकने वाला कदम मान रहे हैं, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को दरगाह हजरत सैयद ताजुद्दीन ख्वाजा बाग सवार की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया। यह दरगाह राजन्ना सिरसिला जिले के वेमुलावाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर के परिसर के भीतर स्थित 12वीं शताब्दी का एक ऐतिहासिक विरासत स्थल है।

यह मामला मोहम्मद नजीमा द्वारा दायर एक याचिका के माध्यम से उच्च न्यायालय के समक्ष आया, जिसमें राज्य अधिकारियों द्वारा दरगाह की अवैध फेंसिंग, बैरिकेडिंग और रास्ते में रुकावट डालने को चुनौती दी गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि यह दरगाह पिछले 800 वर्षों से प्रसिद्ध वेमुलावाड़ा मंदिर के साथ सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक के रूप में खड़ी है। अब जिला कलेक्टर और देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा इसे स्थानांतरित करने की धमकी दी जा रही है, जो इस क्षेत्र की मिली-जुली सांस्कृतिक विरासत की आत्मा पर प्रहार है। इसके अलावा यह भी दलील दी गई कि दरगाह के मुतवल्ली के ▶10पर

थोक में आईएएस तबादले

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने बुधवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 45 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों के तबादले और नयी जिम्मेदारियां सौंपने के आदेश जारी किये। मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी किये।

प्रमुख बदलावों के तहत संजय कुमार को विशेष मुख्य सचिव, उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग से स्थानांतरित कर विशेष मुख्य सचिव, पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास तथा आरडब्ल्यूएस विभाग नियुक्त किया गया है।

एम. दाना किशोर को विशेष मुख्य सचिव, श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण एवं कारखाना विभाग के पद पर यथावत रखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। एन. श्रीधर को प्रमुख सचिव, आईटी एवं उद्योग विभाग नियुक्त किया गया है। राहुल बोज्जा को सामान्य प्रशासन विभाग में प्रमुख सचिव (राजनीतिक मामलों) के रूप में तैनात किया गया है, साथ ही उन्हें बीसी ▶10पर

2 को राहुल का अनंतगिरी दौरा

तेलंगाना और आंध्र के 75 डीसीसी अध्यक्षों से करेंगे मुलाकात

विकाराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 2 मार्च को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के 75 जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्षों को संबोधित करेंगे। अध्यक्षों का यह 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर विकाराबाद की अनंतगिरी पहाड़ियों में अपने अंतिम चरण में है।राहुल गांधी के इस दौरे को कांग्रेस पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीति रीसेट के रूप में देखा जा रहा है। इसका उद्देश्य हालिया चुनावी जीत के उत्साह को स्थायी जमीनी

शासन में बदलना है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाई.एस. शर्मिला द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम में केवल योग्यता आधारित संस्कृति पर ध्यान केंद्रित किया गया है। मुख्यमंत्री ने नेताओं को पैरवी (लॉबिंग) के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि संगठनात्मक पद समर्पण का इनाम हैं, न कि राजनीतिक सौदेबाजी का जरिया। सत्रों के दौरान चर्चा के मुख्य विषय रहे: सामाजिक न्याय और जाति जनगणना: उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने जातिगत मुद्दों पर चर्चा की और जोर दिया कि तेलंगाना जाति सर्वेक्षण और प्रस्तावित रोहित वेमुला अधिनियम ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

|| श्री गणेशाय नमः || श्री श्याम देवाय नमः || || श्री हनुमते नमः ||

श्री कांची कामकोटी पीठम
श्री श्याम मंदिर सेवा समिति
काचीगुड़ा, हैदराबाद ✆ 9100100345, 7658919771, 8696089277
के तत्वावधान में
भव्य फाल्गुन मेला

फाल्गुन सुदी 11 (एकादशी) के अवसर पर
आज शुक्रवार 27 फ़रवरी 2026
LIVE CLICK MAGIK LIVE
उत्सव स्थल श्री श्याम मंदिर काचीगुडा, हैदराबाद

दिव्य दरबार
अद्भुत श्रृंगार
छप्पन भोग
सुमधुर भजन

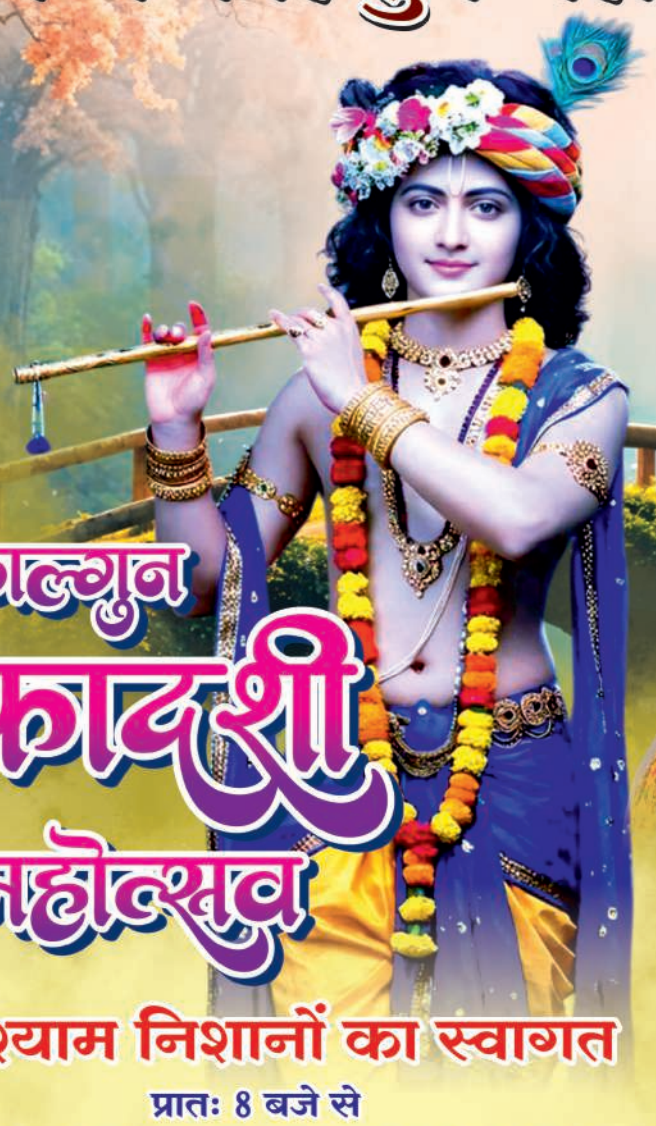

आज शुक्रवार, 27 फ़रवरी 2026 को मन्दिर परिसर प्रातः 6 बजे से मध्याह्न 2 बजे तक तथा मध्याह्न 4 बजे से मध्य रात्रि तक भक्तों के दर्शन हेतु खुला रहेगा ।
आज शुक्रवार 27 फ़रवरी 2026 रात्रि 7-31 बजे से
श्री श्याम माहोत्सव संकीर्तन
स्थान : श्री श्याम मन्दिर
श्री शिवदत्तराय प्रहलादराय सत्संग हॉल
काचीगुडा, हैदराबाद
भजन प्रस्तुतकर्ता
करने वाले श्याम - कराने वाले श्याम
प्रभुदयाल पंच परिवार, टिबा बसई वाले
आरती - रात्रि 12 बजे

फाल्गुन एकादशी महोत्सव
श्री श्याम निशानों का स्वागत
प्रातः 8 बजे से

प्रमोद त्रिपाठी मुंबई
तत्शा गुप्ता रांची
ध्रुव शास्त्री वृंदावन

सभी सदस्यों, दानदाताओं एवं श्याम भक्तों से प्रार्थना है कि सपरिवार पधारकर श्री श्याम बाबा के विशेष श्रृंगार के दर्शन, भजन-कीर्तन एवं प्रसाद का लाभ उठाएँ ।
निवेदक : श्री श्याम मंदिर सेवा समिति

शुभकामनाओं सहित
SUGNA PREMIUM STEEL Symbol of Strength
Best Regards - Bharat Agarwal Chairman
SUGNA SPONGE & POWER (P) LTD.
SUGNA METALS LTD.
SUGNA TMT FE 550D SUGNA TMT FE 550D
GreenPro CERTIFIED

अमेरिका में बर्फीले तूफान से 11 हजार फ्लाइट रद्द, 5 लाख घरों की बिजली गुल, 153 साल में पहली बार अखबार नहीं छप सका

वाशिंगटन

अमेरिका में भीषण तेज हवाओं और भारी बर्फबारी के कारण एयरपोर्ट पर रनवे बंद करने पड़े और कई जगह उड़ानों पर रोक लगानी पड़ी है। यहां रविवार से मंगलवार के बीच 11,055 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। सिर्फ सोमवार को ही करीब 5,600 से 5,700 उड़ानें कैंसिल हुईं, जो देशभर की उड़ानों का लगभग 20त्न था। यह जानकारी फ्लाइट ट्रैकिंग कंपनी फ्लाइटअवेयर ने दी। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, रोड आइलैंड और मैसाचुसेट्स के कुछ हिस्सों में लगभग 37 इंच तक बर्फ गिरी।

बर्फबारी की वजह से उत्तर-पूर्वी राज्यों में 6 लाख से ज्यादा घरों की बिजली चली गई। सोमवार शाम तक 5 लाख 19 हजार 232 घर और आफिस बिना बिजली के थे। भारी बर्फबारी के कारण द बोस्टन ग्लोब अपने 153 साल के इतिहास में पहली बार अखबार नहीं छाप सका क्योंकि कर्मचारी प्रिंटिंग प्रेस तक नहीं पहुंच पाए।

बर्फबारी से कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित - न्यूयार्क के सेंट्रल पार्क में रविवार से सोमवार के बीच करीब 20 इंच बर्फ दर्ज की गई, जबकि लान्ग आइलैंड के इस्लिप इलाके में 22 इंच से ज्यादा बर्फ पड़ी। प्रोविडेंस, रोड आइलैंड में 32.8 इंच बर्फबारी हुई, जिसने 1978 के पुराने रिकार्ड 28.6 इंच को तोड़ दिया। हालात इतने खराब हो गए कि कई राज्यों में इमरजेंसी घोषित करनी पड़ी। न्यूयार्क सिटी में स्कूलों, सडक़ों, पुलों और हाईवे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। बाद में हालात सुधरने पर मेयर जोहरान ममदानी ने यह आदेश हटा लिया और कहा कि स्कूल मंगलवार को खुलेंगे। वहीं मैसाचुसेट्स की गवर्नर मारा हीली ने कुछ इलाकों में ट्रैवल बैन लागू किया और लोगों से घर में रहने की अपील की। रोड आइलैंड के गवर्नर डैन मैकी ने भी पूरे राज्य में ट्रैवल बैन लगा दिया। न्यूयार्क की गवर्नर कैथी होचुल ने भी पूरे राज्य में इमरजेंसी की घोषणा की और नेशनल गार्ड को अलर्ट पर रखा है।

न्यूयार्क में ट्रेन सेवा भी सस्पेंड रही - तूफान का असर सिर्फ सडक़ों और हवाई सेवाओं तक सीमित नहीं रहा। न्यूयार्क और बोस्टन के बीच ट्रेन सेवा सोमवार रात तक सस्पेंड रही। थिएटर ब्राडवे के सभी शो रविवार शाम रद्द कर दिए गए। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों ने कहा कि यह पिछले लगभग एक दशक का सबसे शक्तिशाली नारईस्टर तूफान है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइली संसद को संबोधित करते हुए इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की

तेल अवीव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइली संसद को संबोधित करते हुए इजराइल पर हमास के हमले की निंदा की। मोदी ने कहा कि हम आपके दर्द को समझते हैं, भारत लंबे वक्त से आतंकवाद से पीड़ित है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत इस समय और भविष्य में भी पूरे विश्वास के साथ इजराइल के साथ खड़ा है। मोदी ने कहा कि किसी भी वजह से आम नागरिकों की हत्या को सही नहीं ठहराया जा सकता और आतंकवाद को किसी भी हाल में जायज नहीं ठहराया जा सकता। मोदी नेसेट को संबोधित करने पहले भारतीय प्रधानमंत्री है। संसद पहुंचने पर सांसदों ने मोदी का खड़े होकर स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे लगाए। मोदी से पहले इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी मेरे भाई जैसे हैं, मेरे दिल में उनके लिए खास जगह है। उन्होंने मोदी को दुनिया का सम्मानित नेता बताया। इससे पहले नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा नेतन्याहू ने एयरपोर्ट पर मोदी को रिसीव किया। इस दौरान राष्ट्रगान की धुन के साथ पीएम का स्वागत किया गया। एयरपोर्ट पर ही मोदी और नेतन्याहू ने राजधानी तेल अवीव में प्राइवेट बातचीत भी की। इसके बाद वे होटल पहुंचे जहां, प्रवासी भारतीयों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान कलाकारों ने परफोर्मेंस भी दी। मोदी का यह 9 साल बाद दूसरा इजराइल दौरा है। इससे पहले मोदी जुलाई 2017 में तेल अवीव गए थे।

अब मंगल पर नहीं चांद पर पहली मानव बस्ती बसाने में जुटे एलन मस्क

वाशिंगटन। एलन मस्क ने अंतरिक्ष अन्वेषण को लेकर अपनी रणनीति में बड़ा बदलाव कर दिया है। पहले उनका प्रमुख लक्ष्य मंगल ग्रह पर मानव बस्ती बसाना था, लेकिन अब उन्होंने चांद पर पहली मानव बस्ती बसने की तैयारी शुरु कर दी है। स्पेसएक्स के संस्थापक मस्क का कहना है कि मंगल की तुलना में चांद पर शहर बसाना अधिक व्यावहारिक और कम समय में संभव हो सकेगा। उनका दावा है कि जहां मंगल पर आत्मनिर्भर शहर बसाने में कम से कम 20 साल लग सकते हैं, वहीं चांद पर यह लक्ष्य करीब 10 साल में पूरा हो सकता है। मस्क के अनुसार, मंगल ग्रह की परिस्थितियां बेहद कठोर हैं। वहां का वातावरण जहरीला है, तापमान अत्यधिक ठंडा रहता है और पृथ्वी से दूरी भी बहुत अधिक है। मंगल और पृथ्वी के बीच न्यूनतम दूरी हर 26 महीने में बनती है, जिससे लांच विंडो सीमित हो जाती है। इसके विपरीत, चांद पृथ्वी के काफी नजदीक है और वहां हर 10 दिन में मिशन भेजा जा सकता है। इसकारण चांद पर आना-जाना तकनीकी और आर्थिक रूप से अधिक आसान माना जा रहा है। दरअसल मस्क ने पहले कहा था कि मंगल पर मानव भेजने से पहले ह्यूमनाइड रोबोट्स उतारे जाएंगे, जो वहां की सतह पर बुनियादी ढांचा तैयार करेगा। उनका लक्ष्य 2050 तक मंगल पर 10 हजार लोगों के रहने लायक शहर बसाने का था। हालांकि अब वे मानते हैं कि चांद पर सेल्फ-ग्रोन सिटी विकसित कर कई महत्वपूर्ण अनुभव हासिल किए जा सकते हैं, जो आगे मंगल मिशन में सहायक साबित हो सकते है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मंगल पर शहर बसाने का सपना छोड़ा नहीं गया है। चांद पर बस्ती बसाने के बाद फिर से मंगल पर फोकस किया जाएगा। मस्क का मानना है कि मानव सभ्यता की दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए पृथ्वी के अलावा दूसरे ग्रहों पर भी आत्मनिर्भर शहर बसाना जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट की चोट से बौखलाए ट्रंप का भारत को झटका, सोलर पैनल पर 126 प्रतिशत टैरिफ

वाशिंगटन। भारत पर लगने वाले अमेरिकी टैरिफ को लेकर एक बार फिर बड़ी खबर आई है। अमेरिकी कामर्स डिपार्टमेंट ने दक्षिण एशियाई देश से आने वाले सौर सेल और पैनलों पर एंटी-सबसिडी काउंटरवेलिंग ड्यूटी की घोषणा की है। भारत के अलावा दूसरे इंडोनेशिया और लाओस से आयात होने वाले सोलर पर भी इसी तरह के सौर आयात टैरिफ लगाए गए हैं। अमेरिकी विभाग की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए फैक्ट शीट के अनुसार, भारत अब आयातों पर सामान्य सब्सिडी दर 125.87 प्रतिशत का सामना कर रहा है। जबकि इंडोनेशिया और लाओस पर क्रमशः 104.38 प्रतिशत और 80.67 प्रतिशत टैरिफ लगाए गए हैं। सरकारी व्यापार आंकड़े दिखाते हैं कि ये तीनों देश 4.5 बिलियन डालर के आयात के लिए जिम्मेदार हैं जो 2025 के कुल आयात का लगभग दो-तिहाई हिस्सा बनाते हैं। सरकारी ट्रेड डेटा में बताया गया है कि इन तीनों देशों से कुल 4.5 अरब डालर का आयात हुआ जो 2025 के कुल आयात का लगभग दो-तिहाई हिस्सा है। जिसके चलते ट्रंप प्रशासन ने यह आरोप लगाया कि भारत, इंडोनेशिया और लाओस ने सोलर मैन्युफैक्चरिंग को अनुचित सब्सिडी दी है।

पाक मध्यम वर्ग के लिए बना नरक.....टैक्स भी भर रहे और मंहगाई की मार भी झेल रहे

इस्लामाबाद

पाकिस्तान का इकोनामिक क्राइसिस अब बहुत खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। वहां की कोई भी सरकार हो, उस सरकार ने हमेशा आम जनता पर भारी टैक्स ही लगाया है। इसके बदले में सामाजिक विकास के नाम पर पाकिस्तानी जनता को कुछ नहीं मिला है। सरकार समाज के गरीब तबके को लेकर एकदम लापरवाह है। पाकिस्तानी मीडिया में छपे एक आर्टिकल में इस बात का बड़ा खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान का राजकोषीय संकट सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं है। यह सरकार और लोग के बीच टूटे हुए भरोसे का सबसे बड़ा सबूत है। भारी टैक्स देने के बाद भी जनता को कोई सुविधा नहीं मिल रही है। इससे देश का पूरा सिस्टम तबाह हो रहा है। निवेश लगातार गिर रहा है और अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है।

पाकिस्तान के फेल होने की कई वजहें है। इसमें कम एक्सपोर्ट और इनोवेशन की कमी शामिल है। लेकिन असली दिक्कत सरकार का बनाया हुआ कास्ट स्ट्रक्चर है। इस स्ट्रक्चर ने पाकिस्तान में बिजनेस करना बहुत महंगा है। एक रिपोर्ट में बताया गया हैं कि साउथ एशियन देशों के मुकाबले पाकिस्तान में बिजनेस चलाना 34 प्रतिशत ज्यादा महंगा है।

पाकिस्तान में टैक्स सिस्टम बहुत ही खराब स्थिति में है। पूरे देश का खर्च सिर्फ 34 लाख टैक्सपेयर्स उठा रहे हैं। यह संख्या टोटल वर्कफोर्स का सिर्फ चार प्रतिशत है। पाकिस्तान सरकार ने मिडिल क्लास के खिलाफ एक तरह से जंग छेड़ दी है। इस छोटे से वर्ग को भारी घाटे की भरपाई के लिए मजबूर किया जाता है। वहीं देश का अमीर तबका बिना टैक्स दिए मजे उड़ा रहा है। इस खराब व्यवस्थ्या ने ईमानदारी को एक क्राइम बना दिया है। पाकिस्तान की सबसे बड़ी त्रासदी कम टैक्स कलेक्शन नहीं है। बल्कि अव्यवस्थित तरीके से टैक्स लगाना इसकी मुख्य वजह है। टैक्स बेस बहुत छोटा है और दरें बहुत हाई हैं। इतना ही नहीं शाहबाज सरकार लगातार मिनी बजट और सुपर टैक्स जैसी चीजें ला रही है। जिससे मध्यम वर्ग के लिए यहां रहना नरक के रहने के सामान हो गया। पेट्रोलियम पर भी भारी सेस वसूला जा रहा है। इसके बावजूद मुल्क का कर्ज और टैक्स का रेशियो 700 प्रतिशत से ऊपर बना हुआ है। इस पूरी व्यवस्था ने पाकिस्तान की कमर तोड़ कर रख दी है।

पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ में फूट, इमरान खान को लेकर बहन अलीमा ने पूछा कहां हैं पार्टी नेतृत्व

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के इलाज का मसला अब पक्ष विपक्ष का ही नहीं रह गया है बल्कि परिवार और पार्टी भीतर के असंतोष का भी मामला बन गया है। पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक इमरान खान की बहन अलीमा खानम ने पार्टी नेतृत्व पर ही सवाल खड़े किए हैं। बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री के मेडिकल ट्रीटमेंट को लेकर किए गए फैसलों पर पार्टी नेतृत्व की कड़ी आलोचना की। अलीमा ने मीडिया के सामने अपना दर्द और आक्रोश जाहिर किया। उनके साथ दोनों बहनें उज्मा और नौरीन खानम भी मौजूद थीं। यह प्रेस कान्फ्रेंस इमरान खान के एक दिन पहले हुए फालोअप ट्रीटमेंट को लेकर मचे बवाल के बीच की गई। हालांकि, उनकी पार्टी (पीटीआई) ने इस प्रक्रिया को लेकर बरती जा रही सीक्रेसी और परिवार के सदस्यों को इससे पूरी तरह बाखबर न रखने पर ऐतराज जताया था। विपक्ष ने भी बार-बार मांग की है कि जेल में बंद इमरान के केस की जल्द सुनवाई की जाए। मीडिया से बात करते हुए, अलीमा ने कहा कि पीटीआई संस्थापक की सेहत फिलहाल परिवार की सबसे बड़ी चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि उनके इलाज का कोई भी फैसला उनकी इजाजत के बिना नहीं लिया जाना चाहिए। अलीमा ने पूछा, कोई भी इस बात से इनकार या कन्फर्म क्यों नहीं करता कि कौन सा ट्रीटमेंट किया गया था उन्होंने आरोप लगाया कि परिवार ने जिन चिकित्सकों की फेहरिस्त दी उनसे संपर्क नहीं किया गया और इलाज उस अस्पताल में नहीं कराया गया जिसकी हमने मांग उठाई थी।

पालतू कुत्ते को मालिक ने बनाया गर्बेज डिलीवरी बाय

रोम

इटली के सिसिली द्वीप में एक व्यक्ति ने नगरपालिका के कूड़ा निस्तारण नियमों और टैक्स से बचने के लिए अपने ही पालतू कुत्ते का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। इस मामले ने स्थानीय प्रशासन से लेकर सोशल मीडिया तक सभी को हैरान कर दिया है। यह घटना कटानिया शहर के पास की है, जहां सीसीटीवी फुटेज में एक कुत्ता अपने दांतों में कचरे से भरा बड़ा प्लास्टिक बैग दबाए सड़क पर चलता दिखा। वह बड़ी सावधानी से सड़क किनारे रुकता है और बैग को वहीं छोड़कर आगे बढ़ जाता है।

शुरुआत में इसकी चतुराई देखकर सभी हैरान रह गए, लेकिन जांच में सामने आया कि यह कुत्ता रोजाना ऐसा इसलिए कर रहा था क्योंकि उसके मालिक ने उसे ऐसा करने के लिए ट्रेन किया था। स्थानीय नगरपालिका ने जब यह वीडियो देखा, तो इस हरकत ने अधिकारियों को चौंका दिया। प्रशासन ने गुरुवार को फुटेज जारी करते हुए कहा कि रचनात्मकता को कभी भी असभ्यता और नियमों के उल्लंघन का बहाना नहीं बनाया जा सकता। नगर पुलिस की पर्यावरण इकाई द्वारा रिकार्ड किए गए दो वीडियो में साफ दिखा कि कुत्ते को जानबूझकर कूड़ा फेंकने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। प्रशासन ने इसे दोहरा अपराध बताते हुए कहा कि इससे शहर की सफाई व्यवस्था को नुकसान पहुंचता है और साथ ही एक मासूम जानवर को गलत काम के लिए मजबूर किया जाता है।

जांच में संबंधित व्यक्ति की पहचान कर ली गई और उस पर जुर्माना भी लगाया गया, हालांकि उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। इस घटना के पीछे एक बड़ी समस्या भी उजागर होती है। इटली के दक्षिणी क्षेत्रों और आइलैंड्स में कचरा संग्रहण व्यवस्था लंबे समय से कमजोर रही है, जहां कभी-कभी केवल 57 प्रतिशत ही कचरा उठ पाता है। परिणामस्वरूप, कूड़े के ढेर कई दिनों तक डंपस्टर और कूड़ेदानों में पड़े रहते हैं। गार्डिया दी फिनांज़ा की रिपोर्ट के अनुसार, इटली में हर वर्ष करीब दस हजार कचरे से जुड़े अपराध दर्ज किए जाते हैं, जिनमें अवैध डंपिंग, कूड़ा जलाना और जमीन में दबाना शामिल है। यहां अवैध तरीके से कचरा फेंकने पर 1,500 यूरो से लेकर 18,000 यूरो तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है और गंभीर मामलों में आपराधिक कार्रवाई भी हो सकती है।

ब्राजील में बाढ़ से 25 की मौत, सैकड़ों बेघर

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के दक्षिण-पूर्वी राज्य मिनास गेरैस में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है। सोमवार शाम शुरू हुई तेज बारिश के बाद सबसे ज्यादा तबाही जुइज दे फोरा और उबा शहर में हुई। अधिकारियों के अनुसार जुइज दे फोरा में 18 और उबा में 7 लोगों की जान गई। कई घर और इमारतें ढह गईं। दर्जनों लोग अब भी लापता हैं और रेस्क्यू आपरेशन जारी है। राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा ने जुइज दे फोरा में स्टेट आफ कैलैमिटी घोषित कर मानवीय सहायता और पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार की पूरी मदद का भरोसा दिया है। सिर्फ जुइज दे फोरा में करीब 440 लोग बेघर हो गए हैं। प्रशासन ने अस्थायी शेल्टर बनाए हैं और राहत सामग्री के लिए अपील की है। मेयर ने तीन दिन का शोक घोषित किया है।

आपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का दावा, मैं दखल नहीं देता तो पाक के पीएम मारे जाते

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को फिर से दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध को रोका था। अपने स्टेट आफ द यूनियन संबोधन में उन्होंने कहा कि उनके दखल के बिना यह संघर्ष परमाणु युद्ध में बदल जाता। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं दखल नहीं देता तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मारे जाते। ट्रंप ने इसी भाषण में यह भी कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर मैं बीच में नहीं पड़ता तो 3.5 करोड़ लोग मारे जाते।

अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि हम देश और विदेश में अमेरिकियों की सुरक्षा बहाल करने पर गर्व महसूस कर रहे हैं। अपने पहले दस महीनों में मैंने आठ युद्ध खत्म किए। पाकिस्तान और भारत के बीच परमाणु युद्ध छिड़ सकता था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिन संघर्षों को सुलझाने का दावा किया है, उनमें इजरायल और हमास, इजरायल और ईरान, मिस्र और इथियोपिया, भारत और पाकिस्तान, सर्बिया और कोसोवो, रवांडा और कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, आर्मेनिया और अजरबैजान और कंबोडिया और थाईलैंड का नाम शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि उनका प्रशासन रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। ट्रंप के दावों का भारत ने किया खंडन ट्रंप ने बार-बार दावा किया है कि उन्होंने व्हाइट हाउस में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले साल में आठ युद्धों को खत्म किया। उन्होंने पिछले साल 10 मई से भारत-पाकिस्तान संघर्ष को खत्म करने का क्रेडिट 80 से ज्यादा बार लिया है। हालांकि, भारत ने मई 2025 में संघर्ष के दौरान किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के सभी दावों का लगातार खंडन किया है। भारत ने कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष खत्म करने पर सहमति दोनों सेनाओं के डीजीएमओ के बीच सीधी बातचीत के बाद बनी थी। भारत ने चलाया था आपरेशन सिंदूर बता दें कि अप्रैल 2024 में पहलगाम में आतंकियों ने हमला किया था। इसमें 26 लोग मारे गए थे। भारत ने इस हमले के जवाब में आपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के आतंकी ढांचे पर सटीक हमले किए। भारत पर लगने वाले अमेरिकी टैरिफ को लेकर एक बार फिर बड़ी खबर आई है। अमेरिकी कामर्स डिपार्टमेंट ने दक्षिण एशियाई देश से आने वाले सौर सेल और पैनलों पर एंटी-सबसिडी काउंटरवेलिंग ड्यूटी की घोषणा की है।

मनचाही पढाई के लिए विदेशों का रुख कर रहे रिटायर्ड चाइनीज

बीजिंग

चाइनीज लोगों में रिटायरमेंट के बाद भी पढाई करने का चलन बढता जा रहा है। विदेशों में मनचाही पढाई पूरे करने के सपनों को लेकर चीनी लोग विदेशों का रुख कर रहे है। इस उम्र में उनके पास न सिर्फ पर्याप्त समय है, बल्कि अपनी रुचियों पर खर्च करने के लिए पर्याप्त धन भी मौजूद है। यही कारण है कि वे फैशन डिजाइन, प्रिंटमेकिंग, आभूषण निर्माण, फोटोग्राफी जैसे अपने पुराने शौक और पैशन को फिर से पढ़ाई के जरिए जी रहे हैं। पहले विदेश में पढ़ाई का सपना अधिकांश युवाओं तक सीमित था, लेकिन अब वरिष्ठ नागरिक भी इसमें दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इससे चीन की शिक्षा व्यवस्था के सामने एक नई चुनौती खड़ी हो गई है, क्योंकि अब उसे ऐसे कोर्स और सुविधाएं विकसित करनी होंगी जो उम्रदराज लोगों के लिए उपयुक्त हों। इसका एक उदाहरण 66 वर्षीय किउ लियानरु हैं, जिन्होंने इंग्लैंड स्थित बार्नमाउथ आर्ट्स यूनिवर्सिटी में एक शार्ट टर्म कोर्स में दाखिला लेकर साबित कर दिया कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। किउ ने यह पढ़ाई हास्टल में रहकर पूरी की, बिल्कुल वैसे ही जैसे जवान छात्र रहते हैं। उनका कहना है कि पढ़ाई उन्हें भीतर से खुशी और संतोष देती है और वे रिटायरमेंट के बाद भी अंदर और बाहर से चमकते रहना चाहती हैं। हालाँकि किउ के लिए विदेश में पढ़ने का सपना पूरा करना आसान नहीं था। भाषा की बाधा और आवेदन प्रक्रिया को समझने में दिक्कत के चलते उन्होंने एक विदेशी शिक्षा कंसल्टेंसी की मदद ली।

यह संस्था वरिष्ठ नागरिकों को छोटे समय के शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए विदेश भेजने का काम करती है। इसके सह-संस्थापक जी वेनली खुद भी 2024 में रिटायर हुए थे और उन्होंने बुजुर्गों के लिए एक विशेष क्लब बनाया है। उनके अनुसार पिछले एक साल में लगभग 300 वरिष्ठ नागरिक 2 से 4 सप्ताह के शार्ट टर्म कोर्स के लिए विदेश गए हैं। इन कोर्स की फीस 20,000 से 60,000 युआन (करीब 2.6 से 7.8 लाख रुपये) होती है और इसमें हवाई यात्रा शामिल नहीं होती। संस्था बड़े उम्र के छात्रों के लिए ट्रांसलेटर और शैक्षणिक सहायकों की भी व्यवस्था करती है। वरिष्ठ नागरिकों की विदेश में पढ़ाई को लेकर हुए एक लाइव-स्ट्रीम कार्यक्रम के बाद जी को 500 से अधिक संदेश मिले, जिसमें बुजुर्गों ने विभिन्न कोर्स की जानकारी माँगी। उनका कहना है कि रिटायरमेंट के बाद कई लोग खुद को समाज से अलग-थलग महसूस करते हैं और पढ़ाई उन्हें फिर से उद्देश्य का एहसास कराती है। खास बात यह है कि इस ट्रेंड में महिलाएं ज्यादा रुचि दिखा रही हैं। 85प्रतिशत से ज्यादा ग्राहक महिलाएं हैं, जिन्होंने जीवनभर परिवार के लिए त्याग किया और अब वे अपने लिए समय निकालना चाहती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यह चलन चीन की सीनियर इकोनामी का बड़ा हिस्सा बनने वाला है, क्योंकि देश में बुजुर्ग आबादी तेजी से बढ़ रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर

अध्याय वाली एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्तक पर प्रतिबंध लगाया

नयी दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की उस पाठ्यपुस्तक के पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है, जिसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का संदर्भ दिया गया था। न्यायालय ने प्रचलन में मौजूद किताबों की प्रतियों को तुरंत जब्त करने का निर्देश दिया और इस संबंध में दो सप्ताह के भीतर अनुपालन रिपोर्ट मांगी।

न्यायालय ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि यह एनसीईआरटी के निदेशक और उन सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी जहां यह किताब पहुंची है। उन्हें अपने परिसर में मौजूद किताब की सभी प्रतियों को तुरंत जब्त कर सील करना होगा। शीर्ष अदालत ने यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि संबंधित पुस्तक के आधार पर छात्रों को कोई निर्देश या शिक्षा न दी जाए। सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को इस आदेश का पालन करने और दो सप्ताह के भीतर रिपोर्ट भेजने को कहा गया है।

शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या बदले हुए शीर्षकों के जरिए इस आदेश का उल्लंघन करने की किसी भी कोशिश को अदालत की अवमानना और निर्देशों की सीधी अवहेलना माना जाएगा।

इससे पहले बुधवार को मुख्य न्यायाधीश ने पुस्तक की सामग्री पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा था कि वह किसी को भी संस्था को बदनाम करने की अनुमति नहीं देंगे। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नेतृत्व वाली पीठ ने इसे न्यायपालिका के खिलाफ एक गहरी साजिश करार दिया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और डॉक्टर अभिषेक मनु सिंघवी ने भी अदालत के समक्ष इस पाठ्यपुस्तक की सामग्री पर चिंता जताई थी और कहा था कि यह पूरी न्यायपालिका की छवि को खराब कर रही है।

एनसीईआरटी मामले में न्यायपालिका के आदेश का पालन किया जायेगा : धर्मेन्द्र प्रधान

नयी दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की आठवीं कक्षा की समाज विज्ञान की पुस्तक विवाद पर कहा कि सरकार न्यायपालिका का पूरा सम्मान करती है और उच्चतम न्यायालय के सभी निर्देशों का पालन किया जायेगा।

श्री प्रधान ने उच्चतम न्यायालय के एनसीईआरटी की कक्षा आठ की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक के पुनर्मुद्रण और डिजिटल प्रसार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के आदेश पर गुरूवार को अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'हम न्यायपालिका का पूरा सम्मान करते हैं। न्यायपालिका ने जो भी कहा है, हम उसका पूरा पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि जो भी हुआ है, उससे मैं दुखी दुखी हूं, और मैं इस पर अफसोस जताता हूं।'

उन्होंने कहा कि जब यह घटना हमारे सामने आयी तुरंत ही एनसीईआरटी को निर्देश देकर सारी किताबों को वापस कराया। किताबें आगे नहीं पहुंचे उसकी व्यवस्था की गयी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि न्यायपालिका का असम्मान करने का कोई उद्देश्य नहीं था और जो घटना हुई है उसको सरकार गंभीरता से लेती है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में जांच की जायेगी और उस चैप्टर को तैयार करने में जो शामिल है उसके खिलाफ कार्रवाई की जएगी। उन्होंने कहा कि आगे इस प्रकार की पुनरावृति न हो इसके लिए न्यायपालिका को आश्वस्त किया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यद वाशेम का दौरा किया

होलोकॉस्ट के पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

यरूशलम, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यरूशलम स्थित विश्व होलोकॉस्ट स्मृति केंद्र यद वाशेम का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने होलोकॉस्ट (नरसंहार) के पीड़ितों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और शांति तथा मानवीय गरिमा के प्रति साझा प्रतिबद्धता को दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी की इस स्मारक की यह दूसरी यात्रा है।

अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने उन 60 लाख यहूदियों की याद में पुष्पचक्र अर्पित किया, जिन्होंने होलोकॉस्ट के दौरान अपनी जान गंवाई थी। उन्होंने 'हॉल ऑफ नेम्स' सहित स्मारक परिसर के महत्वपूर्ण हिस्सों का भी भ्रमण किया। शामिल है। इसे 'बुक ऑफ नेम्स हॉल' के रूप में भी जाना जाता है, जहाँ लाखों पीड़ितों की पहचान और उनके साक्ष्यों को संरक्षित रखा गया है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि होलोकॉस्ट के पीड़ितों की स्मृति का सम्मान करना शांति और मानवीय गरिमा को बनाए रखने के हमारे साझा संकल्प को नवीनीकृत करता है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 1953 में स्थापित यद वाशेम द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी उत्पीड़न के पीड़ितों के लिए इजरायल का आधिकारिक स्मारक है। यह केंद्र होलोकॉस्ट संबंधी शोधों का भी काम करता है। प्रधानमंत्री ने जिस हॉल ऑफ नेम्स का दौरा किया, वहां पीड़ितों के रिश्तेदारों और दोस्तों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य मौजूद हैं, ताकि उनकी यादें भावी पीढ़ियों के लिए बनी रहें।

प्रधानमंत्री ने स्मारक की आगंतुक पुस्तिका में हस्ताक्षर भी किए और ऐतिहासिक स्मृतियों को संजोने के महत्व पर जोर दिया ताकि ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति कभी न हो। उनके इस कदम को नफरत, भेदभाव और हिंसा के खिलाफ लड़ने तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने की भारत की पुरानी प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा हाल के वर्षों में भारत और इजरायल के बीच गहरे होते संबंधों को भी बताती है। भारत ने 1992 में इजरायल के साथ पूर्ण राजनयिक संबंध स्थापित किए थे और तब से रक्षा, कृषि, नवाचार और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग का विस्तार हुआ है।

देश में शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन बन चुका है सबसे बड़ा अपराध : राहुल गांधी

नयी दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आज देश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन में शांतिपूर्ण विरोध करना सबसे बड़ा अपराध बना गया है। श्री गांधी ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को ऐसी दिशा में धकेला जा रहा है, जहां असहमति को देशद्रोह और सवाल पूछने को साज़िश बताया जाता है।

श्री गांधी ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि यदि कोई नागरिक संवैधानिक तरीके से सत्ता के खिलाफ आवाज़ उठाता है, तो उसके हिस्से में लाठीचार्ज, मुकदमे और जेल ही आते हैं। उन्होंने विभिन्न आंदोलनों का हवाला देते हुए कहा कि पेपर लीक से परेशान युवाओं के विरोध का जवाब लाठियों से दिया गया। महिला पहलवानों के आंदोलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गंभीर आरोपों की निष्पक्ष जांच की मांग करने वाली खिलाड़ियों की आवाज़ को दबाने का प्रयास किया गया और उनके आंदोलन को कुचल दिया गया। इसी तरह, एक दुष्कर्म पीड़िता के समर्थन में इंडिया गेट पर हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन को भी हटाया गया।

युवा कांग्रेस द्वारा अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील के विरोध का जिक्र करते हुए कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले कार्यकर्ताओं को ''देश विरोधी'' बताकर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि जहरीली हवा के खिलाफ आवाज़ उठाने वालों को और किसानों के आंदोलन को भी दमन का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब आदिवासी समुदाय अपने जल, जंगल और जमीन के अधिकारों की मांग करता है, तो उस पर भी संदेह की दृष्टि डाली जाती है। उन्होंने सवाल किया, यह कैसा लोकतंत्र है, जहां प्रधानमंत्री सवालों से डरते हैं और असहमति को कुचलना शासन का स्वभाव बनता जा रहा है?

श्री गांधी ने कहा, शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र की आत्मा है। सवाल पूछना उसकी ताकत है। लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब सरकार आलोचना सुनती है, जवाब देती है और जवाबदेह रहती है। मोदी जी, ये नॉर्थ कोरिया (उत्तर कोरिया) नहीं, भारत है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने पर ड्राइविंग लाइसेंस होगा रद्द : गडकरी

नयी दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल लाखों लोगों का जीवन बचाने के लिए सरकार सुरक्षा कारणों की गहनता से पड़ताल कर रही है और इसमें रोड इंजीनियरिंग, आटोमोबाइल इंजीनियरिंग, सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करते हुए शिक्षा तथा जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

श्री गडकरी ने गुरुवार को यहां हैबिटेट सेंटर में सीआईआई के तत्वावधान में आयोजित नेशनल कन्क्लेव ऑफ रोड सेफ्टी विषय पर अपने विचार पेश करते हुए गुरुवार को कहा कि देश में हर साल लाखों लोगों की जान सड़क दुर्घटनाओं में जाती है और उसे बचाना आवश्यक है इसलिए सड़क इंजीनियरिंग के साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर सख्त रुख नियम बनाए जा रहे हैं। उनका कहना था कि शराब पीकर गाड़ी चलाने की घटनाएं ज्यादा होती हैं इसलिए इस नियम को ज्यादा सख्त किया जा रहा है और बार बार शराब पीकर गाड़ी चलाते हुए पकड़े जाने पर लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ड्राइविंग लाइसेंस को ग्रेड सिस्टम में बदला जा रहा है और बार बार गलती होने पर जैसे ही 12 ग्रेड पर पहुंचेगा लाइसेंस को निलंबित कर दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हर साल होती हैं जिनमें 1 लाख 80 हजार लोगों की मृत्यु होती है। इनमें 72 प्रतिशत युवा होते हैं जिनकी उम्र 18 से 45 साल के बीच होती है जबकि 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 बच्चों की मौत होती है। हेलमेट न पहनने के कारण 54,122 और सीट बेल्ट का उपयोग न करने से 14,466 लोगों की मृत्यु का आंकड़ा है। इसके अलावा तेज गति भी सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है और इससे 1.2 लाख लोगों की मौत होती हैं। गलत दिशा में गाड़ी चलाना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करना जैसे कई कारण सड़क दुर्घटनाओं के हैं।

सड़क दुर्घटनाओं के चार प्रमुख कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि इसमें रोड इंजीनियरिंग में डीपीआर की गुणवत्ता में कमी भी एक कारण है इसलिए इसमें बदलाव लाया गया है और ठेकेदारों और डीपीआर कंपनियों की रेटिंग तय कर दी गई है। इसी तरह ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में भारत एनसीएपी स्टार रेटिंग लागू की गई है और किफायती मॉडलों में भी छह एयरबैग अनिवार्य किए गये हैं। उनका कहना था कि भारत में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के मानक अब वैश्विक मानकों के बराबर हैं। इसके साथ ही बस बॉडी कोड को गत सितंबर से लागू किया गया है और इसके तहत अब टाटा, अशोक लीलैंड और वोल्वो जैसी कंपनियाँ मानक के अनुसार बस बॉडी बनाएँगी।

श्री गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा कानून के पालन को सख्त करना जरूरी है। उनका कहना था कि कानून का डर रहेगा तो सड़क सुरक्षा बढ़ेगी। इसके तहत जुर्माना भी बढ़ाया गया है, लेकिन असली समस्या कानून का सम्मान और इसके प्रति डर की है। इसके लिए जन-जागरूकता आवश्यक है। साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस के लिए ग्रेडेड पॉइंट सिस्टम लाया जा रहा है जिसमें 12 पॉइंट खत्म होने पर लाइसेंस निलंबित कर दिया जाएगा। बार-बार शराब पीकर ड्राइविंग करने पर लाइसेंस स्थायी रूप से रद्द होगा। उन्होंने सड़क सुरक्षा के लिए शिक्षा और जागरूकता को आवश्यक बताया और कहा कि दुर्घटनाएं कम करने के लिए बच्चों और युवाओं पर विशेष ध्यान देना होगा। सड़क सुरक्षा अभियान के तहत कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं और अमिताभ बच्चन, आलिया भट्ट और विक्की कौशल इसमें मदद कर रहे हैं जबकि शंकर महादेवन द्वारा तैयार सड़क सुरक्षा गीत 22 भाषाओं में उपलब्ध कराया गया है।

श्री गडकरी ने कहा कि सड़क सुरक्षा के लिए कई नयी योजनाएं शुरु की गई हैं। इसके तहत 'प्रधानमंत्री राहत योजना' शुरू की गई है, जिसके तहत किसी भी सड़क दुर्घटना के पीड़ित को सात दिन या अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार मिलेगा।

उन्होंने कहा कि इसी तरह से 'राहवीर योजना' शुरु की गई है जिसके तहत दुर्घटना पीड़ित को अस्पताल पहुँचाने वाले व्यक्ति को 25,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। इस मामले में उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्देश हैं कि दुर्घटना पीड़ित को मदद पहुंचाने वाले व्यक्ति को किसी प्रकार की कानूनी परेशानी नहीं होगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इसके अलावा कुछ और पहलें भी शुरु की गई हैं जिसमें 100 उच्च दुर्घटना वाले जिलों की पहचान, ब्लैक स्पॉट यानी सबसे ज्यादा दुर्घटना वाले स्थानों की पहचान कर उनमें सुधार का कार्यक्रम, ज़ीरो फेटैलिटी जिला अभियान, हिमालयी क्षेत्रों में 235 लैंडस्लाइडिंग स्थलों का सुधार, ट्रक ड्राइवरों के लिए एसी केबिन अनिवार्य, आधुनिक एम्बुलेंस और 20 मिनट रिस्पॉन्स समय का लक्ष्य शामिल हैं।

श्री गडकरी ने कहा कि दुर्घटनाओं के कारण देश को लगभग तीन प्रतिशत जीडीपी का नुकसान होता है। इतनी मौतें युद्ध, दंगों या महामारी में भी नहीं होतीं, जितनी सड़क दुर्घटनाओं में हो रही हैं। यह देश की सबसे बड़ी समस्या है और इसे सर्वोच्च प्राथमिकता देना आवश्यक है। उनका कहना था कि यदि हम मिलकर प्रयास करें, जागरूकता बढ़ाएँ और कानून का पालन सुनिश्चित करें, तो निश्चित रूप से सडक़ दुर्घटनाओं और इससे होने वाली मौत की संख्या को कम किया जा सकता है।

॥ श्री हरिः ॥ बैठक ॥ श्री हरिः ॥

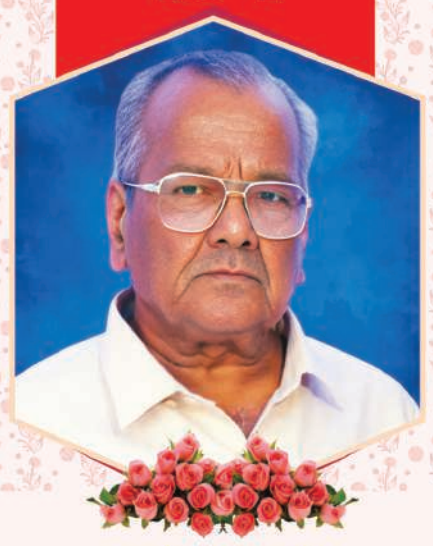

हमारे जीजाजी
श्री श्रीकिशनजी अग्रवाल (बड़ेगाँव वाले)
(सुपुत्र : स्व. साहजी श्री जुगलकिशोरजी सौंथलिया)
स्वर्गवास : गुरुवार दि.26-2-2026

बैठक आज शुक्रवार दि.27-2-2026 को
दोपहर 3:00 से 5:00 बजे तक हमारे निवास स्थान
तेजस्वी नगर कॉलोनी, अत्तापुर, हैदराबाद पर रखी गई है।

शोकाकुल – रमेश अग्रवाल (चाचा ससुर), सुरेश कुमार, सुरेन्दर कुमार, अजयकुमार, रामलाल (साले), रितेश कुमार, नितेश कुमार, साक्षय कुमार, अर्पित कुमार (भतीजे) एवं समस्त गर्ग परिवार

फर्म : चुन्नीलाल रतनलाल
4-6-90/2/1/EW, ईस्ट वुड अपार्टमेन्ट्स, तेजस्वी नगर कॉलोनी, अत्तापुर, हैदराबाद ✆ 9381365494, 9885100500

विजय देवरकोंडा ने रश्मिका मंदाना को बनाया हमसफर

शादी के फोटो शेयर कर लिखा- बेस्ट फ्रेंड को पत्नी बना लिया

साउथ सुपरस्टार रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने 26 फरवरी 2026 को शादी कर ली है, जिसकी तस्वीरें साझा कर उन्होंने फैंस को बड़ा सरप्राइज दिया है। इस कपल ने तेलुगु और कोडवा रीति-रिवाजों से दो-हरी रस्मों के साथ सात फेरे लिए और सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए भावुक पोस्ट लिखे।

सालों की चर्चाओं और कयासों के बाद आखिरकार साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सबसे चहेते कपल, रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने आधिकारिक त ौ र पर अपनी शादी की घोषणा कर दी है। इस जोड़े ने 26 फरवरी 2026 को अपनी 'ड्रीम वेडिंग' की खूबसूरत तस्वीरें साझा कर प्रशंसकों को बड़ा सरप्राइज दिया।

यह शादी बेहद खास रही क्योंकि इसमें दो अलग-अलग संस्कृतियों का मिलन देखने को मिला। रश्मिका और विजय ने तेलुगु आंध्र रीति-रिवाजों और कोडवा (कूर्ग) परंपरा के अनुसार दोहरी रस्मों के साथ सात फेरे लिए।

विजय का भावुक संदेश

अपनी शादी की तस्वीरें पोस्ट करते हुए विजय ने दिल छू लेने वाली बातें लिखीं। उन्होंने बताया कि रश्मिका के बिना उन्हें अधूरापन महसूस होता था। विजय ने लिखा, 'एक दिन, मुझे उसकी बहुत याद आई। मुझे उसकी इतनी याद आई कि मुझे लगा कि अगर वह आस-पास होती तो मेरा दिन बेहतर होता। जैसे अगर वह मेरे सामने बैठी होती तो मेरा खाना ज्यादा अच्छा लगता। जैसे अगर वह मेरे साथ वर्कआउट करती तो मेरा वर्कआउट ज्यादा मजेदार और कम सजा वाला होता। जैसे मुझे उसकी जरूरत थी, बस घर जैसा और शांति महसूस करने के लिए, चाहे मैं कहीं भी रहूं। तो, मैंने अपनी सबसे अच्छी दोस्त को अपनी पत्नी बना लिया।'

रश्मिका ने पति पर लुटाया प्यार

वहीं रश्मिका ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए विजय को अपना 'पति' कहकर दुनिया से मिलवाया। रश्मिका ने लिखा, 'हाय मेरे प्यारों, अब आपसे मिलवाते हैं 'मेरे पति' को मिस्टर विजय देवरकोंडा। वो आदमी जिसने मुझे सिखाया कि सच्चा प्यार कैसा होता है, वो आदमी जिसने मुझे दिखाया कि शांति में रहना कैसा होता है। वो आदमी जिसने मुझे हर दिन कहा कि बड़े सपने देखना बिल्कुल ठीक है और लगातार मुझसे कहा कि मैं उससे कहीं ज्यादा हासिल कर सकती हूं जितना मैं सोच भी नहीं सकती। वो आदमी जिसने मुझे कभी ऐसे नाचने से नहीं रोका जैसे कोई देख नहीं रहा हो। वो आदमी जिसने मुझे दिखाया कि दोस्तों के साथ घूमना सबसे अच्छी चीज है, और यकीन मानिए मैं इस आदमी पर एक किताब लिख सकती हूं।'

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'मैं वो औरत बन गई हूं जिसका मैंने हमेशा सपना देखा था, क्योंकि तुमने उसे वो बनाया जो वो आज है। मैं सच में खुशकिस्मत हूं। विज्जू, तुम्हारे लिए मेरी फीलिंग्स बताने के लिए मेरे पास हमेशा शब्द नहीं होते। मैंने हमेशा तुमसे यही कहा है। लेकिन तुम्हें पता है अचानक मेरी सारी अचीवमेंट्स, स्ट्रगल्स, खुशी, दुख, आनंद, जिंदगी, सब कुछ अब बहुत ज्यादा समझ में आने लगा है, ऐसा इसलिए है क्योंकि मेरे पास तुम हो, यह सब देख रहे हो.. इस सब का सबसे बड़ा हिस्सा हो।

रश्मिका ने आगे कहा कि वह विजय के साथ अपनी पूरी जिंदगी बिताने के लिए बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा, 'मैं तुम्हारी पत्नी बनने के लिए बहुत बहुत बहुत बहुत बहुत एक्साइटेड हूं। तुम्हारी पत्नी बनने के लिए! तुम्हारी पत्नी कहलाने के लिए, अब पूरी पार्टी का टाइम है। चलो साथ में सबसे अच्छी जिंदगी बिताते हैं। आई लव यू।' दोनों की इन तस्वीरों और भावुक संदेशों ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है और फैंस इस नई जोड़ी को जमकर बधाइयां दे रहे हैं।

खुशी में वादे न करो और दुख में फैसला न करो: भाग्यश्री

अभिनेत्री भाग्यश्री अपनी शानदार अदाकारी और सकारात्मक सोच के लिए फैंस के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करवाती रहती हैं। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए जिंदगी को खुलकर जीने की सलाह दी। उन्होंने एक वीडियो पोस्ट कर कैप्शन लिखा, जिंदगी के आसान फंडे खुशी में वादे न करो, दुख में फैसला न करो, गुस्से में जवाब न दो और किसी के दर्द का कारण न बनो। ये जीवन को सही तरीके से जीने के लिए कुछ आसान उसूल हैं। उन्होंने लिखा, जिंदगी के आसान सूत्र। कभी-कभी सबसे सरल चीजें भी मुश्किल हो जाती हैं, जब हम जरूरत से ज्यादा करने की कोशिश करते हैं। इससे यह सीख मिलती है कि किसी काम को तभी करें जब हमारा मन शांत और संतुलित हो। भाग्यश्री सोशल मीडिया पर इस तरह के वीडियो पोस्ट कर सकारात्मकता फैलाती हैं। उन्होंने अपने इस वीडियो के माध्यम से समझाया है कि जीवन में असली खुशी और मजबूती अंदर के विचारों से आती हैं, न की बाहरी दिखावे से।

फैंस उनके पोस्ट को काफी पसंद कर रहे हैं। साथ ही, उनके इस मैसेज से अपनी सहमति जाहिर कर रहे हैं।

भाग्यश्री ने भले ही फिल्मों में कम काम किया हो, लेकिन अपने अभिनय से दर्शकों के दिलों में खास पहचान बनाई है। पहली फिल्म मैंने प्यार किया में काम कर उन्होंने अपनी सादगी से दर्शकों का ध्यान खींचा था। वह फिल्म की रिलीज के बाद रातों रात स्टार बन गई थीं। हालांकि इससे पहले वे टीवी सीरियल 'कच्ची धूप' में नजर आ चुकी थीं।आगे चलकर उन्होंने हिमालय दसानी से शादी की थी और परिवार को प्राथमिकता देते हुए सिनेमा से ब्रेक ले लिया था। भाग्यश्री ने हमेशा अपनी शर्तों पर काम किया है। अब वह 'थलाइवी', 'राधे श्याम' और 'किसी का भाई किसी की जान' जैसी हिंदी फिल्मों में सहायक भूमिकाओं के साथ सक्रिय हैं।

केरल हाई कोर्ट का बड़ा फैसला: 'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज़ पर 15 दिन की रोक

केरल हाई कोर्ट ने विवादित फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड' की रिलीज़ पर फिलहाल 15 दिनों की अंतरिम रोक लगा दी है, जिससे फिल्म तय तारीख पर सिनेमाघरों में नहीं आ पाएगी। केरल हाई कोर्ट में सुनवाई के दौरान फिल्म के निर्माताओं को बड़ा झटका लगा। अदालत ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ताओं की आपत्तियों पर दो हफ्तों के भीतर विचार कर फैसला दे। फिल्म के खिलाफ दायर तीन याचिकाओं में सेंसर सर्टिफिकेट रद्द करने और रिलीज़ पर रोक लगाने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि द केरल स्टोरी 2: गोज़ बियॉन्ड राज्य की छवि को गलत तरीके से पेश करती है और इससे सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है।

मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस कुरियोन थोमस की एकल पीठ ने ीळार षरलळश टिप्पणी की कि फिल्म को प्रमाणपत्र देते समय उइऋउ ने पर्याप्त सावधानी नहीं बरती।अदालत ने स्पष्ट किया कि जब तक उइऋउ याचिकाकर्ताओं की रिवीजन याचिका पर नया आदेश जारी नहीं करता, तब तक फिल्म की रिलीज़ पर रोक जारी रहेगी।

सुभाष घई ने युवाओं को दी सीख, बोले-एआई को दुश्मन नहीं, सहायक टूल समझें

हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक सुभाष घई अक्सर सोशल मीडिया पर अपने विचार रखते रहते हैं। उनकी फिल्में गहरी सोच और समाज को आईना दिखाने के लिए मशहूर हैं। बुधवार को उन्होंने अपनी फिल्मों को लेकर विचार व्यक्त किए। सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट किया। इसमें उनकी हिट फिल्मों के टाइटल राम-लखन, सौदागर, खलनायक, नायक, परदेस और ताल समेत कई नाम शामिल हैं। सुभाष ने अपनी इस पोस्ट के जरिए युवाओं को नई ऊर्जा देने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि काम शानदार करो कि वह फिल्म इंडस्ट्री के लिए ही नहीं, बल्कि हर क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक हो। वे कहते हैं कि काम इतना शानदार हो कि वह खुद बोलता रहे, व्यक्ति की जरूरत न पड़े। सुभाष ने लिखा, आने वाले समय में किसी भी व्यक्ति की असली पहचान उसकी बातों से नहीं बल्कि काम से होगी। काम के जरिए ही उसके विचार और सोच का पता चलेगा।

उन्होंने लिखा, दर्शक लंबे समय तक फिल्म को याद रखते हैं। फिल्म बनाने वाले निर्देशक या क्रिएटर को नहीं, बल्कि फिल्मकार को हमेशा बेहतर करने की कोशिश जारी रखनी चाहिए।

उन्होंने अपनी बात खत्म करते हुए युवा को सलाह दी कि जब तक समय है, सीखते रहो, आगे बढ़ते रहो। नई चीजें सीखने से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने लिखा, एआई को अपनी 'तीसरी आंख' की तरह इस्तेमाल करो। यह नई सोच, नई दिशा और नए आइडिया दिखा सकती है। एआई को दुश्मन नहीं, बल्कि सहायक टूल की तरह देखना चाहिए जो क्रिएटिविटी को और मजबूत बनाए। सुभाष ने अपने करियर में कई शानदार फिल्में दीं, जिन्हें दर्शक आज भी पसंद करते हैं।

नैनीताल से उर्वशी रौतेला का खास जुड़ाव

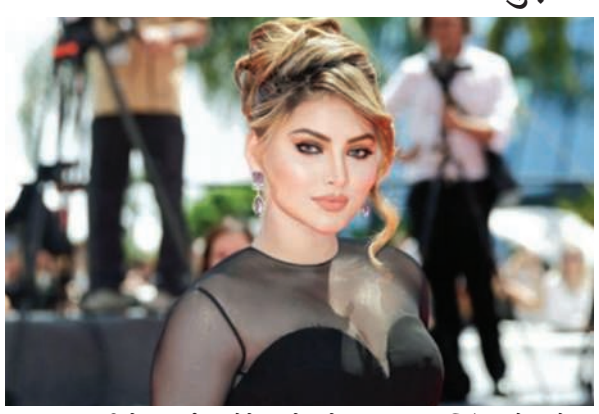

मशहूर अभिनेत्री उर्वशी रौतेला ने हमेशा अपनी एक्टिंग और ग्लैमर के लिए सुर्खियां बटोरी हैं। बॉलीवुड हो या साउथ सिनेमा, उन्होंने अपने स्टाइल, परफॉर्मेंस और एनर्जी से अलग पहचान बनाई है। उन्हें जितना एक्टिंग और डांस से प्यार है, उतना ही प्यार उन्हें ट्रैवलिंग से है। वह ट्रैवल करती रहती हैं। उनकी सबसे पसंदीदा जगह नैनीताल है। इस जगह से उनका गहरा नाता भी है। उर्वशी रौतेला का जन्म 25 फरवरी 1994 को उत्तर प्रदेश के भरतपुर में हुआ था। बचपन से ही उन्हें कला और अभिनय का शौक था। उन्होंने स्कूल और कॉलेज के समय से ही कार्यक्रमों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। उनके परिवार ने हमेशा उनके उत्साह और जुनून को बढ़ावा दिया। उन्होंने अपनी शुरुआत मॉडलिंग से की, साथ ही कई विभिन्न ब्यूटी पेजेंट्स में भी हिस्सा लिया। 2012 में उन्हें फेमिना मिस इंडिया एंटरटेनमेंट क्वीन का खिताब भी मिला। यह उनके करियर का पहला बड़ा मोड़ था। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा और फिल्मों में काम करना शुरू किया।

उर्वशी ने कई बॉलीवुड और साउथ इंडियन फिल्मों में अभिनय किया। उन्होंने साल 2013 में 'सिंह साहब द ग्रेट' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इसके बाद 'सनम रे' (2016), 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती' (2016), 'हेट स्टोरी 4' (2018), 'पागलपंती' (2019) और 'वर्जिन भानुप्रिया' (2020) जैसी फिल्मों में दिखाई दीं। इसके बाद उन्होंने 'डाकू महाराज', 'सिंगल' और कई अन्य फिल्मों में काम किया। उनकी फिल्मों के गाने और स्टाइलिश अंदाज भी लोगों में खूब पसंद किए गए। फिल्मों के साथ-साथ उर्वशी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अपनी सफलता और अनुभव फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। नैनीताल को लेकर उन्होंने एक पोस्ट साझा किया था और इस जगह से अपने खास जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की थी।उन्होंने बताया कि नैनीताल उनके लिए सिर्फ छुट्टियों की जगह नहीं, बल्कि उनकी बचपन की यादों का हिस्सा है। यह उनका ननिहाल है। जब भी वह यहां आती हैं, तो झील में नाव की सवारी, तिब्बती बाजार और मालरोड की सैर जरूर करती हैं।

आमलकी एकादशी पर दान का है खास महत्व

अन्न, धन और वस्त्र दान से मिलता है पुण्य लाभ

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी को आमलकी एकादशी के नाम से जाना जाता है। आमलकी एकादशी को रंगभरी एकादशी भी कहते हैं जिसका व्रत 27 फरवरी, शुक्रवार के दिन रखा जाएगा। पद्म पुराण में इस व्रत को विष्णुलोक की प्राप्ति कराने वाला बताया गया है। साथ ही, आमलकी एकादशी पर दान करना भी बेहद शुभ होता है। मान्यता है कि ऐसा करने से जातक को पुण्य फल की प्राप्ति होती है और व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। आइए पंडित राकेश झा विस्तार से जानते हैं की आमलकी एकादशी पर किन-किन चीजों का दान करना शुभ होता है।

सात प्रकार के अनाज का दान करें

ज्योतिषशास्त्र और पुराणों में सात प्रकार के अनाज का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। एकादशी तिथि पर किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को आप अपनी क्षमता अनुसार चावल, गेहूं, दान, जौ आदि का दान कर सकते हैं। ऐसा करना बहुत पुण्यकारी माना गया है। पद्म पुराण में भी एकादशी तिथि पर दान को बहुत शुभ माना गया है।

वस्त्र का करें दान

आमलकी एकादशी पर व्रती को व्रत के पश्चात वस्त्र का दान करना चाहिए। अगर आप व्रत न भी कर पाएं तब भी किसी जरूरतमंद व्यक्ति को अपनी क्षमता अनुसार वस्त्र का दान कर सकते हैं। ऐसा करने से जातक के जीवन में सकारात्मकता बनी रह सकती है।

वस्त्र के साथ ही एकादशी पर कंबल का दान करना भी बहुत अच्छा माना जाता है।

फलों का दान करें

रंगभरी एकादशी के दिन फलों का दान करने से जातक को उत्तम फल की प्राप्ति हो सकती है। इस दिन आप अलग-अलग प्रकार के फलों का दान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को कर सकते हैं। फलों के अलावा एकादशी तिथि पर आंवले का दान करना भी पुण्यदायी माना गया है क्योंकि, इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा का भी खास महत्व होता है।

धन का करें दान

आप अपने सामर्थ्य अनुसार, आमलकी एकादशी के दिन गरीब या जरूरतमंदों को धन का दान भी कर सकते हैं। मान्यता है कि ऐसा करने से जीवन की कुछ बाधाओं से राहत मिल सकती है। लेकिन अगर धन का दान कर पाना संभव न हो तो आ इसकी बजाए अन्न दान कर सकते हैं। ऐसा करने से अन्नपूर्णा माता की कृपा प्राप्त हो सकती है। मान्यता है की इस दान से घर में अन्न-धन भरपूर रहता है।

जूते-चप्पलों का करें दान

पद्म पुराण में एकादशी तिथि पर जूते-चप्पलों का दान करने का खास महत्व बताया गया है। पूजा पाठ और व्रत के पश्चात किसी जरूरतमंद या गरीब व्यक्ति को जूते-चप्पल दान करने से पुण्य फल प्राप्त हो सकता है। मान्यताओं और पुराण में बताया गया है की आमलकी एकादशी का व्रत और दान करने से समस्त यज्ञों की अपेक्षा से भी अधिक फल की प्राप्ति होती है। इस व्रत को सभी में उत्तम माना गया है।

आमलकी एकादशी पूजन विधि और सामग्री

पद्म पुराण में वर्णित है व्रत का विशेष महत्व

आमलकी एकादशी को रंगभरी एकादशी के नाम से भी जाना जाता है। आमलकी एकादशी का व्रत फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा करने का विशेष महत्व शास्त्रों में बताया गया है। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा का भी विशेष विधान है। इस बार आमलकी एकादशी का व्रत 27 फरवरी को किया जाएगा। इस दिन विधि विधान से पूजा पाठ करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। आइए जानते हैं रंगभरी एकादशी की पूजा विधि और संपूर्ण सामग्री लिस्ट।

आमलकी एकादशी का महत्व

पंड़ित राकेश झा ने बताया कि आंवले के पेड़ में भगवान का वास माना जाता है। आंवले के पेड़ में ब्रह्मा, विष्णु और महेश वास करते हैं। आमलकी एकादशी के दिन लक्ष्मी नारायण के साथ साथ आंवले के पेड़ की पूजा करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पद्म पुराण में भी आमलकी एकादशी व्रत की कथा और महिमा का वर्णन मिलता है।

आमलकी एकादशी पूजन सामग्री

एक लकड़ी की चौकी, सुपारी, कलश, हल्दी, लौंग, फूल, पंच पल्लव आम के पत्ते, कलावा, सिंदूर, बेलपत्र, तुलसी दल,) प्रसाद के लिए मिठाई, आंवले का वृक्ष,

आमलकी एकादशी पूजा विधि पद्म पुराण से

* पद्म पुराण के अनुसार, आमलकी एकादशी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें।

* अब भगवान सूर्यदेव को जल अर्पित करके मन में व्रत का संकल्प लें।

* इसके बाद मंदिर की अच्छे से सफाई करके एक लकड़ी की चौकी पर पीले रंग का वस्त्र बिछाएं।

* अब एक कलश में पानी भरकर उसमें पंच पल्लव रखें और अंदर जल में सुपारी, जायफल, अक्षत, हल्दी आदि चीजें डाल दें।

* चौकी पर भगवान विष्णु माता लक्ष्मी और भगवान शिव और माता पार्वती की प्रतिमा स्थापित करें। स्थापना से पहले सभी को स्नान कराकर वस्त्र जरुर अर्पित कर दें।

* इसके बाद घी का दीपक प्रज्वलित करें और विष्णु भगवान को अक्षत और तुलसी दल अर्पित करें। फिर भगवान शिव और माता पार्वती को अक्षत और बेलपत्र अर्पित करें।

* अब आमलकी एकादशी व्रत कथा का पाठ करें। इसके बाद आरती उतारें।

* अब आंवले के पेड़ के पास जाएं और आसपास अच्छे से सफाई कर दें। इसके बाद आंवले के पेड़ की कम से कम 7 या 108 बार परिक्रमा करें।

* अब आंवले के पेड़ को अर्घ्य दें नमस्ते देवदेवेश जामदग्न्य नमोऽउस्तु ते। गृहाणाध्यमिम दत्तमामलक्या युते हरे।।

* इसके बाद घर आकर सभी को प्रसाद दें।

फाल्गुन मास का अंतिम प्रदोष व्रत कल रखा जाएगा

जानें शुभ मुहूर्त और सरल पूजा विधि

फाल्गुन मास अब अपने अंतिम चरण में है और इसी के साथ इस महीने का आखिरी प्रदोष व्रत भी आने वाला है। सनातन परंपरा में प्रदोष व्रत को भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष कृपा प्राप्त करने का श्रेष्ठ अवसर माना जाता है। हर महीने कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को रखा जाने वाला यह व्रत आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। फाल्गुन मास का अंतिम प्रदोष व्रत इसलिए भी खास माना जा रहा है क्योंकि यह नए महीने के आरंभ से पहले शिवभक्ति का अंतिम अवसर प्रदान करता है।

कब है फाल्गुन मास का आखिरी प्रदोष व्रत

हिंदू पंचांग के अनुसार वर्तमान में शुक्ल पक्ष चल रहा है। शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि का आरंभ 28 फरवरी की रात्रि में होगा और इसका समापन अगले दिन 1 मार्च की शाम तक रहेगा। ऐसे में फाल्गुन मास का अंतिम प्रदोष व्रत 1 मार्च 2026 को रखा जाएगा। यह तिथि शिव उपासना के लिए अत्यंत शुभ मानी जाती है और इस दिन व्रत रखने से भक्तों को विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है।

इस बार कौन सा प्रदोष व्रत रहेगा

कैलेंडर के अनुसार फाल्गुन मास का यह अंतिम प्रदोष व्रत रविवार के दिन पड़ रहा है। रविवार को पड़ने के कारण इसे रवि प्रदोष व्रत कहा जाएगा। मान्यता है कि जिस दिन प्रदोष व्रत पड़ता है, उसी दिन के आधार पर उसका नाम रखा जाता है। रवि प्रदोष व्रत सूर्य तत्व से जुड़ा माना जाता है और इसमें शिव भक्ति के साथ अनुशासन और संयम का विशेष महत्व बताया जाता है।

रवि प्रदोष व्रत का शुभ मुहूर्त

त्रयोदशी तिथि की शुरुआत 28 फरवरी की रात लगभग आठ बजे के बाद मानी जा रही है, जबकि इसका समापन 1 मार्च की शाम तक रहेगा। पूजा के लिए दिन के समय भी शुभ अवसर उपलब्ध रहेगा, वहीं प्रदोष काल में की जाने वाली पूजा को विशेष फलदायी माना गया है। इस अवधि में भगवान शिव की आराधना करने से व्रत का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

व्रत का पारण कब किया जाएगा

प्रदोष व्रत का पारण अगले दिन प्रातःकाल किया जाता है। रवि प्रदोष व्रत का पारण 2 मार्च 2026 को किया जाएगा। पारण के समय व्रत का विधिवत समापन किया जाता है, जिसे शास्त्रों में अत्यंत आवश्यक बताया गया है। सही समय पर पारण करने से व्रत का पुण्य पूर्ण रूप से प्राप्त होता है।

रवि प्रदोष व्रत की सरल पूजा विधि

प्रदोष व्रत के दिन प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण किए जाते हैं और व्रत का संकल्प लिया जाता है। इसके बाद घर के मंदिर की साफ-सफाई कर भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा की जाती है। संध्या के समय प्रदोष काल में दीप प्रज्वलित कर शिव आराधना की जाती है और शिव मंत्रों का जप किया जाता है। मान्यता है कि इस समय की गई पूजा से शिव कृपा शीघ्र प्राप्त होती है और भक्त के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

फाल्गुन मास का अंतिम प्रदोष व्रत शिवभक्तों के लिए विशेष आध्यात्मिक महत्व रखता है। रवि प्रदोष व्रत के रूप में आने वाला यह दिन संयम, श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक माना जाता है। विधिपूर्वक व्रत और पूजा करने से मानसिक शांति और आध्यात्मिक संतुलन की अनुभूति होती है।

होली का आध्यात्मिक महत्व : अग्नि शुद्धि और प्रह्लादत्व का संदेश

होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि, भक्ति और आंतरिक उत्थान का पर्व है। भारतीय परंपरा में यह पर्व उस सत्य का प्रतीक है जिसमें श्रद्धा और पवित्रता की विजय होती है तथा अहंकार और अधर्म का अंत।

अष्टाँग योग का नियमित अभ्यास किसी भी मनुष्य को प्रह्लाद बना सकता है – वही प्रह्लाद, जिसकी कथाएँ पुराणों में निहित हैं और जिसे हिरण्यकश्यप ने फाल्गुन मास की पूर्णिमा को होलिका दहन में जलाकर मारने का प्रयास किया था। किंतु उस रात की शक्ति ही कुछ ऐसी थी कि प्रह्लाद बिना जले आग से बाहर आ गया और होलिका, जिसे न जलने का वरदान प्राप्त था, फिर भी जलकर राख़ हो गई।

पुराणों में निहित कथाएँ केवल मनोरंजन का साधन नहीं हैं, बल्कि ज्ञान का भंडार हैं। एक साधारण मनुष्य उन्हें सिर्फ कहानियाँ ही मानता है। सीमित बुद्धि के कारण उसमें इन कथाओं में निहित ज्ञान को जानने की जिज्ञासा ही नहीं होती। और यही इन कथाओं का उद्देश्य भी है कि उनमें छिपे ज्ञान और रहस्यपूर्ण शक्तियों तक एक योग्य साधक ही पहुँच सके।

ज्ञान की प्राप्ति और दैविक शक्तियों का अनुभव गुरु द्वारा निर्धारित क्रियाओं और साधनाओं के नियमित अभ्यास से ही संभव है।

यह सृष्टि पाँच तत्वों के संयोजन और सम्मिश्रण से उत्पन्न हुई है। जब शरीर में कोई दोष होता है तभी ये तत्व मिलकर उस शरीर की संरचना करते हैं। आयुर्वेद के अनुसार वात, पित्त और कफ ही शरीर के दोष हैं तथा वेदों के अनुसार कोई नकारात्मक विचार या स्वार्थ की भावना ही शरीर में दोष का कारण है।

यही दोष एक मनुष्य की मूल प्रकृति को निर्धारित करते हैं। तत्वों की शुद्धता और अशुद्धता का स्तर ही एक व्यक्ति की विचारधारा को निर्धारित करता है। यदि तत्व शुद्ध हैं तो विचार उच्चकोटि के और परमार्थ के होंगे; यदि तत्व अशुद्ध हैं तो मनुष्य के विचार स्वार्थपूर्ण और स्थूल स्तर के होंगे।

पंच तत्वों में अग्नि तत्व का उल्लेख विशेष महत्त्वपूर्ण है क्योंकि केवल इसी तत्व को दूषित नहीं किया जा सकता। यही एक ऐसा तत्व है जो गुरुत्वाकर्षण के बावजूद ऊपर की ओर उठता है। इसके संपर्क में जो कुछ भी आता है वह शुद्ध और पवित्र हो जाता है। यही अग्नि मनुष्य का उत्थान करने की क्षमता रखती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि ऋग्वेद का पहला शब्द 'अग्नि' ही है।

अग्नि की शक्ति को प्राप्त करने के लिए कुछ विशेष दिन अत्यंत महत्वपूर्ण माने गए हैं, जिनमें होली भी एक है। इस दिन होलिका प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठ गई थी। किंतु वह एक साधिका थी और अग्नि द्वारा उसके पवित्र होने का समय आ चुका था। इसलिए वरदान होते हुए भी अग्नि ने उसे स्वीकार कर लिया और प्रह्लाद, जो पहले से ही पवित्र और विशुद्ध था, बिना जले बाहर आ गया।

जो शरीर पूर्ण रूप से शुद्ध होता है, अग्नि उसे प्रभावित नहीं करती। यहाँ अग्नि से तात्पर्य केवल स्थूल अग्नि से ही नहीं, बल्कि हमारे जीवन में आने वाली किसी भी प्रकार की नकारात्मकता, अशांति या विघ्न से भी है।

एक पवित्र देह उच्च लोकों में जाने योग्य मानी गई है, जहाँ उसका संपर्क दैविक शक्तियों से रहता है और ऐसी आत्मा सदैव आनंद की स्थिति में होती है। वहीं एक अशुद्ध शरीर संसार के भोगों में व्यस्त रहता है ˉ ऐसे भोग जो क्षणभंगुर तो हैं ही, साथ ही उस प्राणी को रोग की ओर भी ले जाते हैं। ऐसे व्यक्ति को प्रतीत होता है कि उसका मनोरंजन हो रहा है और समय सही व्यतीत हो रहा है, किंतु वास्तव में समय ही उसे व्यतीत कर रहा होता है और रोगों की ओर ले जा रहा होता है, क्योंकि रोग ही भोग का विपरीत है। सृष्टि स्वयं भी तो एक-दूसरे के विपरीत पहलुओं का ही परिणाम है।

सनातन क्रिया में भी होली के दिन करने के लिए कुछ शुद्धिकरण प्रक्रियाएँ दी गई हैं। इसमें साधक अपने चारों ओर अग्नि चक्र बनाकर गुरु द्वारा दिए गए मंत्रों का जाप करते हैं, जिससे उनमें आत्मिक शुद्धि की प्रक्रिया प्रारंभ हो जाती है।

– अश्विनी गुरु जी
ध्यान आश्रम

होली के शुभ मुहूर्त में अश्विनी गुरुजी सोमवार दि. 02 मार्च को शाम 5:30 बजे होली के महत्व और इसके मंत्रों पर प्रकाश डालेंगे। इसके बाद ध्यान आश्रम और इसके विश्वव्यापी केंद्रों में वैदिक यज्ञ और मंत्र साधना होगी।
अश्विनी गुरुजी ध्यान आश्रम के मार्गदर्शक और वैदिक विज्ञान के प्रामाणिक विद्वान हैं। उनकी पुस्तक सनातन क्रिया: द एजलेस डायमेंशन एंटी-एजिंग पर एक प्रशंसित शोध प्रबंध है। अधिक जानकारी के लिए ध्यान आश्रम की आधिकारिक वेबसाइट www.dhyanfoundation.com **पर संपर्क किया जा सकता है।**

चैतन्य महाप्रभु की कथा, प्रभु ने बताया संकीर्तन भजन का महत्व

ईष्वर भक्ति एवं प्रभु नाम सभी प्रकार के अमंगल को हरने वाला है। एक दृष्टान्त के अनुसार श्री चैतन्यमहाप्रभु नित्य रात्रि में एक पंडित जी के यहां नाम-संकीर्तन कराते थे, बहुत से भक्त उसमें सम्मिलित ते थे। पंडित जी का पुत्र कीर्तन में झांझ बजाया करता था और खुब प्रेम से प्रभु नाम स्मरण करता था। एक दिन सायंकाल के समय किसी भयंकर रोग के कारण उनके पुत्र की मृत्यु हो जाती है, यह देखकर पंडित जी की पत्नी की आंखों से आंसू बहने लगते हैं तो पंडित जी कहते हैं कि, 'सावधान! बिल्कुल नहीं रोना, एकदम चित्कार नहीं करना।'

उनकी पत्नी कहती है कि, 'मेरा पुत्र मर गया और आप ऐसा कह रहे हैं।' पंडित जी कहते हैं, 'यदि तुम्हारा पुत्र था तो मेरा भी कुछ था किन्तु यदि तुम रोई तो आसपास में सबको खबर हो जाएगी कि हमारे घर में शोक हुआ है और यदि सब यहां एकत्रित हो गए तो रात्रि में महाप्रभु जी की कीर्तन कराने कहीं अन्यत्र जाना पड़ेगा, उनको असुविधा होगी, तुम इस बालक को ले जाकर भीतर कक्ष में लेटा दो, प्रातः देखेंगे कि क्या करना है।' उनकी पत्नी वैसा ही करती है। रात्रि में महाप्रभुजी पधारे, कीर्तन प्रारम्भ हुआ

तभी महाप्रभुजी पंडित जी से पूछते हैं, 'अरे! तुम्हारा बालक किधर है, आज दिखाई नहीं देता वह।' पंडित जी झूठ नहीं बोल सकते थे और सत्य कह दिया तो महाप्रभु जी को पीड़ा होगी इसलिए वह केवल इतना ही बोले, 'भगवन! होगा यहीं कहीं।' इतने में ही कोई आकर महाप्रभु जी से कहता है कि, 'महाप्रभुजी वह कीर्तन में कहां से आएगा, उसकी तो संध्याकाल में ही मृत्यु हो गई है।' तब चैतन्य महाप्रभु कहते हैं कि, 'यह तो हो ही नहीं सकता, जिसके घर में नित्य स्तोत्र-पाठ, नाम संकीर्तन, ऐसा मंगल कीर्तन होता है वहां ऐसा अंगल हो ही नहीं सकता।' श्रीमहाप्रभु जी गंभीर वाणी में पुकारते हैं, 'अरे! ओ पंडित जी के बालक कहाँ है तू, इधर आ, आज कीर्तन मे झांझ कौन बजाएगा।' इधर महाप्रभुजी का बोलना हुआ, उधर वह बालक कक्ष के भीतर से दौड़ा-दौड़ा बाहर आया और कीर्तन में झांझ बजाने लगा। पंडित जी और उनकी पत्नी के नेत्रों से आंसू बहने लगे, वे महाप्रभु जी को बारंबार प्रणाम करने लगे।

संपादकीय

व्यापार समझौते का सच

हम एक लोकतांत्रिक देश हैं, लिहाजा अभिव्यक्ति की आजादी और विरोध-प्रदर्शन हमारे संवैधानिक और मौलिक अधिकार हैं। हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मर्यादाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकर्ताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया था, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भड़काने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभानु चिब को भी रिमांड पर लिया गया है। अब इसे व्यापार समझौता बनाम किसान बनाम प्रधानमंत्री का मुद्दा बना दिया गया है। 'किसान महाचौपाल' की पहली रैली के लिए भोपाल चुना गया, क्योंकि मप्र में करीब 83.50 लाख किसान हैं। मप्र को 'सोया स्टेट' कहा जाता है, जहां देश के करीब 45 फीसदी सोयाबीन का उत्पादन होता है। करीब 50 लाख किसान सोयाबीन की खेती करते हैं। दरअसल देश की हकीकत यह है कि भारत करीब 60 फीसदी सोयाबीन एवं खाद्य तेल अर्जेन्टीना से आयात करता है और 20 फीसदी तेल ब्राजील से लेते हैं। मात्र 2 फीसदी खाद्य तेल अमरीका से आयात किया जाता है। भारत दशकों से 75 फीसदी खाद्य तेल और दालें आयात करता रहा है, क्योंकि भारत में खपत इतनी है और भारतीय किसान इतना उत्पादन करने में असमर्थ हैं। भारत कुल 1.61 लाख करोड़ रुपए का खाद्य तेल आयात करता है। क्या इन दशकों में हिंदुस्तान नहीं बिका? क्या किसान खत्म नहीं हुए? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का प्रधानमंत्री मोदी पर गंभीर आरोप है कि उन्होंने अमरीका के साथ व्यापार समझौते के जरिए हिंदुस्तान को ही बेच दिया। वस्त्र उद्योग बर्बाद कर दिया। किसानों को खत्म (सोयाबीन, कपास के संदर्भ में) कर दिया और देश का महत्वपूर्ण डाटा अमरीका को दे दिया। चूंकि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और प्रधानमंत्री का लगातार विरोध करना ही उनका राजनीतिक दायित्व है। भारत के लोकतंत्र में नेता विपक्ष को 'छाया प्रधानमंत्री' कहते हैं, क्योंकि वह दूसरा सबसे महत्वपूर्ण पद है। राहुल गांधी कुछ भी बोल सकते हैं, लेकिन सच तो यह है कि अभी अमरीका के साथ व्यापार समझौता हुआ ही नहीं है। सिर्फ फ्रेमवर्क हुआ था, जिसे कभी भी खारिज किया जा सकता है। अब अमरीकी सर्वोच्च अदालत के 'अवैध टैरिफ' वाले फैसले के बाद दोनों पक्ष पुनर्विचार कर रहे हैं, बैठक भी टाल दी गई है। जब डील हुई ही नहीं, तो देश कैसे बेच दिया गया? इसके अलावा, भारत सरकार के वाणिज्य मंत्री, कृषि मंत्री लिखित तौर पर स्पष्ट कर चुके हैं कि किन कृषि, खाद्य, डेयरी उत्पादों और मसालों को भारत के बाजार में आने की अनुमति अमरीका को नहीं दी गई है। फिर देशहित से सौदा कैसे कर लिया गया? कमोबेश नेता प्रतिपक्ष देश को भ्रमित और गुमराह न करें। कांग्रेस अभी ऐसी महाचौपाल महाराष्ट्र और राजस्थान में भी आयोजित करेगी। बहरहाल यह उनकी राजनीति है, लेकिन एआई शिखर सम्मेलन के दौरान जो 'नंगापन' सामने आया, क्या उसकी कोई भी लीड खुफिया एजेंसियों को नहीं मिली? यह खुफिया तंत्र की गंभीर नाकामी है कि वैश्विक आयोजन में हुड़दंग मच गया।

> हम प्रधानमंत्री, मंत्रियों, सरकार और नीतियों की आलोचना और विरोध कर सकते हैं, लेकिन ये अधिकार निरंकुश नहीं हैं। उनकी अपनी सीमा, समय और मर्यादाएं तय हैं। जरा संविधान के संबद्ध अध्याय को पढ़ लीजिए। ये अधिकार देश की जन-व्यवस्था को बिगाड़ने वाले नहीं होने चाहिए। किसी के घर में घुसकर आंदोलन खड़े नहीं किए जा सकते। युवा कांग्रेस के 'बेकमीज' कार्यकर्ताओं ने एआई शिखर सम्मेलन में घुसकर जो उत्पात मचाया, उसे देश ने भी खारिज किया और कांग्रेस के सहयोगी दलों ने भी मुखालफत की, नाराजगी जताई, क्योंकि यह देश के मान-सम्मान का सवाल था। प्रधानमंत्री मोदी और अमरीका के साथ व्यापार समझौते का विरोध करना था, तो पूरा देश खाली पड़ा है। राजधानी दिल्ली में ही आंदोलन-स्थल चिह्नित हैं। कांग्रेस के युवाओं ने एक वैश्विक मंच को तितर-बितर करने की कोशिश की थी। दिल्ली पुलिस ने कुछ गैर-जमानती, गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए हैं और 8 उपद्रवी उसकी रिमांड पर हैं। कांग्रेस इन दंगाइयों को 'बब्बर शेर' करार दे रही है और ऐसे प्रदर्शनों के लिए उकसा रही है। केस में 'आपराधिक साजिश', देश की अखंडता के खिलाफ, दंगे में शामिल होना और भड़काने, लोकसेवक पर हमला आदि की धाराएं लगाई गई हैं।

कुछ अलग

एक मनहूस नाटक...

वह सडक़ जो भूतपूर्व हो चुकी थी, आज उसका मुआइना करने के लिए परवरदिगार आए हैं। सडक़ जब बनी तो सडक़ थी, जल्दबाजी में ठेकेदार के द्वारा बनाई गई एक सडक़। आर्थिक वर्ष का अंत पास था। खजाने में ग्रांट अप्रयुक्त पड़ी थी। मौसम भी यहां खलनायक है, बसंत के दिनों में बादल फटता है, और बादल फटने के दिनों में बसंत आपकी अगवानी करता है। इसलिए बनी सडक़ें इस मौसम में कब टूट-फूट कर पगडंडी हो गईं, कुछ पता नहीं चला। गड्ढों की शरणस्थली भी कब मरम्मत की तलाश में बोरवैल बन गई, पता ही नहीं चला। यहां मरम्मत के नाम पर सडक़ों के बार-बार टूटने के रिकार्ड बनते हैं, और इस पर चलने फिरने वाले लोग अपने नाम के साथ स्वर्गीय कहलाने को बेबस दिखाई देते हैं। रात का अंधेरा क्या अब तो यहां दिन में भी तारे दिखाई देने लगे, इसीलिए नागरिकों ने भूतों की वेशभूषा धारण करके यहां कीचड़ भरे कपड़ों के साथ भूतिया नृत्य पेश किया। जी नहीं, यह किसी आधुनिक नुक्कड़ नाटक की पेशकारी नहीं थी। इस सडक़ से गुजरते लोगों का असली नाच था। एक प्रतीक नाटक बनाने की जरूरत ही क्या, जबकि जिंदगी ही यहां एक मनहूस नाटक हो गई। नाच और हर हाल में लोग नाचते दिखाई देते हैं। बेबस नाच। यहां जाने-माने गुंडों के साथ चंद पुलिस अधिकारी नाचते दिखाई देते हैं। अब गैंगस्टर तो हर इलाके में हैं। वे भी अपने इलाके में खुली बाहों के साथ उनका स्वागत करते हैं, और अपनी उनके साथ घी खिचड़ी हो जाने की लालसा पूरी करते हैं। नतीजतन, एफआईआर में से असल दोषियों के नाम गायब होते नजर आते हैं। अदालतों में केस पेश होने में देर होने लगती है।

घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी

शिक्षा को हिंसक नहीं, संवेदनशील बनाना होगा

ललित गर्ग

> छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है।

देश में इन दिनों बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और सामान्य परीक्षाएं भी शुरू होने वाली हैं। हर साल की तरह इस बार भी परीक्षा का मौसम केवल प्रश्नपत्रों और परिणामों का नहीं, बल्कि मानसिक दबाव, चिंता और असुरक्षा का मौसम बनता जा रहा है। छात्रों के चेहरों पर भविष्य की चिंता साफ पढ़ी जा सकती है। यह चिंता केवल अच्छे अंक लाने की नहीं, बल्कि अपेक्षाओं के बोझ को ढोने की है। दुर्भाग्य यह है कि यह दबाव कई बार इतना असहनीय हो जाता है कि वह आत्मघाती या हिंसक रूप ले लेता है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े एक भयावह सच उजागर करते हैं। वर्ष 2013 से 2023 के बीच छात्रों की आत्महत्या की दर में लगभग 65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के टूटने की कहानी है। इन आत्महत्याओं के पीछे पढ़ाई का दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं, सामाजिक तुलना और आर्थिक तनाव प्रमुख कारण बताए जाते हैं। लेकिन हाल में लखनऊ में जो घटना सामने आई, उसने इस संकट को एक और खतरनाक दिशा में मोड़ दिया है। लखनऊ की घटना केवल परीक्षा दबाव की कहानी नहीं है, बल्कि परिवारों में बढ़ती संवेदनहीनता, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा का दर्पण है। पुलिस जांच के अनुसार एक पैथोलॉजी लैब संचालक पिता अपने बेटे को डॉक्टर बनाना चाहते थे और उस पर नीट जैसी परीक्षा पास करने का लगातार दबाव बना रहे थे। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच बहस हुई और 21 वर्षीय युवक ने पिता की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने अपराध छिपाने के लिए शव के टुकड़े किए, कुछ बाहर फेंके, कुछ घर में छिपाए, छोटी बहन को धमकाया और पुलिस को गुमराह करने के लिए पहले लापता होने और फिर आत्महत्या की कहानी गढ़ी। यह सब बताता है कि यह क्षणिक आवेश नहीं था, बल्कि भीतर लंबे समय से पल रही कुंठा, आक्रोश और मानसिक विघटन का परिणाम था। प्रश्न यह है कि एक बेटे के भीतर इतनी नफरत कैसे पनप सकती है? क्या 'कुछ बनने' का दबाव इतना भारी हो सकता है कि वह रिश्तों को भी तार-तार कर दे? हर माता-पिता चाहते हैं कि

उनकी संतान सफल हो, प्रतिष्ठित करियर बनाए, समाज में सम्मान पाए। लेकिन जब यह चाहत संवाद और सहयोग की जगह नियंत्रण और दबाव का रूप ले लेती है, तब वह प्रेरणा नहीं, मानसिक उत्पीड़न बन जाती है। जब शिक्षा जीवन-निर्माण का माध्यम न होकर, विनाश का कारण बन जाती है।

भारत में नीट और जी जैसी प्रतियोगी परीक्षाएं लाखों युवाओं के लिए उम्मीद का प्रतीक हैं। नीट में पिछले वर्ष 23 लाख से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया, जबकि ज्वाइंट एन्टरेंस एक्जामिनेशन (जेईई) के एक सत्र में 13 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने आवेदन किया। इन लाखों विद्यार्थियों में से केवल कुछ हजार ही शीर्ष संस्थानों तक पहुंच पाते हैं। शेष विद्यार्थियों के हिस्से अक्सर निराशा, आत्मग्लानि और सामाजिक तुलना का दंश आता है। जब सफलता का पैमाना केवल रैंक और अंक बन जाए, तो असफलता जीवन का अंत प्रतीत होने लगती है। कोटा जैसे कोचिंग केंद्रों में हर वर्ष आत्महत्या की खबरें सामने आती हैं। कोटा देश की कोचिंग राजधानी कही जाती है, जहां हजारों छात्र सपने लेकर पहुंचते हैं। लेकिन उन्हीं सपनों का बोझ कई बार उनके जीवन से भारी पड़ जाता है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी का मामला नहीं है, बल्कि एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का परिणाम है जिसमें प्रतियोगिता सहयोग से अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है।

लखनऊ की घटना में एक और तथ्य उल्लेखनीय है- आरोपी छात्र की मां का निधन हो चुका था। घर में चाचा-चाची मौजूद थे, लेकिन क्या उस युवक की मनःस्थिति को समझने का प्रयास किया गया? क्या उसके भीतर के तनाव, अकेलेपन और भय को किसी ने सुना? यदि परिवार में नियमित संवाद होता, यदि मानसिक स्वास्थ्य को उतनी ही गंभीरता से लिया जाता जितनी अंकों को, तो शायद यह भयावह वारदात टाली जा सकती थी। आज समस्या केवल आत्महत्या तक सीमित नहीं है। बच्चे हिंसक भी हो रहे हैं। यह हिंसा बाहरी नहीं, भीतर से उपज रही है-कुंठा, अपमानबोध, तुलना और असफलता के भय से। जब बच्चे को यह महसूस होने लगे कि वह केवल एक 'प्रोजेक्ट' है, एक 'इन्वेस्टमेंट' है, जिसे किसी निश्चित पेशे में ढालना है, तब उसकी स्वतंत्र पहचान कुचल जाती है। वह या तो भीतर ही भीतर टूट जाता है या विस्फोट कर देता है।

शिक्षा का उद्देश्य जीवनदायिनी होना चाहिए-विवेक, संवेदना और आत्मविश्वास का विकास करना चाहिए। लेकिन जब शिक्षा केवल प्रतिस्पर्धा और रैंकिंग का माध्यम बन जाए, तो वह तनाव और हिंसा को जन्म देती है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा डॉक्टर या इंजीनियर नहीं बन सकता, और न ही बनना चाहिए। विविध प्रतिभाओं को सम्मान देने वाली सामाजिक मानसिकता विकसित किए बिना यह संकट कम नहीं होगा। इस संदर्भ में तीन स्तरों पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। पहला, परिवार। माता-पिता को यह समझना होगा कि अपेक्षा और दबाव में अंतर है। अपेक्षा प्रेरणा देती है, दबाव भय पैदा करता है। बच्चों के साथ खुला संवाद, उनकी रुचियों को समझना, असफलता को स्वीकार्य बनाना और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। 'तुम्हें डॉक्टर बनना ही है' की जगह 'तुम जो बनना चाहो, हम साथ हैं' जैसी सोच विकसित करनी होगी। दूसरा, शिक्षा संस्थान। स्कूल और कोचिंग संस्थानों को केवल परिणाम देने वाली मशीन नहीं, बल्कि संवेदनशील संस्थान बनना होगा। नियमित काउंसलिंग, तनाव प्रबंधन कार्यशालाएं और परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न न बनाने की संस्कृति विकसित करनी होगी। शिक्षकों को भी विद्यार्थियों की मानसिक दशा पहचानने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। तीसरा, सरकार और समाज। मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और कलंकमुक्त बनाना होगा। परीक्षा प्रणाली में सुधार, वैकल्पिक करियर मार्गों को बढ़ावा, और कौशल आधारित शिक्षा पर जोर देना समय की मांग है। मीडिया को भी सनसनी की बजाय संवेदनशील रिपोर्टिंग करनी चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम इन घटनाओं को सामान्य न मानें। हर आत्महत्या और हर हिंसक घटना हमारे सामाजिक ताने-बाने में दरार का संकेत है। यदि हम इसे केवल 'व्यक्तिगत मामला' कहकर टाल देंगे, तो आने वाले समय में ऐसी घटनाएं और बढ़ेंगी। लखनऊ की घटना हमें झकझोरती है। यह बताती है कि शिक्षा का दबाव, पारिवारिक संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य की उपेक्षा मिलकर कितनी भयावह परिणति ला सकती है। अब समय है कि हम सामूहिक आत्ममंथन करें। शिक्षा को जीवन का उत्सव बनाएं, न कि भय का कारण। बच्चों को लक्ष्य दें, लेकिन उनके पंख न काटें। सपने दिखाएं, पर उन्हें सांस लेने की जगह भी दें। जब तक हम सफलता की परिभाषा को व्यापक नहीं करेंगे और बच्चों को अंक से अधिक मनुष्य मानना नहीं सीखेंगे, तब तक यह संकट बना रहेगा।

देश दुनिया से

मेलों को बनाएं सतत विकास का माध्यम

भारतीय संस्कृति मूलतः उत्सवधर्मी है। ऋतु परिवर्तन से लेकर धार्मिक आस्थाओं और स्थानीय परंपराओं तक, वर्ष भर देश के विभिन्न हिस्सों में मेले और उत्सव आयोजित होते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी प्रदेश में मेले केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि लोकजीवन की धडक़न हैं। ऐसे आयोजन देव संस्कृति, लोककला, लोकसंगीत, हस्तशिल्प और पारंपरिक खानपान को मंच प्रदान करते हैं एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देते हैं और युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोडऩे का अवसर प्रदान करते हैं। किन्तु पिछले कुछ वर्षों में एक चिंताजनक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है और वह है, मेलों का बढ़ता सरकारीकरण और राजनीतिकरण। हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरीय सरकारी दर्जा प्राप्त मेलों की संख्या सौ से अधिक बताई जाती है। वर्ष भर प्रशासनिक अमला इन मेलों के आयोजनों में व्यस्त रहता है। सिद्धांततः यह स्थिति सांस्कृतिक संरक्षण के लिए सकारात्मक प्रतीत हो सकती है, परंतु व्यवहार में इसके कई दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। राजनीतिक हस्तक्षेप इसका सबसे प्रमुख पक्ष है। अनेक अवसरों पर देखा गया है कि मेले के मंच और खर्चों पर अप्रत्यक्ष रूप से सत्तारूढ़ दल के लोगों का प्रभाव बना रहता है। समापन दिवस सांस्कृतिक आयोजन कम और राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन अधिक प्रतीत होता है। मेला समिति के संसाधनों से नेताओं और उनके समर्थकों को मोमेंटो, शॉल-टोपी आदि से सम्मानित किया जाता है, जबकि वास्तविक श्रम करने वाले अधिकारी-कर्मचारी, बुद्धिजीवी और स्थानीय स्वयंसेवक उपेक्षित रह जाते हैं। सांस्कृतिक संध्याओं की गुणवत्ता भी प्रश्नों के घेरे में है। हाल ही में मंडी में आयोजित मंडी अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव की एक सांस्कृतिक संध्या में अश्लील चुटकुलों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिससे आयोजकों की व्यापक आलोचना हुई। ऐसे प्रसंग दर्शाते हैं कि कलाकार चयन में पारदर्शिता और संवेदनशीलता का अभाव है। स्थानीय और उभरते कलाकारों को मंच पर एक-दो मिनट देकर उतार दिया जाता है, जबकि बाहरी 'सेलिब्रिटी' कलाकार लंबा समय लेकर मोटी रकम वसूलते हैं। इससे न केवल स्थानीय प्रतिभाओं का मनोबल गिरता है, बल्कि लोकसंस्कृति के संरक्षण का उद्देश्य भी गौण हो जाता है। इसी प्रकार धर्मशाला में आयोजित कांगड़ा कार्निवाल के दौरान दर्शकों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था न होना, बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए असुविधाजनक परिस्थितियां पैदा करना, प्रशासनिक तैयारी पर प्रश्नचिह्न लगाता है। मेले जनसहभागिता के आयोजन हैं। यदि मूलभूत सुविधाएं ही उपलब्ध न हों, तो भव्य मंच-सज्जा का कोई अर्थ नहीं रह जाता। हिमाचल के प्रमुख मेलों, कुल्लू दशहरा, मंडी अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव, बैजनाथ शिवरात्रि मेला, मिंजर मेला तथा सुजानपुर का होली मेला में भागीदारी के अनुभव बताते हैं कि स्टॉल आवंटन से करोड़ों रुपए की आय अर्जित की जाती है। उदाहरण के लिए सुजानपुर टिहरा के चौगान मैदान को होली

> हिमाचल में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तरीय सरकारी दर्जा प्राप्त मेलों की संख्या सौ से अधिक बताई जाती है। वर्ष भर प्रशासनिक अमला इन मेलों के आयोजनों में व्यस्त रहता है। सिद्धांततः यह स्थिति सांस्कृतिक संरक्षण के लिए सकारात्मक प्रतीत हो सकती है, परंतु व्यवहार में इसके कई दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं।

मेले के लिए 2 करोड़ 31 लाख की बोली पर दिए जाने की खबरों ने छोटे दुकानदारों में चिंता बढ़ाई है। इससे स्पष्ट है कि प्रशासन को ऐसे आयोजनों से भारी राजस्व प्राप्त होता है। प्रश्न यह है कि इस आय का कितना हिस्सा संबंधित क्षेत्र के स्थायी विकास पर व्यय होता है? दुर्भाग्य से अनेक स्थानों पर सफाई व्यवस्था अत्यंत दयनीय पाई जाती है। मेले के बाद मैदानों में कचरे का अंबार, उड़ती धूल, अव्यवस्थित पार्किंग और अस्थायी दुकानों के अवशेष लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन जाते हैं। मेला स्थलों पर पार्किंग, गंदगी और पेयजल की कमी की शिकायतें आम हैं। दूरदराज से आने वाले श्रद्धालुओं को पीने का स्वच्छ पानी, शौचालय और ठहरने की समुचित सुविधाएं उपलब्ध न होना प्रशासनिक उदासीनता का द्योतक है। विडंबना यह भी है कि देवताओं, देवलुओं, बजंतरियों और पुजारियों, जो इन धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों की आत्मा हैं, के लिए समुचित व्यवस्थाएं अक्सर नगण्य रहती हैं। अधिकांश राशि सांस्कृतिक संध्याओं की चमक-दमक पर खर्च कर दी जाती है, जबकि स्थायी ढांचे, सार्वजनिक शौचालय, पुस्तकालय, पार्किंग स्थल, स्वच्छ पेयजल व्यवस्था उपेक्षित रह जाते हैं। यदि मेले से अर्जित आय का एक निश्चित प्रतिशत संबंधित शहर या कस्बे के बुनियादी ढांचे के विकास पर अनिवार्य रूप से खर्च किया जाए, तो ये आयोजन दीर्घकालिक सामाजिक लाभ दे सकते हैं। राजनीतिकरण का एक अन्य आयाम यह है कि मेला समितियों में चयन और निर्णय प्रक्रिया पारदर्शी नहीं होती। कलाकार चयन, स्टॉल आवंटन और सम्मान वितरण में पक्षपात की शिकायतें मिलती रहती हैं। इससे आम जनता में अविश्वास पनपता है। साथ ही, बाहरी व्यापारियों और रेहड़ी-फड़ी वालों की अधिकता से स्थानीय व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होती है। प्रशासन को ऐसी नीति बनानी चाहिए, जिसमें स्थानीय दुकानदारों को प्राथमिकता और संरक्षण मिले। सवाल उठता है कि आखिर समाधान क्या हो? प्रथम, सभी सरकारी दर्जा प्राप्त मेलों की आय-व्यय का वार्षिक ऑडिट अनिवार्य और सार्वजनिक किया जाए। वेबसाइटों पर विस्तृत विवरण उपलब्ध हो, ताकि नागरिक आरटीआई का सहारा लिए बिना जानकारी प्राप्त कर सकें। द्वितीय, मेला आय का एक निश्चित अंश, मान लें 25 प्रतिशत, स्थायी सार्वजनिक सुविधाओं के विकास हेतु अनिवार्य किया जाए। तृतीय, कलाकार चयन और सम्मान वितरण के लिए स्वतंत्र और विशेषज्ञ समिति गठित की जाए, जिसमें लोकसंस्कृति के जानकार, साहित्यकार, शिक्षाविद और समाजसेवी शामिल हों। चतुर्थ, हिमाचली व्यापारियों और स्वयं सहायता समूहों को प्राथमिकता देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए। अंततः, मेले मनोरंजन का साधन अवश्य हैं, परंतु उनका उद्देश्य केवल कुछ दिनों की चकाचौंध नहीं होना चाहिए। वे समाज की सांस्कृतिक चेतना, आर्थिक सशक्तिकरण और सामुदायिक विकास के वाहक बन सकते हैं, यदि उनमें पारदर्शिता, जवाबदेही और संतुलन हो। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वे मेलों को राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन का मंच बनाने के बजाय उन्हें जनहित, संस्कृति संरक्षण और सतत विकास का माध्यम बनाएं। तभी हिमाचल की समृद्ध परंपराएं आने वाली पीढ़ियों तक सम्मानपूर्वक और स्वाभिमान के साथ पहुंच सकेंगी।

आप का नज़रिया

फैसलों को काटने का हक

कर्मचारी एक फर्ज या भूमिका का आगाज, सामने पतझड़ में वसंत का इंतजार। हिमाचल में पहले वसंत में फैसले होते थे, तो दफ्तरों और संस्थानों में हर दिन दिवाली सी होती थी, लेकिन अब वित्तीय पतझड़ के बीच वसंत से वापस लेने पड़ते हैं कठिन फैसले। ऐसे में नाक पर अपनी छवि ढोएं या नाक पर बैठी मक्खी से उलझ जाएं। आश्चर्य है कि बढ़ते ऋण के हिसाब में भी फैसलों को काटने का अधिकार मांगा जा रहा है। वह इसलिए कि पढ़ाई को गुल्ली-डंडा मान कर, स्कूलों में माहौल लंबी तान के सो गया और शिक्षा से इतर नेताओं की चमक में नीतियां और वार्षिक समारोहों के तोरणद्वार सजने लगे थे। ऐसे में बचाएं किसे। शिक्षा, शिक्षा की पद्धति या राष्ट्रीय सफलता के आयाम में पठन-पाठन की परिपाटी बदली जाए। स्कूलों की प्रासंगिकता में छात्रों की अभिरुचि, अध्यापकों की पोस्टिंग, शिक्षा की गुणवत्ता से सफलता का निष्कर्ष निकाला जाए या सरकारी संस्थानों के सामने विजयी उद्घोष में निजी स्कूली परिसरों का मुकाबला किया जाए। हैरानी यह है कि इमारतों में शिक्षा की प्रासंगिकता ढूंढी जा रही है, जबकि उपयोगिता के लिहाज से सारा पाठ्यक्रम प्रश्नांकित है। शिक्षा में सरकारी स्कूल ही पिछड़े हो जाएं, तो इन्हें नए कौशल, ऊर्जा और मानदंड के लिहाज से नई दृष्टि चाहिए। इसी परिप्रेक्ष्य में सीबीएसई की प्रयोगशाला में अगर डेढ़ सौ के करीब सरकारी स्कूल रखे जा रहे हैं, तो इसके जरिए शिक्षकों को भी श्रेय लूटने का मौका है। यह सवाल और फैसला अभिभावकों की कचहरी में है कि वे सरकारी इमारत के बीच सीबीएसई के दिल से जुड़ते हैं या यह चमत्कार अभी कठिन परीक्षण के दौर में है। परीक्षण केवल एक पद्धति का नहीं है, बल्कि नए प्रयोग की सफलता का भी है, इसलिए सरकार नए मानदंडों के आकलन में शिक्षक वर्ग का उत्थान चाहती है और इस तरह जो 'गुरुत्व' कुछ अध्यापकों को स्क्रीनिंग के मुहाने तक खींच लाया, उसके मायने सार्थक और गंभीर हैं। अंततः शिक्षक ही वास्तविक कड़ी है जो शिक्षा का परिवेश बदल सकता है। सीबीएसई स्कूलों के माध्यम से हम दिल्ली या चंडीगढ़ के स्कूलों का वातावरण इतना नजदीक ला सकते हैं कि कल छात्रों का एक विशिष्ट समुदाय उच्च शिक्षा के पैमानों में, अपनी क्षमता का ईंधन भरते हुए राष्ट्रीय फलक की पहचान बनाने की प्रतिस्पर्धा में अव्वल मूल्यांकन करवा पाएगा। यह दीगर है कि कैडर में सब कॉडर का चयन भी एक परीक्षा है। कॉडर के बीच संघर्ष के चिन्ह महज नाफरमानी नहीं हो सकते, बल्कि यह अनूठा पुरुषार्थ है जिसके फलक पर सारा दारोमदार रहेगा। आखिर सेंट्रल, नवोदय व सैनिक स्कूलों की तर्ज पर हिमाचल के सरकारी स्कूलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड का झंडा फहराने के मानदंड भी तो स्थापित होने हैं। बेशक सीबीएसई सब कैडर से मूल में वापसी का विकल्प अब शिक्षकों की वरिष्ठता सूची की हिफाजत करेगा, फिर भी स्क्रीनिंग टेस्ट में मैरिट के आधार पर चयन सूची जैसी पारदर्शिता का इंतजार शिक्षक वर्ग को रहेगा। सीबीएसई स्कूलों में नए कैडर की तलाशी के इंतजाम, दरअसल सेंट्रल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट के पैमाने भी खड़े कर रही है। क्या सीटेट की परीक्षा की अनिवार्य शर्त से छूट मिलेगी या आगे चलकर यह लक्ष्मण रेखा भी पार करनी होगी। अंततः सीबीएसई पद्धति में सरकारी अध्यापक की शिनाख्त के बीच भरोसे का सेतु भी खड़ा करना पड़ेगा, लेकिन इसका यह अर्थ भी नहीं कि पूरी प्रक्रिया की अहर्ताओं को दरकिनार कर दिया जाए। अभी नए स्कूलों के आगाज में सरकार की इच्छाशक्ति के खिलाफ कुछ आंदोलनों की मिट्टी ढूंढी जा रही है। आश्चर्य यह कि कुछ स्थानों पर स्कूली छात्रों से इस मुहिम के खिलाफ नारेबाजी करवाई जा रही है, फिर भी सीबीएसई स्कूलों के समर्थन में भी अभिभावकों का एक वर्ग तैयार हो चुका है। आज अगर डेढ़ सौ के करीब स्कूलों में अध्ययन-अध्यापन की तख्तियां बदली जा रही हैं, तो कल इसी कतार में भविष्य का कदमताल बढ़ सकता है।

> स्कूलों की प्रासंगिकता में छात्रों की अभिरुचि, अध्यापकों की पोस्टिंग, शिक्षा की गुणवत्ता से सफलता का निष्कर्ष निकाला जाए या सरकारी संस्थानों के सामने विजयी उद्घोष में निजी स्कूली परिसरों का मुकाबला किया जाए। हैरानी यह है कि इमारतों में शिक्षा की प्रासंगिकता ढूंढी जा रही है, जबकि उपयोगिता के लिहाज से सारा पाठ्यक्रम प्रश्नांकित है। शिक्षा में सरकारी स्कूल ही पिछड़े हो जाएं, तो इन्हें नए कौशल, ऊर्जा और मानदंड के लिहाज से नई दृष्टि चाहिए। इसी परिप्रेक्ष्य में सीबीएसई की प्रयोगशाला में अगर डेढ़ सौ के करीब सरकारी स्कूल रखे जा रहे हैं, तो इसके जरिए शिक्षकों को भी श्रेय लूटने का मौका है। यह सवाल और फैसला अभिभावकों की कचहरी में है कि वे सरकारी इमारत के बीच सीबीएसई के दिल से जुड़ते हैं या यह चमत्कार अभी कठिन परीक्षण के दौर में है। परीक्षण केवल एक पद्धति का नहीं है, बल्कि नए प्रयोग की सफलता का भी है, इसलिए सरकार नए मानदंडों के आकलन में शिक्षक वर्ग का उत्थान चाहती है और इस तरह जो 'गुरुत्व' कुछ अध्यापकों को स्क्रीनिंग के मुहाने तक खींच लाया, उसके मायने सार्थक और गंभीर हैं। अंतत: शिक्षक ही वास्तविक कड़ी है जो शिक्षा का परिवेश बदल सकता है।

दृष्टि कोण

आर्थिक योगदान व पर्यावरण क्षति का हो मूल्यांकन

उत्तराखंड सरकार के अनुसार गत वर्ष राज्य में पर्यटकों का आगमन 6 करोड़ पार कर गया, जो कुल आबादी से छह गुना अधिक है। 'इंडिया टूरिज्म कम्पोडियम 2025' के आंकड़ों पर गौर करें तो यह आंकड़ा कोई मायावी नहीं हैं, बल्कि हकीकत है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की परिभाषा के आधार पर ही ये आंकड़े तैयार किये गये हैं। उन्हीं आंकड़ों के अनुसार गत वर्ष उत्तर प्रदेश में 64.6 करोड़ और तमिलनाडु में 30 करोड़ से अधिक पर्यटक पधारे थे। ये भारी-भरकम आंकड़े सरकारी फाइलों में सफलता के प्रमाणपत्र की तरह पेश किए जाते हैं, लेकिन इनकी गहराई में उतरते ही एक गंभीर विरोधाभास भी सामने आता है। अगर किसी प्रदेश में सचमुच आनंद की अनुभूति के लिए इतने पर्यटक आ जायें तो उस प्रदेश का बेड़ापार ही हो जाये! क्या विशाल भीड़ वास्तव में वह 'पर्यटक' है, जिससे अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है, या यह केवल एक सांख्यिकीय भ्रम है? 'संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन' के मानक 'पर्यटक' की परिभाषा को इतना व्यापक बना देते हैं कि इसमें श्रद्धा और सैर-सपाटे के बीच का अंतर समाप्त हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने सामान्य निवास स्थान से बाहर 24 घंटे से अधिक रुकता है, तो उसे पर्यटक माना जाएगा, चाहे उद्देश्य धार्मिक हो या मनोरंजन। इन्हीं मानकों की ओट में भारतीय राज्य कांवड़ियों और साधुओं को भी 'पर्यटक' की श्रेणी में दर्ज कर लेते हैं। यहीं से उस धारणा को चुनौती देने की आवश्यकता है जो संख्यात्मक बहुलता को आर्थिक समृद्धि का पर्याय मान लेती है। वास्तव में पर्यटक और तीर्थयात्री के उद्देश्य और खर्च करने की क्षमता में मौलिक अंतर होता है। पर्यटक होटलों में रुकता है और स्थानीय अर्थव्यवस्था में 'लिक्विड कैश' का संचार करता है। इसके विपरीत, पारंपरिक तीर्थयात्री अक्सर अपना भोजन साथ लेकर चलते हैं और उनकी यात्रा का उद्देश्य मानसिक शांति होती है, न कि आर्थिक उपभोग। 'प्लेजर टूर' या आनंदमयी यात्रा ही वास्तव में पर्यटन की वह मूल अवधारणा है जो इसे 'तीर्थाटन' से अलग करती है।

पर्यटन का मुख्य आधार 'अवकाश' (लीजर) है, जिसे गिल्बर्ट सिगॉक्स ने एक ऐसी मानवीय गतिविधि माना है, जिसमें व्यक्ति स्वेच्छा से अपने मनोरंजन, ज्ञानवर्धन या स्वास्थ्य लाभ के लिए सामान्य परिवेश का त्याग करता है। तीर्थाटन जहां धार्मिक आस्था, कर्तव्य और मोक्ष की भावना से प्रेरित होता है, वहीं 'प्लेजर टूर' का प्राथमिक उद्देश्य मानसिक शांति, भौतिक सुख और व्यक्तिगत खुशी प्राप्त करना होता है। दरअसल, तीर्थाटन में जहां 'श्रद्धा' सर्वोपरि है, वहीं पर्यटन या 'प्लेजर टूर' जब हम इन दोनों श्रेणियों को एक ही तराजू में तौलते हैं, तो नीतिगत स्तर पर भारी चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जहां तीर्थाटन का बोलबाला है, वहां की अवसंरचना पर पड़ने वाला दबाव इन करोड़ों नवागन्तुकों की भीड़ से तय होता है, लेकिन उस दबाव को झेलने के लिए मिलने वाला राजस्व उस अनुपात में नहीं होता। उदाहरण के तौर पर, कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों की भीड़ के लिए प्रशासन को सफाई, सुरक्षा और स्वास्थ्य की जो व्यवस्था करनी पड़ती है, उसका वित्तीय बोझ करदाताओं की जेब पर पड़ता है, जबकि उस भीड़ से होने वाला प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ न्यूनतम होता है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या हम केवल संख्या गिनने के लिए अपनी पारिस्थितिकी और संसाधनों को दांव पर लगा रहे हैं? तर्कपूर्ण ढंग से देखें तो पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के लिए आवश्यक अवसंरचना भी पूरी तरह भिन्न होती है। एक हाई-वैल्यू पर्यटक को बेहतर कनेक्टिविटी, स्वच्छता, निजी स्थान और उच्चस्तरीय आतिथ्य की आवश्यकता होती है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है- और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरुरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक-दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,शी,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है- क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे-बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक-दूसरे से आज एक-दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़ुशबू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें- यही वक़्त है जब आप अपने बारे में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं- इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 फरवरी 2026 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 10:35 तक
नक्षत्र : आर्द्रा प्रातः 10:49 तक
योग : आयुष्मान रात्रि 07:43 तक
करण : वणिज प्रातः 11:43 तक
चन्द्रराशि : मिथुन रात्रि 03:53 तक
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 06:21 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:36, सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:29, सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:26, सूर्यास्त 06:13 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : आमलकी एकादशी व्रत , बिडकुला ढाल थापना भद्रा के पहले,
भद्रा प्रातः 11:33 से रात्रि 10:33 तक , होलाष्टक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

कांग्रेसराज में किसानों को नहीं मिलता था मुआवजा

वर्तमान सरकार ने पटवारियों की जिम्मेदारी तय की: सैनी

चंडीगढ़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह पहली सरकार है जो प्राकृतिक आपदा से फसल खराब होने पर प्रभावित किसानों को शत-प्रतिशत मुआवजा किसान के खातों में पहुंचाने का काम किया है। उसी तर्ज पर राज्य सरकार भी किसानों को मुआवजा प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में वीरवार को प्रश्नकाल के दौरान विधायक बलराम दांगी द्वारा मुआवजे के संबंध में पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रहे थे। नायब सिंह सैनी ने जवाब देते हुए कहा कि सरकार ने महम विधानसभा क्षेत्र के गांवों के किसानों को लगभग साढ़े 6 करोड़ रुपये मुआवजे के तौर पर वितरित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस के शासन में पटवारी गांव में जाकर चौपाल पर बैठ जाता था और कुछ किसानों का नाम लिख लेता था। बाकी किसान केवल उम्मीद लगाए रह जाते थे। इनके समय में ऐसा सिस्टम था। परंतु वर्तमान सरकार ने पटवारियों की जिम्मेदारी तय की है और उन पर कार्रवाई भी की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पटवारी की जिम्मेदारी तय की है कि अगर किसी किसान की फसल का खराबा हुआ है तो उसकी शत-प्रतिशत सूचना सरकार को लिखित में देगा। इतना ही नहीं, मुआवजा के लिए अलग स्लैब बनाई है और पूरा मुआवजा किसानों को देने का काम कर रहे हैं। नायब सिंह सैनी ने कहा कि अगर किसी की गलती है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी और यदि कोई किसान बचा है तो मुआवजा उसे पहुंचाने का काम करेंगे।

नूंह में स्टोर कीपर रिश्वत लेते गिरफ्तार

एसीबी की बड़ी कार्रवाई

नूंह, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (रा.स. एवं ए.सी.बी.) की गुरुग्राम टीम ने आज दिनांक 26.02.2026 को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला समाज कल्याण कार्यालय, नूंह में तैनात आरोपी मुकेश कुमार, स्टोर कीपर को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस संबंध में अभियोग संख्या 04 दिनांक 26.02.2026, धारा 7 एवं 7ए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम में मामला दर्ज किया गया है।

शिकायतकर्ता ने एसीबी गुरुग्राम को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि उसकी बुढ़ापा पेंशन की फाइल पास करवाने के बदले आरोपी द्वारा 10,000 रुपये की रिश्वत की मांग की गई।

शिकायत की पुष्टि के उपरांत एसीबी टीम ने योजनाबद्ध कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता को निर्धारित राशि के साथ आरोपी के पास भेजा। जैसे ही आरोपी ने रिश्वत की रकम स्वीकार की, एसीबी टीम ने तत्काल दबिश देकर उसे उसके कार्यालय से रंगे हाथ काबू कर लिया। आरोपी के कब्जे से 10,000 रुपये की रिश्वत राशि बरामद की गई।

वन्यजीव विभाग के निरीक्षक सहित दो रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

चंडीगढ़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए आज दिनांक 26.02.2026 को वन्यजीव विभाग, अम्बाला में तैनात निरीक्षक राकेश कुमार तथा एनीमल अटेंडेंट भरत को 30,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों को कार्यालय वन्यजीव विभाग, अम्बाला से ट्रैप कार्रवाई के दौरान काबू किया गया। इस संबंध में आरोपियों के विरुद्ध अभियोग संख्या 03 दिनांक 26.02.2026 धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 तथा धारा 61(2) व 308(2) बी.एन.एस. के तहत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला में मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता सन्दीप पुत्र जसमेर सिंह निवासी गांव भीलपुरा, जिला अम्बाला ने ब्यूरो को दी गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उक्त अधिकारियों ने उसके घर से 25 किलो मांस पकड़े जाने के मामले में वन्यजीव (संरक्षण) नियमावली के अंतर्गत चालान न करने के एवज में 50,000 रुपये की मांग की। बाद में सौदा 40,000 रुपये में तय हुआ, जिसमें से 10,000 रुपये दिनांक 23.02.2026 को ले लिए गए थे, जबकि शेष 30,000 रुपये आज दिनांक 26.02.2026 को मांगे जा रहे थे।

शिकायत की प्रारंभिक जांच के उपरांत ब्यूरो द्वारा योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप लगाया गया। पूरी कार्रवाई स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न की गई तथा आरोपियों को 30,000 रुपये की रिश्वत राशि स्वीकार करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने दोहराया है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत कठोरतम कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी स्तर पर भ्रष्ट आचरण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने की प्रश्नकाल को उपयोगी बनाने की अपील

चंडीगढ़, 26 फरवरी (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वीरवार को बजट सत्र के प्रश्नकाल पर अपनी ऑब्जर्वेशन दी। उन्होंने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि प्रश्नकाल चर्चा के लिए नहीं होता। उनका प्रयास रहता है कि प्रश्नकाल के दौरान अधिक से अधिक प्रश्न कार्यवाही का हिस्सा बने। तभी ज्यादा से ज्यादा सवालों के जवाब सदन में आ सकेंगे। इसलिए उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि पूरक प्रश्न विषय केंद्रित तथा संक्षिप्त होने चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर पूरक प्रश्नों में स्पष्टता नहीं होगी तो मंत्रीगणों को भी उनका जवाब देने में कठिनाई होगी। ऐसे में बहुत से प्रश्न छूट भी जाते हैं। इसलिए हम सभी समय का सदुपयोग करते हुए प्रश्नकाल को प्रभावी, सुव्यवस्थित और सार्थक बनाने का प्रयास करें।

कैथल में सहकारिता विभाग के दो अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

अम्बाला, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्रभावी कार्रवाई करते हुए सहकारिता विभाग, कैथल में तैनात आरोपी ऋषि कुमार, सहायक रजिस्ट्रार तथा जसबीर सिंह, निरीक्षक को 30,000/- रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी कार्यालय सहायक रजिस्ट्रार, सहकारिता विभाग, कैथल से की गई। इस संबंध में आरोपीगण के विरुद्ध अभियोग संख्या 04 दिनांक 26.02.2026 धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 तथा धारा 61(2) बी.एन.एस. के अंतर्गत थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, अम्बाला में मामला दर्ज कर विधि अनुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। शिकायतकर्ता मांगे राम पुत्र विजय सिंह, निवासी गांव पाडला, जिला कैथल द्वारा ब्यूरो को दी गई शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उक्त आरोपियों ने उसके पोते को सहकारिता विभाग में नौकरी दिलवाने के नाम पर 1,00,000/- रुपये की मांग की थी, जिनमें से 70,000/- रुपये पूर्व में ले लिए गए थे तथा शेष 30,000/- रुपये की मांग की जा रही थी। शिकायत की सत्यता की पुष्टि उपरांत सतर्कता ब्यूरो की टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की, जिसमें आरोपियों को स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में पारदर्शी ढंग से रिश्वत लेते हुए काबू किया गया।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत ऐसी कार्रवाइयां निरंतर जारी रहेंगी।

भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का जैसलमेर आगमन पर पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को जैसलमेर में एयरफोर्स स्टेशन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति दो दिवसीय यात्रा पर राजस्थान पहुंची हैं। 27 फरवरी (शुक्रवार) को मुर्मु जैसलमेर

के पोकरण में आयोजित वायुशक्ति- 2026 अभ्यास में शामिल होंगी।

श्रीगंगानगर में एमएसपी पर गेहूं खरीद को लेकर समीक्षा बैठक, 52 खरीद केन्द्र निर्धारित

श्रीगंगानगर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, जयपुर द्वारा जारी निर्देशों की अनुपालना में रबी विपणन वर्ष (आरएमएस) 2026-27 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं खरीद से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा हेतु जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई।

बैठक में अवगत करवाया गया कि केन्द्र सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रूपये प्रति क्विंटल घोषित किया गया है। रबी विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद 10 मार्च 2026 से 30 जून 2026 तक की जायेगी। गेहूं खरीद हेतु खाद्य विभाग की वेबसाईट पर ''गेहूं खरीद हेतु किसान रजिस्ट्रेशन'' उपलब्ध है।

एमएसपी पर गेहूं खरीद हेतु ऑनलाईन पंजीकरण खाद्य विभाग, जयपुर के पोर्टल पर 1 फरवरी से 25 जून 2026 तक किया जा सकता है। गेहूं खरीद हेतु वर्ष 2026-27 हेतु जिला श्रीगंगानगर हेतु कुल 52 खरीद केन्द्र निर्धारित किये गये हैं।

प्रखर राष्ट्रवादी और महान देशभक्त थे वीर सावरकर : मेघवाल

बीकानेर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। क्रांतिकारी और राष्ट्रभक्त विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) की अष्टधातु की प्रतिमा का अनावरण गुरुवार को दीदी मां साध्वी ऋतम्भरा ने किया। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित कार्यक्रम में बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सिद्धि कुमारी तथा श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड अध्यक्ष रामगोपाल सुथार सहित अनेक लोग मौजूद रहे। वीर सावरकर की साठवीं पुण्यतिथि के अवसर पर वीर सावरकर पर्यावरण सेवा समिति द्वारा एमएन अस्पताल के सामने यह प्रतिमा स्थापित की गई है। इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि वीर सावरकर प्रखर राष्ट्रवादी और महान देशभक्त थे। देश की आजादी में उनके योगदान को सदियों तक याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर ने जेल में अनेक यात्नाएं सही। वे सामाजिक समरसता के प्रतीक और भारतीय संस्कृति के संवाहक थे। उनकी प्रतिमा स्थापित करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। मेघवाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के प्रयासों से संसद के सेंट्रल हॉल में सावरकर की प्रतिमा स्थापित हुई। उन्होंने कहा कि यहां स्थापित प्रतिमा युवाओं के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। दीदी मां साध्वी ऋतम्भरा ने कहा कि वीर सावरकर ने देश को राष्ट्रभक्ति के पथ पर चलना सिखाया। वे इतिहास के पन्नों पर हमेशा अमर रहेंगे। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर का व्यक्तित्व प्रेरणादाई था। वे आजादी के दीवाने थे। उन्होंने देश हित को सदैव सर्वोपरि रखा।

बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र विधायक सिद्धि कुमारी ने कहा कि वीर सावरकर जैसे इतिहास पुरूषों के संघर्ष से देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा सावरकर को इतिहास पुरूष बताया और कहा कि ऐसे महान देशभक्तों के प्रति हमें कृतज्ञ रहना चाहिए।विनायक ने कहा कि वीर सावरकर ने देश धर्म निभाया और देश की समृद्ध संस्कृति का संरक्षण किया। उन्होंने जेल में अनेक यात्नाएं सहीं। देश को आजादी दिलाना उनके जीवन का एकमात्र लक्ष्य था। इस दौरान टेक चंद बरड़िया और डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य ने वीर सावरकर के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सावरकर जैसे महापुरूष, सदियों में एक बार जन्म लेते हैं।

नीतिका शर्मा ज्योतिष रत्न 2026 से सम्मानित

जयपुर, 26 फरवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की प्रसिद्ध सामाजिक संस्था सेवा सुख संस्थान जयपुर की ओर आयोजित सम्मान समारोह में श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा को ज्योतिष गौरव रत्न 2026 से सम्मानित किया गया।

सेवा सुख संस्थान की ओर से सम्मान समारोह जयपुर के मानसरोवर स्थित होटल सैफायर आयोजित किया गया। जिसमें संस्थान की राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवानी गौतम और संस्थापक सचिव सनातनी चंद्रेश ने वैदिक, सनातन, धर्म, संस्कृति और ज्योतिष के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए श्री लक्ष्मी नारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नितिका शर्मा को ज्योतिष रत्न 2026 से सम्मानित किया।

एक दिवसीय आयोजित सम्मान समारोह में विभिन्न क्षेत्रों

के 35 से अधिक विद्वानों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में 'गुदड़ी का लाल' सॉग की लांचिंग की गई। इसमें रिटायर्ड जज के पी सक्सेना, राजस्थानी फिल्म डायरेक्टर क्षितिज शर्मा, जगदीश तिवारी, आशीष, सुशील मोहन शर्मा, रितेश गौतम, योगेश शर्मा अपूर्व सक्सेना, पंकज ओझा, अनिल पारीक, नरेंद्र भूषण इत्यादि गणमान्य लोग मौजूद रहे। टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा का ज्योतिष ज्ञान बहुत ही अद्भुत है और इनका ज्योतिष आंकलन हमेशा सटीक जाता है। नीतिका शर्मा ने ज्योतिष पर अब तक सैकड़ों लेख लिखे हैं। ज्योतिष के लेख विभिन्न समाचार पत्रों एवं टीवी चैनल में नियमित प्रकाशित होते रहते हैं। प्रतिदिन टैरो राशिफल भी प्रकाशित होते हैं।

अंबेडकर बस्ती में चमत्कारी हनुमान मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए बैठक

बेल्लमपल्ली, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

स्थानीय अंबेडकरनगर में निवासी ब्राह्मण शिव शंकर प्रसाद पांडेय (महाराज) के बताए अनुसार करीब 36 साल पहले जंगल के किनारे एक स्थल में उत्तर दिशा की ओर मुख किए हुए हनुमान की एक दुर्लभ मूर्ति मिली। पांडेय ने बताया कि उन्हें स्वप्न में उस मूर्ति का स्थान दिखा, जिसे स्थानीय लोगों ने वहां से उठा कर अंबेडकरनगर की एक छोटी झोपड़ी में स्थापित कर पूजा-अर्चना शुरू कर दी। उस समय इलाके में बिजली सुविधाएँ भी नहीं थीं, फिर भी भक्त अत्यंत श्रद्धा से हनुमान की पूजा करते आए।

हनुमान जी को अभय अंजनेया स्वामी के नाम से जाना जाता है और स्थानीय श्रद्धालुओं का विश्वास है कि यह पूजा स्थल चमत्कारी है।

वर्षों से यहाँ की प्रतिमा ने भक्तों की सुरक्षा और आशीर्वाद का अनुभव कराया, लेकिन मंदिर को व्यवस्थित रूप से नवीनीकरण, प्राण प्रतिष्ठा, ध्वज स्तंभ एवं अन्य आवश्यक कार्यों की आवश्यकता महसूस की गई।

वार्ड के रहने वाले बेड्डाला विजय कुमार ने मंदिर के इतिहास और महत्त्व से प्रेरित होकर इसे पुनर्निर्मित करने का संकल्प लिया। उन्होंने घोषणा की कि यदि वे या उनके परिवार का कोई सदस्य पार्षद बनता है, तो जीत के एक महीने के भीतर मंदिर के पुनर्निर्माण का आधारशिला, प्राण प्रतिष्ठा, ध्वज स्तंभ, गोपुर शिखर प्रतिष्ठा, हवन-यज्ञ व भव्य कार्यक्रम आयोजित कराएंगे। प्राथमिक योगदान के रूप में उन्होंने अपने पार्षद वेतन का पांच साल के लिए स्थायी दान देने का भी ऐलान किया तथा मूर्ति और प्राण प्रतिष्ठा के खर्च वह स्वयं वहन करने को तैयार हैं।

पार्षद बेड़डाला सौजन्या विजय ने ट्रस्टी के रूप में 22,000 रुपये का दान दिया, जबकि तीसरे वार्ड के पार्षद ने भी मंदिर के विकास में पूरा सहयोग और समर्पण व्यक्त किया। बस्ती के लोगों ने इस पहल पर खुशी जतायी और आशा व्यक्त की कि पुनर्निर्माण से मंदिर और भी भव्य बनेगा तथा हनुमान जी की कृपा सभी पर बनी रहेगी।

मंचेरियाल के खिलाड़ियों ने स्टेट किकबॉक्सिंग में धाक जमाई

मंचेरियाल, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के गच्चीबोवली स्टेडियम में 19-21 फरवरी को हुए सीएम कप किकबॉक्सिंग प्रतियोगिता के दूसरे संस्करण में मंचेरियाल जिले के छात्रों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कई पदक जीते। जिला किकबॉक्सिंग एसोसिएशन की जनरल सेक्रेटरी मारुपका शीलता ने बताया कि आई. हर्षिता ने स्वर्ण पदक, एम. रिहांश ने रजत पदक तथा ए. राजेश्वरी और एन. मानवी ने कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रौशन किया। जिला यूथ स्पोर्ट्स ऑफिसर हनुमंत रेड्डी और जिला अध्यक्ष सुधमल्ला हरिकृष्णा ने मेडल विजेताओं की मेहनत की सराहना की। तेलंगाना किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के पदाधिकारियों, स्कूल प्रिंसिपलों और परिवारों ने भी विजेताओं को बधाई दी।

साइबर ठगों ने खाते से 3.08 लाख रुपये उड़ाए

आसिफाबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आसिफाबाद में जिम संचालक विशाल खांड्रे उर्फ़ विनोद खांड्रे के बैंक खातों से साइबर ठगों ने कुल 3,08,849 की रकम गायब कर दी। विशाल ने बताया कि उनके मोबाइल नंबर के हेक होने के बाद 22 फरवरी की देर रात से एचडीएफसी बैंक खाते से क्रमवार 500 से रकम कटनी शुरू हुई और कुल मिलाकर 10,000 तक निकाले गए। 23 फरवरी को यूनियन बैंक खाते से दो बार 50,000-50,000 निकाल लिए गए। 24 फरवरी को 49,950 और 49,900 तथा 25 फरवरी को 49,999 और फिर 50,000 की राशि भी साइबर ठगों ने उड़ा ली। बैलेंस चेक करने पर उन्हें कुल 3,08,849 की चोरी का पता चला। विशाल ने मामले की शिकायत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर तथा आसिफाबाद पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उन्होंने किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं किया था और इस घटना से गहरी चिंता व्यक्त की है।

ग्राम सभा में अवैध शराब दुकान बंद करने की मांग

मदनूर, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्थानिक ग्राम पंचायत सचिव संदीप की मौजूदगी में गुरुवार को ग्राम पंचायत कार्यालय परिसर में प्रथम ग्रामसभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता ग्राम सरपंच ऊषा संतोष मिस्त्री ने की। बैठक में संबंधित शाखाओं के अधिकारियों ने विभिन्न समस्याओं पर जनता के सामने अपनी बातें रखीं।

पशु वैद्यकीय अधिकारी ने बताया कि मटन केंद्रों पर भेड़-बकरी काटने से कम से कम 24 घंटे पहले निरोगी प्रमाण पत्र लेना अनिवार्य है। प्रमाण पत्र नहीं होने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत की जमीनों पर हो रहे अवैध कब्जों की शिकायत की; सचिव ने बताया कि तीन दिन के भीतर अवैध कब्जे हटाये जायेंगे।

स्वच्छता और मिशन भगीरथा (पानी सप्लाई) को सुदृढ़ करने की भी मांग उठी।

सबसे अहम मुद्दा अवैध शराब बिक्री का था। ग्रामीणों ने बताया कि गाँव के किराना, होटल और कई गलियों में दिन-रात अवैध शराब बेची जा रही है। यह दुकानें मंदिर, पाठशाला और संकरी गलियों से गुजरने वाले छात्रों, महिलाओं व किशोरियों के लिए परेशानी का कारण बन रही हैं। जनता ने संबंधित अधिकारियों से अवैध शराब विक्रेताओं की दुकानें बंद करने और कई विक्रय प्रतिष्ठानों को गांव से कम-से-कम 500 मीटर दूरी पर स्थलांतरित करने की मांग की। सचिव ने आश्वस्त किया कि आबकारी और पुलिस शाखा को आवेदन देकर अवैध शराब बिक्री के विरुद्ध कार्रवाई करने का अनुरोध किया जाएगा।

जिला परिषद हाई स्कूल में डिस्ट्रिक्टलेवल उर्दू मीडियम टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित

कोरूटला, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)

शहर के झ.च. श्री जिला परिषद गर्ल्स हाई स्कूल में डिस्ट्रिक्टलेवल उर्दू मीडियम हाई स्कूल टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम (स्कूल कॉम्प्लेक्स मीटिंग) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य स्कूल प्रिंसिपल और शिक्षकों की प्रोफेशनल स्किल्स (कैपेसिटी बिल्डिंग) को मजबूत करना था ताकि उर्दू मीडियम के छात्रों की शैक्षिक सफलता सुनिश्चित की जा सके।

कॉम्प्लेक्स प्रिंसिपल वी. गंगाधर और नल्ला भूमैया ने शिक्षकों से अनुरोध किया कि वे विशेष प्रशिक्षण देकर विद्यार्थियों को कक्षा द में 100 प्रतिशत उत्तीर्ण कराने और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करवाने पर ध्यान दें। कार्यक्रम में रिसोर्स पर्सन अब्दुल विरह, टीचर मोहम्मद अब्दुल रऊफ, लायक, अजहर अकबर, सलीम, उठझ मनविता, पी. गंगाधर, ज्योति सहित अन्य शिक्षण एवं शैक्षिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गोदावरी पाइपलाइन का काम युद्धस्तर पर, पेयजल आपूर्ति जल्द

बेल्लमपल्ली, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बेल्लमपल्ली में लंबे समय से प्रतीक्षित गोदावरी पेयजल परियोजना के तहत मंचेरियाल से एल्लमपल्ली तक पाइपलाइन बिछाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है। गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि काम समय पर पूरा हो और नगरवासियों को निर्बाध पेयजल आपूर्ति मिल सके।

बेल्लमपल्ली विधायक गड्डम विनोद की पहल से परियोजना का निरीक्षण पूरा होने के अंतिम चरण में पहुंचा है। गुरुवार को नगर पालिका के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन, नगर पार्षद तथा कांग्रेस पार्टी के स्थानीय नेताओं ने पाइपलाइन के कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों से काम जल्द पूरा करने का अनुरोध किया। नगर प्रशासन ने बताया कि तेजी के साथ कार्य जारी रहेगा ताकि शीघ्र ही नगरवासियों को सुरक्षित व पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराए जा सके।

सावरकर की पुण्यतिथि पर मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी और उन्हें एक महान क्रांतिकारी बताया, जिन्होंने भारत की आज़ादी के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

श्री मोदी ने एक्स पर लिखा, महान क्रांतिकारी वीर सावरकर को उनकी पुण्यतिथि पर आदरपूर्वक श्रद्धांजलि। उन्होंने देश को गुलामी की जंजीरों से आज़ाद कराने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनका व्यक्तित्व और योगदान हर पीढ़ी को देश की सेवा करने के लिए प्रेरित करता रहेगा।

बिचकुंडा आबकारी विभाग ने किया 76 वर्षीय व्यक्ति के घर से 150 ग्राम सूखी गांजा बरामद, गिरफ्तार

मदनूर, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिचकुंडा आबकारी विभाग के सीआई सत्यनारायण ने मीडिया को बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर डोंगली गांव में सूखी गांजा की बिक्री की खबर मिलने पर शनिवार को छापेमारी की गई। तलाशी के दौरान अंबलाल अर्जुन (उम्र 76, पिता श्याम राव) के घर से लगभग 150 ग्राम सूखी गांजा बरामद की गई। आरोपी को हिरासत में लेकर मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

विधानसभा चुनाव से पहले तमिलनाडु में चुनाव आयोग ने की सर्वदलीय बैठक

चेन्नई, 26 फरवरी (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग ने आगामी 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की तैयारियों के तहत चेन्नई में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के साथ गुरुवार को विस्तृत परामर्श बैठक की।बैठक की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधु और विवेक जोशी ने की। तमिलनाडु के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस मौके पर उपस्थित थे। बैठक में आम आदमी पार्टी (आप), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), कांग्रेस और राष्ट्रीय पीपल्स पार्टी सहित छह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इसके अलावा अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक), द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक), देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम, नाम तमिलर काची और विदुथलाई चिरुथिगल काची सहित पांच मान्यता प्राप्त राज्य दलों ने भी बैठक में हिस्सा लिया। अधिकारियों के अनुसार अधिकांश दलों ने राज्य में विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) की शांतिपूर्ण और सुचारु प्रक्रिया के लिए आयोग की सराहना की। चुनाव के दौरान धनबल और प्रलोभनों के वितरण को लेकर चिंता व्यक्त की गयी। कई दलों ने ऐसी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की और प्रचार अवधि में अनियमितताओं को रोकने के लिए उड़नदस्ता दलों की संख्या बढ़ाने का सुझाव दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने बैठक में हिस्सा लेने वालों को आश्वस्त किया कि चुनाव कानून के अनुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कराए जाएंगे तथा प्रलोभन संबंधी गतिविधियों पर सख्ती से अंकुश लगाया जाएगा। अधिकांश दलों ने प्रशासनिक सुविधा और सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए विधानसभा चुनाव एक ही चरण में कराने का आग्रह किया। कुछ दलों ने चुनाव कार्यक्रम तय करते समय त्योहारों की तिथियों को ध्यान में रखने का भी अनुरोध किया, ताकि अधिकतम मतदाता भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

हिंदी विश्वविद्यालय के रिद्धपुर केंद्र का आयोजन

वर्धा (महाराष्ट्र), 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मराठी भाषा गौरव दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आज

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के सर्वज्ञ श्री चक्रधर स्वामी मराठी भाषा तथा तत्वज्ञान अध्ययन केंद्र, रिद्धपुर, अमरावती द्वारा मराठी भाषा गौरव दिवस पर 'अभिजात मराठी भाषा व साहित्य : धरोहर और संवर्धन' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन 27 फरवरी को किया जा रहा है ।

कार्यक्रम का उद्घाटन 27 फरवरी को पूर्वाह्न 11:00 बजे कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा की अध्यक्षता में किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के आवासीय लेखक प्रो. भूषण भावे होंगे। स्वागत भाषण भाषा विद्यापीठ की अधिष्ठाता प्रो. प्रीति सागर तथा सत्र का प्रास्ताविक रिद्धपुर केंद्र की प्रभारी व एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. नीता मेशाम करेंगी। सत्र का संचालन शोध अनुषंगी चक्रधर कोठी करेंगे।

शोध सहायक डॉ. मनोज मुनेश्वर धन्यवाद ज्ञापित करेंगे। सत्र में 'अभिजात मराठी भाषा व साहित्य : धरोहर और संवर्धन' इस विषय पर प्राध्यापक व शोधार्थी द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। शोध प्रस्तुति के दो तकनीकी सत्र अपराह्न 02.00 से 04.00 बजे के दौरान होंगे। प्रथम सत्र की अध्यक्षता श्रीमती नरसम्मा कला, वाणिज्य व विज्ञान महविद्यालय के मराठी विभाग प्रमुख प्रो. अण्णा वैद्य करेंगे। सत्र का संचालन अनुवादक डॉ. नितिन रामटेके तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुवादक डॉ. स्वप्निल मून करेंगे। दूसरे सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के मराठी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. संदीप सपकाले करेंगे। सत्र का संचालन शोध अनुषंगी विशाल हिवरखेडकर तथा धन्यवाद ज्ञापन अनुवादक डॉ. स्वप्निल मून करेंगे।

संगोष्ठी का समापन 27 फरवरी को अपराह्न 04.00 बजे संपन्न होगा। समापन सत्र की अध्यक्षता संत गाडगे महाराज महाविद्यालय, हिंगणा के मराठी विभागाध्यक्ष प्रो. गणेश चव्हाण करेंगे।

प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. आंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशलवर्क नागपूर के प्रभारी प्राचार्य डॉ. सुरेश वर्धे तथा विशेष अतिथि के रूप में महात्मा फुले कला, वाणिज्य व विज्ञान सीतारामजी चौधरी महाविद्यालय, वरुड डॉ. चत्रभुज कदम की उपस्थिति रहेंगी। सत्र का संचालन अनुवादक डॉ. नितिन रामटेके तथा धन्यवाद ज्ञापन शोध सहायक डॉ. मनोज मुनेश्वर करेंगे। संगोष्ठी में उपस्थित रहने का आवाह्न संगोष्ठी की संयोजक तथा रिद्धपुर केंद्र की प्रभारी डॉ. नीता मेशाम तथा सह-संयोजक डॉ. राजेश लेहकपुरे ने किया।

मराठी भाषा संवर्धन सप्ताह के अंतर्गत विविध प्रतियोगिता

मराठी भाषा गौरव दिवस पर मराठी भाषा संवर्धन सप्ताह के अंतर्गत विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन 23 से 26 फरवरी तक किया गया। प्रतियोगिताओं में 23 फरवरी को मराठी भाषा संवर्धन समय की आवश्यकता इस विषय पर निबंध प्रतियोगिता व मराठी शुद्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 24 फरवरी को मराठी स्व-लिखित कविता वाचन, 25 फरवरी को मेरी मातृभाषा मराठी विषय पर भाषण प्रतियोगिता तथा 26 फरवरी प्राथमिक शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी या मराठी विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी प्रतियोगिता में रिद्धपुर केंद्र सहित विविध महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिताओं के पुरस्कार 27 फरवरी को पूर्वाह्न 11.00 बजे वितरित किए जाएंगे, जिसमें सभी प्रतियोगिताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार के रूप में राशि व प्रमाण पत्र दिए जाएंगे । कार्यक्रम की संयोजक तथा रिद्धपुर केंद्र की प्रभारी डॉ नीता मेशाम के मार्गदर्शन में कार्यक्रम की समन्वयक की भूमिका विशाल हिवरखेडकर, चक्रधर कोठी, मनोज मुनेश्वर, डॉ. नितिन रामटेके, डॉ. स्वप्निल मून आदि ने निभायी।

72वीं सीनियर नेशनल्स मेन्स कबड्डी चैंपियनशिप : दूसरे दिन हरियाणा, यूपी, दिल्ली और तमिलनाडु की धमाकेदार जीत

वडोदरा

वडोदरा के समा इंडोर काम्प्लेक्स में चल रही 72वीं सीनियर नेशनल्स मेन्स कबड्डी चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन रोमांचक और एकतरफा मुकाबलों का शानदार मिश्रण देखने को मिला। पूल चरण में नाकआउट की दौड़ तेज हो गई है और हर अंक अब अहम साबित हो रहा है।

पूल ए: आंध्र की रोमांचक जीत, हरियाणा का दमदार प्रदर्शन - पूल ए के सबसे करीबी मुकाबले में आंध्र प्रदेश ने तेलंगाना को 47-45 से हराया। पोटला गोपी चंद (17 अंक) और गली लक्ष्मा रेड्डी (10 अंक) ने जीत में अहम भूमिका निभाई, जबकि तेलंगाना के जी राजू ने 20 अंक जुटाए।

इसी पूल में हरियाणा ने तेलंगाना को 49-18 से एकतरफा अंदाज में हराया। नीरज नरवाल ने 11 अंक, नितिन कुमार ने 9 अंक बनाए, जबकि सुरजीत सिंह और नितेश कुमार ने 4-4 टैकल अंक लेकर रक्षा मजबूत की।

पूल बी: मध्य प्रदेश की आखिरी पलों में बाजी - पूल बी में मध्य प्रदेश ने गोवा को 35-34 से रोमांचक मुकाबले में हराया। भवानी राजपूत (14 अंक) और उदय परते (9 अंक) ने अहम योगदान दिया।

पूल सी: तमिलनाडु और हिमाचल की बड़ी जीत - तमिलनाडु ने विदर्भ को 40-21 से हराकर अपना मजबूत अभियान जारी रखा। सतीश कन्नन ने 8 अंक बनाए, जबकि दीपक एस ने 8 टैकल अंक लेकर रक्षा की कमान संभाली। हिमाचल प्रदेश ने गुजरात को 51-34 से 17 अंकों के अंतर से हराया। अनिल ने 14 अंक जुटाए, जबकि पप्पू कमल कुमार और मयंक सैनी ने बढ़िया साथ दिया।

पूल डी: उत्तर प्रदेश की रिकार्डतोड़ जीत - उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 70-33 से हराकर टूर्नामेंट की अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज की। उदय डबास ने 25 अंकों का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि सौरभ ने 12 अंक जोड़े। यूपी ने 53 रेड अंक और 8 आल-आउट के साथ मुकाबले पर पूरी तरह कब्जा जमाया।

पूल एफ और एच: केरल और दिल्ली का जलवा - केरल ने छत्तीसगढ़ को 45-30 से हराया। नंदू टी (11 अंक) और आदित्यन (10 अंक) ने संतुलित प्रदर्शन किया। पूल एच में दिल्ली ने त्रिपुरा को 64-42 से मात दी। आशीष ने 18 अंक और हिमांशु सिंह ने 14 अंक बनाए।

न्यूज ब्रीफ

चैंपियंस लीग में विनीसियस का कमाल, रियल मैड्रिड ने बेनफिका को हराकर अंतिम-16 में बनाई जगह

मैड्रिड। 15 बार के यूरोपीय चैंपियन रियल मैड्रिड ने शानदार वापसी करते हुए बेनफिका को 2-1 से हराया और कुल 3-1 की बढ़त के साथ यूईएफए चैंपियंस लीग के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया। सैंटियागो बर्नब्यू में खेले गए रोमांचक मुकाबले में विनीसियस जूनियर ने निर्णायक गोल कर टीम को जीत दिलाई। पहले चरण में 1-0 से पीछे चल रही बेनफिका ने आक्रामक शुरुआत की और 14वें मिनट में राफा सिल्वा के गोल से बढ़त बना ली। गोलकीपर थिबाउट कोर्टुआ ने पहले शानदार बचाव किया, लेकिन रिबाउंड पर राफा ने गेंद को जाल में पहुंचा दिया। हालांकि, रियल मैड्रिड ने तुरंत जवाब दिया। दो मिनट बाद फेडेरिको वाल्वेर्दे के पास पर औरेलियन त्चौआमेनी ने सटीक शाट लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। मुकाबला बराबरी पर आने के बाद दोनों टीमों के बीच तेज टक्कर देखने को मिली। 32वें मिनट में आर्डा गुलर ने गोल किया, लेकिन वीएआर ने आफसाइड करार देते हुए उसे रद्द कर दिया। पहले हाफ के अंत तक बेनफिका ने भी कई मौके बनाए, लेकिन कोर्टुआ ने शानदार बचाव कर टीम को मैच में बनाए रखा। दूसरे हाफ में रियल ने लय पकड़ी। 60वें मिनट में एक चूक के बाद राफा सिल्वा का जोरदार शाट क्रासबार से टकराया, जिससे रियल को बड़ा झटका लगते-लगते बचा। निर्णायक क्षण 80वें मिनट में आया, जब वाल्वेर्दे ने मिडफील्ड से सटीक पास दिया। विनीसियस जूनियर ने आफसाइड ट्रैप को भेदते हुए बाक्स में प्रवेश किया और शांत दिमाग से गेंद को निचले कोने में पहुंचाकर स्कोर 2-1 कर दिया। इसी के साथ मुकाबले का फैसला हो गया। मैच के बाद त्चौआमेनी ने कहा, हमने शुरुआत अच्छी नहीं की, लेकिन हमें भरोसा था कि गोल मिलेंगे। मैच के साथ हमने बेहतर प्रदर्शन किया। रक्षा में थोड़े सुधार की जरूरत है, लेकिन जीत सबसे अहम है।

रणजी ट्राफी फाइनल : जम्मू-कश्मीर 584 रन पर आलआउट, कर्नाटक के सामने बड़ी चुनौती

हुब्बली। राज्य के हुब्बली स्थित केएससीए स्टेडियम में खेले जा रहे रणजी ट्राफी फाइनल मुकाबले में

जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम ने तीसरे दिन पहली पारी में 584 रन बनाकर मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। कर्नाटक के सामने जीतने के लिए बड़ा लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी जम्मू कश्मीर की टीम ने ठोस प्रदर्शन किया। ओपनर यावर हसन ने 88 रन की उपयोगी पारी खेली। तीसरे नंबर पर उतरे शुभम पुंडीर ने शानदार 121 रन बनाकर पारी को मजबूती दी। कप्तान परस डोगरा ने 70 रन का योगदान दिया, जबकि अब्दुल समद ने 61 रन जोड़े। विकेटकीपर बल्लेबाज कनहैया वाधवन ने 70 रन बनाए और साहिल लोटरा ने 78 रन की अहम पारी खेली। इस तरह जम्मू-कश्मीर की पूरी टीम 584 रन पर आलआउट हो गई। कर्नाटक की ओर से तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 34.1 ओवर में 98 रन देकर 5 विकेट झटके। हालांकि अन्य गेंदबाजों को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी, जिससे विरोधी टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में सफल रही। जम्मू-कश्मीर की पारी समाप्त होने के बाद कर्नाटक क्रिकेट टीम ने अपनी पहली पारी शुरू कर दी है। मुकाबले का तीसरा दिन जारी है। कर्नाटक के लिए पहली पारी में बढ़त हासिल करना जरूरी है। नियमों के अनुसार यदि फाइनल मुकाबला ड्रा रहता है तो पहली पारी में बढ़त लेने वाली टीम को चैंपियन घोषित किया जाएगा। ऐसे में कर्नाटक को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए 585 रन तक पहुंचना या उससे आगे निकलना अनिवार्य होगा।

मनुष-मानव की जोड़ी सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में पहुंची, रचा इतिहास

सिंगापुर। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मनुष शाह और मानव ठक्कर की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए

सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वे विश्व टेबल टेनिस के ग्रैंड स्मैश स्तर की प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बन गए हैं। छठी वरीयता प्राप्त मनुष-मानव की जोड़ी ने बेल्जियम के मार्टिन एलेग्रो और एड्रियन रासेनफासे को सीधे गेमों में 3-0 (11-8, 11-9, 11-9) से पराजित किया। यह मुकाबला 27 मिनट तक चला। भारतीय जोड़ी ने बेल्जियम की इस जोड़ी के खिलाफ अपना आमना-सामना रिकार्ड 2-0 कर लिया। उल्लेखनीय है कि बेल्जियम की जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराकर जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का मुकाबला फ्रांस के चौथी वरीयता प्राप्त सगे भाई फेलिक्स लेब्रून और एलेक्सिस लेब्रून से शुक्रवार को होगा।

टी20 वर्ल्ड कप-2026

भारत सेमीफाइनल से एक जीत दूर:जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया अभिषेक-पंड्या ने फिफ्टी लगाई; साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंचा

चेन्नई : भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 पहली जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने गुरुवार के दूसरे मैच में जिम्बाब्वे को 72 रन से हराया। इसी के साथ सुपर-8 ग्रुप-1 से साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 256 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 184 रन ही बना सकी। हार्दिक पंड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 मुकाबले में भारतीय टीम के हर एक बल्लेबाज ने ताबड़तोड़ बैटिंग की। खासकर पारी के आखिरी ओवरों में हार्दिक पंड्या और तिलक वर्मा ने मिलकर जिम्बाब्वे के गेंदबाजों को जमकर धोया और टीम के स्कोर को 256 रन तक पहुंचा दिया। कमाल की बात यह रही कि पारी की आखिरी दो गेंदों पर हार्दिक ने लगातार दो छक्के ठोके और अपनी फिफ्टी पूरी कर ली। हालांकि तिलक वर्मा चंद रनों से अपनी फिफ्टी पूरी करने से चूक गए। तिलक वर्मा ने भी जिम्बाब्वे के खिलाफ कमाल की पारी खेली। वे 16 गेंदों पर 44 रन बनाकर नाबाद रहे।

उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं उनका स्ट्राइक रेट भी 275 का रहा। हालांकि उन्हें आखिरी ओवर की आखिरी 4 गेंदों पर स्ट्राइक नहीं मिली और वे अपनी फिफ्टी करने से चूक गए। हार्दिक ने तगड़ी बल्लेबाजी करते हुए आखिर की 4 गेंदों पर 14 रन बटोरे और मात्र 23 गेंद पर अपनी फिफ्टी पूरी कर ली इससे फैंस को 2023 के एक टी20 मुकाबले की याद आ गई जहां हार्दिक पंड्या टीम की कप्तानी कर रहे थे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के तीसरे टी20 मुकाबले में भारतीय टीम की जीत के बावजूद पंड्या को सोशल मीडिया पर फैंस ने निशाने पर लिया था। मैच के अंतिम क्षणों में भारत को जीत के लिए केवल 2 रनों की दरकार थी और तिलक वर्मा 49 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे।

स्ट्राइक पर मौजूद हार्दिक पंड्या के पास मौका था कि वे सिंगल लेकर तिलक को अपना पचासा पूरा करने का अवसर देते लेकिन हार्दिक ने छक्का मारकर मैच खत्म कर दिया और तिलक 49 रन पर ही नाबाद रह गए।

विश्वकप में खराब प्रदर्शन से निशाने पर आये बटलर, हैरी ने किया बचाव

कोलंबो

इंग्लैंड की टीम जीत के साथ ही सबसे पहले आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी है पर अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर के खराब फार्म से उसकी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। बटलर इस टूर्नामेंट में अभी तक लंबी पारी नहीं खेल पाये हैं। वह अब तक केवल 62 रन ही बना पाए हैं। ऐसे में वह आलोचकों के निशाने पर हैं हालांकि कप्तान हैरी ब्रूक ने बटलर का बचाव करते हुए कहा है कि वह सही समय पर लय हासिल करेंगे। हैरी ने पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-8 मैच में शानदार शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलायी थी।वहीं जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या उन्हें बटलर के फार्म को लेकर चिंता है, तो ब्रूक ने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। मैंने पहले भी कहा है बटलर एक शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं।

उन्होंने हर स्तर पर अपने को साबित किया है। उन्होंने एकदिवसीय और टी20 में विश्व कप जीते हैं और यह सिर्फ समय की बात है , एक अच्छी पारी के साथ ही वह लय हासिल कर लेंगे। लीग स्तर के मैचों में बटलर ने नेपाल के खिलाफ 26 रन, वेस्ट इंडीज के खिलाफ 21 रन, स्काटलैंड के खिलाफ तीन रन और इटली के खिलाफ केवल तीन रन बनाए। सुपर-8 में श्रीलंका के खिलाफ वह केवली सात रन बनाए और पाक के खिलाफ केवल दो रन ही बना पाये। इसी के बाद से ही वह आलोचना का शिकार होने लगे।

इसी को देखते हुए ब्रुक ने प्रशंसकों से अपील की है कि उन्हें हालात के अनुसार ढ़लने के लिए कुछ समय दें। साथ कहा किविश्व क्रिकेट में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने 500 से अधिक टी20 मैच खेले हैं, इंग्लैंड के लिए 150 से अधिक मैच खेले हैं, और उनका औसत अभी भी 35 है और स्ट्राइक रेट 145 है। इसलिए वह हमारे बेशकीमती हैं। ये सही है कि अभी वह अपने नाम के अनुरुप नहीं खेल पा रहे पर हर खिलाड़ी का ऐसा दौर आत है। गौरतलब है कि बटलर ने इंग्लैंड के लिए 153 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 34 के औसत और 147 के स्ट्राइक रेट से 4012 रन बनाए हैं। हाल ही में, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक मैच खेलने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बने थे।

भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने स्वीडिश क्लब एन्स्केडे आईके डैम से खेला ड्रा

नई दिल्ली। भारतीय अंडर-20 महिला फुटबाल टीम ने बुधवार, रात स्वीडन के लिडिंगो स्थित बोसोन नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए अभ्यास मैच में स्वीडिश क्लब एन्स्केडे आईके डैम के साथ 1-1 से ड्रा खेला। भारत की ओर से सिबानी देवी नोंगमेइकापाम ने 44वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में 88वें मिनट पर एन्स्केडे ने बराबरी का गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। भारत अंडर-20 टीम के मुख्य कोच योआकिम अलेक्जेंडरसन ने पिछले मैच की तुलना में शुरुआती एकादश में आठ बदलाव किए। भारतीय टीम ने अपने पिछले मुकाबले में टैबी एफके को 4-0 से हराया था, जबकि उससे पहले हामरबी आईएफ के खिलाफ उसे 0-6 से हार का सामना करना पड़ा था। यंग टाइग्रेस अब 28 फरवरी को स्वीडन के क्लब कार्लबर्ग्स बीके के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेगी। यह दौरा इस वर्ष थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप की तैयारियों का हिस्सा है। भारत अंडर-20 महिला टीम: मोनालिशा देवी मोइरांगथेम (गोलकीपर), निशिमा कुमारी (रेमी थोखचोम 60वें मिनट), थोइनबिसाना चानू तोइजाम, सिंडी रेमरुआतपुई कोलनी, शुभांगी सिंह, पूजा, अंजू चानू कायेन्पैबाम (भूमिका देवी खुमुकचाम 60वें मिनट), लिंगदेकिम, सुलंजना राउल, सिबानी देवी नोंगमेइकापाम (नेहा 60वें मिनट), बबीता कुमारी (दीपिका पाल 46वें मिनट, शिल्जी शाजी 88वें मिनट)।

भारत बधिर क्रिकेट टीम ने जीता पहला एडीसीए टी20आई एशिया कप, फाइनल में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली

कटक के ऐतिहासिक बाराबती स्टेडियम में खेले गए पहले एडीसीए टी20 आई एशिया कप 2026 का समापन बुधवार को हुआ, जहां भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका की टीम को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया।

यह टूर्नामेंट भारतीय बधिर क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसे ओडिशा की राज्य क्रिकेट इकाइयों का सहयोग मिला। यह एशिया कप का पहला संस्करण था और इसे बधिर क्रिकेट के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

फाइनल के बाद आयोजित भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि कटक के जिलाधिकारी एवं कलेक्टर दत्तात्रय भाऊसाहेब शिंदे और विशेष अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर संजय राउल ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्राफी प्रदान की।

भारत ने अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट की जीत से की। इसके बाद नेपाल पर 10 विकेट की एकतरफा जीत दर्ज की। लीग चरण में श्रीलंका ने भी नेपाल को 6 विकेट से हराया, जबकि रिवर्स मुकाबले में नेपाल पर 157 रन की बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने श्रीलंका के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में 1 रन से जीत हासिल की और नेपाल पर 9 विकेट से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की की। फाइनल में भारत ने संयमित और आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर ऐतिहासिक ट्राफी जीत ली। इस जीत के साथ भारत ने न केवल पहला एडीसीए टी20आई एशिया कप खिताब अपने नाम किया, बल्कि एशियाई बधिर क्रिकेट में अपनी मजबूत स्थिति भी साबित की।

विश्व कप से बाहर होने के बाद श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने दीर्घकालिक बदलाव की मांग की

कोलंबो

श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम में व्यापक और दीर्घकालिक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है। अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीदें तब समाप्त हो गईं जब श्रीलंका को न्यूजीलैंड ने 61 रन से पराजित किया। शनाका ने कहा कि यदि टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार मजबूत प्रदर्शन करना है तो शारीरिक तैयारी और लंबी अवधि की योजना पर गंभीरता से काम करना होगा।

उन्होंने कहा, देश के लिए खेलते समय शारीरिक फिटनेस पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। चोटों के कारण हमें मनचाहा परिणाम नहीं मिल पा रहा है। सभी जानते हैं कि वानिंदु हसरंगा कितने महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, और मथीशा पथिराना तथा ईशान मलिंगा टीम के लिए कितने अहम हैं। जब ये खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होते तो टीम पर असर पड़ता है। यह बहाना नहीं है, लेकिन अधिकतर चोटें शारीरिक तैयारी से जुड़ी हैं।

शनाका ने कहा कि पिछले कई विश्व कप में भी चोटें प्रमुख चर्चा का विषय रही हैं।

उन्होंने कहा, मैंने पिछले पांच विश्व कप खेले हैं। लगभग हर बार यही सवाल उठा कि चोटों से बेहतर तरीके से कैसे निपटा जाए। कप्तान ने माना कि समस्या केवल फिटनेस तक सीमित नहीं है, बल्कि योजना और दिशा की स्पष्टता भी जरूरी है। उन्होंने कहा, यदि हम विश्व कप की तैयारी करते हैं तो वह लंबी अवधि की होनी चाहिए। इतने बड़े

टूर्नामेंट को छोटे लक्ष्य के साथ नहीं खेला जा सकता। अपनी कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि यह निर्णय चयनकर्ताओं और श्रीलंका क्रिकेट के हाथ में है। उन्होंने कहा, मैं खुश हूं कि मुझे इतने समय तक टीम की अगुवाई का अवसर मिला। मैंने अच्छे फैसले भी लिए और गलतियां भी कीं, लेकिन विश्व कप में कप्तानी करना मेरे लिए गर्व की बात है। शनाका ने कहा कि टीम का चयन बेहतर बल्लेबाजी वाली पिचों की उम्मीद में किया गया था, विशेषकर आर. प्रेमदासा स्टेडियम को ध्यान में रखते हुए।

उन्होंने कहा, टूर्नामेंट से पहले मुझे उम्मीद थी कि विकेट बल्लेबाजी के अनुकूल होंगे। हमने घरेलू क्रिकेट से अच्छे प्रहार दर वाले खिलाड़ियों को चुना, लेकिन परिस्थितियां उम्मीद के अनुसार नहीं रहीं। उन्होंने स्वीकार किया कि श्रीलंका में लंबे प्रहार करने की कमी है, लेकिन यहां की पिचों पर हालात के अनुसार खेलना अधिक जरूरी है। उन्होंने कहा, जैसी पिच पर लंबे प्रहार से अधिक उल्टा स्वीप और सामान्य स्वीप कारगर होते हैं। कामिंदु मेंडिस ने कठिन समय में इन शाट्स का अच्छा उपयोग किया। दुनिथ वेलालागे ने भी ऐसा ही किया। हमें अपनी परिस्थितियों के अनुसार टीम संयोजन करना होगा। सह-मेजबान होने के बावजूद दूसरे चरण में एक मुकाबला शेष रहते बाहर होना टीम के लिए निराशाजनक रहा। शनाका ने दर्शकों से माफी मांगते हुए कहा, हम बहुत दुखी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबला हम जीत सकते थे, अगर थोड़ा समझदारी से खेलते। दर्शकों को खुशी देने के लिए हम उन्हें जीत नहीं दे पाए, इसके लिए हमें खेद है। उन्होंने बाहरी आलोचना और नकारात्मक वातावरण को भी खिलाड़ियों के लिए चुनौती बताया। उन्होंने कहा, हर कोई चाहता था कि हम अंतिम चार में पहुंचे। आलोचना उचित है, लेकिन लगातार नकारात्मक माहौल खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डालता है। बाहर की बातें नियंत्रित करना कठिन होता है। शनाका ने कहा कि टीम को अब शेष मुकाबला सकारात्मक सोच के साथ खेलकर प्रतियोगिता का समापन करना चाहिए, ताकि भविष्य के लिए आत्मविश्वास और गति मिल सके।

वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में आएगी टाटा सिएरा ईवी

नई दिल्ली

फ्यूचरिस्टिक एसयूवी टाटा सिएरा ईवी वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बाजार में आएगी। इससे पहले टाटा केवल इतना संकेत देती रही थी कि सिएरा ईवी अगले साल कभी भी लान्च हो सकती है, लेकिन अब पहली बार इसकी लान्चिंग को लेकर स्पष्ट समयरेखा सामने आ गई है।

फिलहाल कंपनी ने सिएरा ईवी के आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स को गोपनीय रखा है और सिर्फ कुछ स्पाई शाट्स ही सार्वजनिक हुए हैं। आटो सेक्टर की रिपोर्टों के अनुसार इसका प्लेटफार्म, पावरट्रेन और कई तकनीकी तत्व कर्व ईवी के साथ साझा किए जा सकते हैं, हालांकि फीचर्स, स्पेस और प्रीमियम अपील के मामले में सिएरा को कर्व ईवी से ऊपर पोजिशन किया जाएगा। इंडस्ट्री विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नई पंच ईवी की एडवांस्ड बैटरी टेक्नोलाजी को देखते हुए, सिएरा ईवी में भी बड़ा बैटरी पैक और बेहतर रियल-वर्ल्ड रेंज मिलने की पूरी संभावना है, जिससे यह मिड-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में मजबूत दावेदार बन सकती है। सिएरा ईवी भारत में टाटा की सातवीं इलेक्ट्रिक कार होगी, जिससे कंपनी का ईवी पोर्टफोलियो और अधिक व्यापक हो जाएगा। टाटा पहले ही देश में सबसे बड़े इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं में शामिल है, और सिएरा ईवी उसके इलेक्ट्रिक बदलाव को नई दिशा दे सकती है।

इंटीरियर की बात करें तो इसमें ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, बड़ा इंफोटेनमेंट डिस्प्ले और पैसेंजर के लिए अलग स्क्रीन शामिल होगी। बेस माडल से ही इसे फीचर-रिच बनाने की योजना है।

एसयूवी कुशाक फेसलिफ्ट का उत्पादन चाकन प्लांट में शुरू

नई दिल्ली। अपनी अपडेटेड एसयूवी कुशाक फेसलिफ्ट का उत्पादन स्कोडा कंपनी ने पुणे के चाकन प्लांट में शुरू कर दिया है। यह कंपनी के 2026 के बड़े प्रोडक्ट मिशन की पहली बड़ी शुरुआत मानी जा रही है इस माडल को भारतीय सड़कों और उपभोक्ताओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कंपनी ने घोषणा की है कि इसकी डिलीवरी मार्च 2026 से शुरू होगी। नई कुशाक में इस बार कई अहम और ग्राहक-केंद्रित बदलाव किए गए हैं, जिनमें से कुछ फीचर्स इसे अपने सेगमेंट में और भी खास बनाते हैं। एसयूवी में सेगमेंट का पहला रियर सीट मसाज फंक्शन दिया गया है, जो इसे प्रीमियम एहसास देता है। साथ ही ग्राहकों की मांग पर इसमें पैनोरमिक सनरूफ जोड़ी गई है, जिससे केबिन पहले की तुलना में अधिक खुला और लक्जरी अनुभव प्रदान करता है। हालांकि, स्कोडा ने फिर भी इसमें अडास फीचर्स शामिल न करने का निर्णय लिया है, जो तकनीक पसंद करने वाले खरीदारों के लिए थोड़ी निराशा का कारण बन सकता है। परफार्मेंस के मामले में कंपनी ने बड़ा बदलाव किया है और इस बार कुशाक 8-स्पीड टार्क कन्वर्टर आटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ आएगी, जिससे ड्राइविंग अनुभव और भी स्मूथ और रिफाइंड हो जाएगा। सेफ्टी के मोर्चे पर यह एसयूवी पहले की तरह मजबूत बनी हुई है और इसमें 40 से अधिक एक्टिव व पैसिव सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इसके साथ ही, नई कुशाक अपनी 5-स्टार ग्लोबल एनकैप रेटिंग को भी बरकरार रखे हुए है। भारत स्कोडा के लिए अब एक प्रमुख एक्सपोर्ट हब बन चुका है।

न्यूज़ ब्रीफ

पीयूष गोयल ने वैश्विक व्यापार और युवा शक्ति को भारत की विकास यात्रा की कुंजी बताया

मुंबई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने 38 देशों के थ नौ मुक्त व्यापार समझौते पूरे किए हैं। इन समझौतों से भारतीय व्यवसायों को वैश्विक व्यापार के दो-तिहाई हिस्से तक प्राथमिकता के साथ पहुंच मिली है। गोयल ने कहा कि इससे भारतीय वस्तुएं, सेवाएं, कृषि एवं मत्स्य उत्पाद और श्रम-प्रधान क्षेत्र नए बाजारों तक पहुंच सकेंगे और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं से बेहतर जुड़ पाएगा। मुंबई में आयोजित ईवाय इंटरपेन्योर आफ द ईयर अवार्ड के 27वें संस्करण में संबोधित करते हुए बताया कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ वैश्विक जुड़ाव के साथ मजबूत और भरोसेमंद आपूर्ति श्रृंखलाएं तैयार करना है। उन्होंने उद्योगपतियों और उद्यमियों से अपील की कि वे वैश्विक अवसरों को एमएसएमई, किसानों, निर्यातकों और मछुआरों तक पहुंचाएं। गोयल ने कहा कि भारत की युवा शक्ति और कुशल मानव संसाधन देश की विकास गाथा के केंद्र में हैं। उन्होंने स्टार्टअप संस्थापकों और उद्योग नेताओं से बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि जुनून, नवाचार और प्रतिभा भारत की सबसे बड़ी प्रतिस्पर्धी ताकत हैं। एआई पर उठ रही चिंताओं के संदर्भ में उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई नौकरियां खत्म नहीं करेगा बल्कि बदल देगा। भारत हर साल लगभग 23 लाख एसटीईएम स्नातक तैयार करता है, जिससे युवाओं का बड़ा और अनुकूलनशील प्रतिभा भंडार तैयार है। गोयल ने कहा कि एआई भारतीय व्यवसायों के लिए नए अवसर, मूल्यवर्धित काम, मजबूत निर्यात और वैश्विक एकीकरण लाएगा। इसके साथ ही साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण और सिस्टम गवर्नेंस जैसे क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ेगी।

सरकारी खर्च से पावर सेक्टर में तेजी, निजी उद्योग अब भी सुस्त

नई दिल्ली। देश में पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) की रफ्तार इस समय दो अलग तस्वीरें पेश कर रही है।

एक ओर पावर ट्रांसमिशन से जुड़ी हाई वोल्टेज कंपनियां रिकार्ड प्रदर्शन कर रही हैं, वहीं गैर-विद्युत औद्योगिक कंपनियों की चाल अब भी धीमी बनी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार ट्रांसमिशन और वितरण कंपनियों के नए आर्डर में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बिक्री 39 प्रतिशत बढ़ी है। इन कंपनियों का मुनाफा मार्जिन बढ़कर 20.3 प्रतिशत पर पहुंच गया है, जो पिछले वर्ष से 5.4 प्रतिशत अधिक है। सरकार ने 2022 से 2032 के बीच ट्रांसमिशन क्षेत्र में 9.15 लाख करोड़ रुपये निवेश की योजना बनाई है। इसके तहत 8 से 10 बड़े हाई वोल्टेज ट्रांसमिशन कारिडोर विकसित किए जाएंगे। तीन कारिडोर के लिए उपकरणों का काम पहले ही तय हो चुका है। अनुमान है कि 2027 से नए आर्डर में और तेजी आएगी तथा 2030 तक मांग मजबूत बनी रह सकती है। वित्त वर्ष 2027 के बजट में 12.2 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खर्च का प्रावधान किया गया है, जो पहले के अनुमान से 12 प्रतिशत अधिक है।

एआई फिल्म निर्माण की दिशा और दशा दोनों बदल देगी: शेखर कपूर

नई दिल्ली। प्रख्यात फिल्मकार शेखर कपूर का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आने वाले

समय में फिल्म निर्माण की दिशा और दशा दोनों बदल देगी। नई दिल्ली के भारत मंडपम में हाल ही में आयोजित बीएस मंथन कार्यक्रम में एआई के दौर में सिनेमा विषय पर उन्होंने कहा कि भविष्य में फिल्में केवल निर्देशक की सोच तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि दर्शक और एआई मिलकर कहानी रचेंगे। मासूम, मिस्टर इंडिया और बैंडिट क्वीन जैसी चर्चित फिल्मों के निर्देशक कपूर ने कहा कि एआई फिल्मकारों को सशक्त बनाएगी। उनका कहना था कि जहां पारंपरिक तरीके से एक फिल्म बनाने में उन्हें लगभग तीन साल लगते हैं, वहीं एआई की मदद से सीमित संसाधनों में भी दो दिन के भीतर फिल्म बनाई जा सकती है। इससे उन रचनाकारों को अवसर मिलेगा, जिनके पास बड़े बजट या संसाधन नहीं हैं। कपूर ने बताया कि उनकी साइंस-फिक्शन वेब सीरीज वारलार्ड का निर्माण पारंपरिक तरीकों के बजाय एआई तकनीक की सहायता से किया गया है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों करोड़ रुपये के बजट के दौर में एआई फिल्म निर्माण को अधिक लोकतांत्रिक और सुलभ बना सकती है। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि एआई में मानवीय सहज बोध जैसी क्षमता नहीं है और अप्रत्याशित परिस्थितियों में इसकी सीमाएं स्पष्ट हो सकती हैं। फिर भी उनका विश्वास है कि भविष्य में एआई और दर्शकों के संवाद से फिल्में अपनी दिशा तय करेंगी और कहानी दर्शकों की पसंद के अनुसार बदलती नजर आएगी।

भारत में पर्यटन उद्योग में तेजी, भविष्य में बनेगा वैश्विक खिलाड़ी

हर साल हो रही हैं 303 करोड़ घरेलू यात्राएं, पर्यटकों के लिए कम पड़ रहे हैं होटल

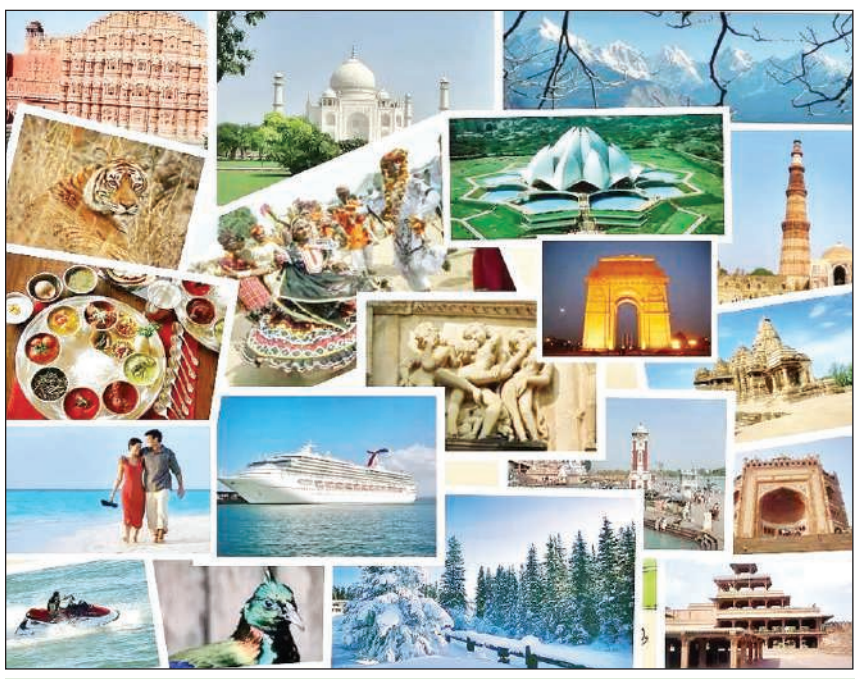

नई दिल्ली

भारत में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और यह अब केवल सेक्टर नहीं, बल्कि पूरी इंडस्ट्री बन चुकी है। विदेशी और घरेलू दोनों तरह के पर्यटन में वृद्धि हो रही है, जिससे होटलों की मांग बढ़ रही है और उनकी कीमतें भी महंगी होती जा रही हैं। वर्तमान में पर्यटन उद्योग का भारत के जीडीपी में योगदान 5 फीसदी है, जबकि 2047 तक यह 10 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है। इसी अवधि में केवल पर्यटन इंडस्ट्री में 200 मिलियन रोजगार मिलने की संभावना है।

दिल्ली के द्वारका में आयोजित एसएटीटीई 2026 (साउथ एशिया ट्रेवल एंड टूरिज्म एक्सचेंज) में 60 से अधिक देशों के 2000 से अधिक प्रदर्शक और 3200 से अधिक ब्रांड हिस्सा ले रहे हैं। इस साल की थीम थी एन ओर्व्च्युनिटी काल इंडिया आयोजन में अजीत बजाज, अध्यक्ष, एडवेंचर टूर आपरेटर्स एसोसिएशन आफ इंडिया और पद्मश्री पुरस्कार विजेता ने पर्यटन के तेजी से बढ़ते क्षेत्र की जानकारी दी। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत आने वाले समय में वैश्विक पर्यटन का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनेगा। इन्फार्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक अधिकारी के अनुसार भारत का पर्यटन क्षेत्र ट्रिपल इंजन ग्रोथ पर बढ़ रहा है- घरेलू, आउटबाउंड और इनबाउंड। हर साल देश में 303 करोड़ से अधिक घरेलू यात्राएं हो रही हैं, और भारतीयों का विदेश यात्रा खर्च 42 अरब डालर तक पहुँचने का अनुमान है। अनुभव आधारित, आध्यात्मिक और क्षेत्रीय पर्यटन के कारण टियर-2 और टियर-3 शहरों में पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है। बताया जा रहा है कि भारत का पर्यटन केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि लोगों में निहित है। यात्रियों को अनुभव और जुड़ाव चाहिए और भारत इसे सबसे बेहतर रूप में प्रदान करता है। 2027 तक भारत का ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर 125 अरब डालर के घरेलू बाजार की ओर बढ़ रहा है।

मारुति सुजुकी जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ग्रोथ दर्ज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मारुति सुजुकी जिम्नी आफ-रोड एसयूवी ने अपनी पहचान मजबूती से स्थापित कर ली है। मारुति सुजुकी ने जिम्नी के एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की ऐतिहासिक बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह माडल एक बार फिर वैश्विक चर्चा का केंद्र बन गया है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जहां पिछले साल केवल 1,958 यूनिट्स निर्यात किए गए थे, वहीं इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 7,970 यूनिट्स तक पहुंच गया है, जो किसी भी माडल के लिए बेहद बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। जिम्नी की अंतरराष्ट्रीय सफलता के पीछे इसकी अनोखी खूबियां हैं। काम्पैक्ट लेकिन दमदार डिजाइन, 4गुणा4 आफ-रोड क्षमता, हल्की बाडी और भरोसेमंद परफार्मेंस इसे एडवेंचर पसंद करने वालों की पहली पसंद बनाते हैं। कई देशों में काम्पैक्ट और हार्डकोर आफ-रोड एसयूवी की मांग लगातार बढ़ रही है, और जिम्नी इस कमी को पूरी तरह पूरा कर रही है। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड भारत में जिम्नी का निर्माण कर उसे लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और अन्य वैश्विक बाजारों में निर्यात कर रही है। इससे भारत सुजुकी के लिए एक बड़े मैन्युफैक्चरिंग और एक्सपोर्ट हब के रूप में उभरा है, जहां तैयार होने वाले माडल विदेशी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। हालांकि, घरेलू बाजार में जिम्नी की बिक्री उतनी मजबूत नहीं है। भारत में एसयूवी सेगमेंट में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां ग्राहक अधिक फीचर्स, ज्यादा स्पेस और बेहतर वैल्यू की उम्मीद करते हैं। जिम्नी की आफ-रोड क्षमता उसकी सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन रोजमर्रा की शहरी जरूरतों के हिसाब से कई खरीदार अन्य विकल्पों की ओर रुख कर लेते हैं। इसके बावजूद, एक्सपोर्ट में 307 प्रतिशत की छलांग यह साफ संकेत देती है कि जिम्नी का ग्लोबल क्रेज अभी भी बरकरार है।

भारतीय रेलवे 1 मार्च से बंद कर रहा यूटीएस ऐप, रेलवन ऐप बनेगा नया विकल्प

नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि यूटीएस ऐप (अनरिजर्वड टिकटिंग सिस्टम) को 1 मार्च से बंद कर दिया जाएगा। वर्तमान में यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित टिकट, प्लेटफार्म पास और सीजन टिकट बुक करने की सुविधा देता है। यूटीएस ऐप बंद होने के बाद यात्री इन सेवाओं के लिए इसे इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।

रेलवे ने इसके स्थान पर रेलवन ऐप लान्च किया है। यह ऐप यात्रियों को अनारक्षित और रिजर्वेशन टिकट, प्लेटफार्म पास, सीजन टिकट और अन्य रेलवे सेवाओं का उपयोग एक ही प्लेटफार्म से करने की सुविधा देता है। रेलवन ऐप का इंटरफ़ेस सरल और यूज़र फ्रेंडली है, जिससे नए और मौजूदा दोनों तरह के यात्री इसका लाभ उठा सकते हैं। यात्रियों को नया अकाउंट बनाने की आवश्यकता नहीं है। यूटीएस और आईआरसीटीसी लागिन की मदद से सीधे साइनअप किया जा सकता है।

बदल जाएगा आनलाइन अनारक्षित टिकट बुक करने का तरीका

ऐप दोनों एंड्राइड और आईओएस प्लेटफार्म पर उपलब्ध है और इसे निशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। भारतीय रेलवे यात्रियों को कैशलेस यात्रा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए रेलवन ऐप से बुक किए गए अनारक्षित टिकटों पर 3 फीसदी की छूट दे रहा है। यह आफ़र 14 जनवरी से 14 जुलाई तक मान्य है। यात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और डिजिटल वालेट के जरिए इसका लाभ ले सकते हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सफाईकर्मी की...

जिससे वे एवरेज हर महीने 70,000 और अन्य फायदे पाने के पात्र हो जाते हैं। सैलरी रिवीजन सरकार द्वारा बनाए गए पे रिवीजन कमीशन के जरिए तय किए जाते हैं, जहां एक फिटमेंट परसेंटेज लागू होता है। सूत्रों ने कहा कि यह कंबाइंड बेसिक पे और डियरनेस अलाउंस पर दी गई बढ़ोतरी को दिखाता है, जिससे सभी एम्प्लॉई कैटेगरी में कुल सैलरी बढ़ जाती है।

मुख्य सचिव रामकृष्ण राव ने कहा कि ज्यादा सैलरी ने सरकारी नौकरियों के लिए कॉम्पिटिशन बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एडवर्टाइज किए गए 563 ग्रुप-1 पोस्ट में से हर एक के लिए लगभग 799 कैंडिडेट मुकाबला कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अलग-अलग कैटेगरी के कैंडिडेट सालों तक सिलेक्शन के लिए तैयारी करते हैं, जिससे कोचिंग इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। रामकृष्ण राव ने कहा कि तेलंगाना ने मजबूत इकोनॉमिक परफॉर्मेंस के जरिए खर्च को बनाए रखा है, जिसमें लगभग 11 प्रतिशत ग्रोथ और रेवेन्यू सोर्स में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

जनता की जेब...

अधिकारियों का अनुमान है कि इस सेस से सालाना लगभग 270 करोड़ का राजस्व प्राप्त होगा। इस राशि का उपयोग सड़क सुरक्षा पहल, बुनियादी ढांचे में सुधार और दुर्घटना निवारण उपायों के लिए किया जाएगा।

कर संरचना को सुव्यवस्थित करते हुए परिवहन विभाग ने एक और महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब तक, तिपहिया मालवाहक वाहनों पर त्रैमासिक टैक्स लगता था, लेकिन अब उन्हें लाइफ टैक्स प्रणाली के तहत लाया गया है।

कृषि वाहनों को बड़ी राहत और श्रेणीवार दरें

सरकार ने स्पष्ट किया है कि विशेष रूप से कृषि कार्यों के लिए उपयोग किए जाने वाले ट्रैक्टरों और ट्रेलरों को रोड सेफ्टी सेस से पूरी तरह मुक्त रखा गया है।

दोपहिया वाहन 2,000/- , हल्के मोटर वाहन (कार सहित) 5,000/- अन्य वाहन (7 सीटर ऑटो आदि)10,000/-।

अधिकारियों के अनुसार, कारें हल्के मोटर वाहन श्रेणी में आती हैं, जबकि 4 से 7 व्यक्तियों की बैठने की क्षमता वाले पैसेंजर ऑटो को अन्य वाहन श्रेणी में रखा जाएगा।

वेमुलवाड़ा मंदिर...

पास स्थानांतरण के लिए सहमति देने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। यह अधिकार विशेष रूप से तेलंगाना राज्य वक्फ बोर्ड के पास सुरक्षित है।

किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर पूर्ण रोक

दलीलों को गंभीरता से लेते हुए, उच्च न्यायालय ने प्रतिवादियों तेलंगाना राज्य, जिला कलेक्टर, देवस्थानम के कार्यकारी अधिकारी और पुलिस अधीक्षक (राजन्ना सिरसिला) द्वारा दिए गए आश्वासन को रिकॉर्ड पर लिया। अदालत ने निर्देश दिया कि दरगाह के संबंध में स्थानांतरण, तोड़फोड़ या किसी भी प्रकार के परिवर्तन सहित किसी भी प्रकृति की कोई भी दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

इस आदेश का व्यापक स्वागत किया गया है। इसे उस विरासत संरचना के लिए एक निर्णायक न्यायिक सुरक्षा कवच माना जा रहा है, जो तेलंगाना में समुदायों के बीच शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की सदियों पुरानी परंपरा का जीवंत प्रमाण रही है। इस मामले में सिकंदराबाद स्थित महमूद एंड कंपनी के वकील ज़ीशान अदनान महमूद ने पैरवी की।

दरगाह का इतिहास और महत्व

दरगाह हजरत सैयद ताजुद्दीन ख्वाजा बाग सवार 12वीं शताब्दी का एक पवित्र स्थल है, जो तेलंगाना के सांस्कृतिक ताने-बाने में एक अद्वितीय और पूजनीय स्थान रखता है। इसका महत्व मुख्य रूप से इसके स्थान और सदियों से चली आ रही साझा पूजा पद्धति से उपजा है। यह दरगाह 12वीं सदी के सूफी संत हजरत सैयद ताजुद्दीन ख्वाजा बाग सवार को समर्पित है।

थोक में ...

कल्याण विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। गौरव उप्पल को सचिव, वित्त एवं योजना विभाग नियुक्त किया गया है और उन्हें टीजीआरएसी के महानिदेशक का अतिरिक्त दायित्व भी सौंपा गया है। ई. श्रीधर को सचिव, सिंचाई एवं सीएडी विभाग बनाया गया है। जितेश वी. पाटिल को टीजीएसपीडीसीएल का अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नियुक्त किया गया है।

जिला स्तर पर भी कई अहम बदलाव किये गये हैं। सुश्री चित्रा मिश्रा को करीमनगर की कलेक्टर, सुश्री गरिमा अग्रवाल को राजन्ना सिरसिला की कलेक्टर, सुश्री प्रतिमा सिंह को मेदक की कलेक्टर पदस्थ किया गया है। श्री अंकित को भद्राद्री कोठागुडेम का कलेक्टर बनाया गया है। सुश्री चाहत बाजपेयी को हनुमकोंडा की कलेक्टर के साथ-साथ जीडब्ल्यूएमसी आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। सुश्री खुशबू गुप्ता को महबूबनगर और सुश्री स्नेहा शबरिश को महबूबाबाद का कलेक्टर बनाया गया है।

राज्य सरकार ने कहा कि बड़े पैमाने पर किये गये ये तबादले प्रशासन को सुदृढ़ करने और राज्यभर में प्रभावी शासन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किये गये हैं।

2 को राहुल...

सामाजिक समानता के आवश्यक उपकरण हैं।

नगरपालिका ब्लूप्रिंट: 2026 के नगरपालिका चुनावों में कांग्रेस के वोट शेयर में 12 प्रतिशत की भारी वृद्धि का विश्लेषण किया गया। नेताओं से इस शहरी गति का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में पैठ मजबूत करने के लिए करने को कहा गया। आंध्र-तेलंगाना समन्वय: दोनों राज्यों के डीसीसी प्रमुखों ने पार्टी को मजबूत करने की रणनीतियां साझा कीं, जिसमें शर्मिला ने अपने पदयात्रा के अनुभवों को साझा किया।

2 मार्च का एजेंडा: राहुल गांधी का रोडमैप

समापन सत्र में राहुल गांधी की उपस्थिति से अगले दो वर्षों, विशेष रूप से 2028 के विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय रोडमैप मिलने की उम्मीद है। बूथ-टू-डिस्ट्रिक्ट लिंक: गांधी एक डिजिटल-फर्स्ट आउटरीच रणनीति का अनावरण करेंगे। इसमें डिजिटल सदस्यता का विस्तार और डीसीसी प्रमुखों को विपक्षी विमर्श के खिलाफ त्वरित प्रतिक्रिया (रैपिड रिस्पांस) इकाइयों के रूप में प्रशिक्षित करना शामिल है।

छह गारंटियों का कार्यान्वयन: गांधी नेताओं को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देंगे कि राज्य की छह कल्याणकारी गारंटियां बिना किसी बिचौलिए के हर घर तक पहुंचें। इसे शासन के तेलंगाना मॉडल के रूप में पेश किया जाएगा। संविधान बचाओ अभियान: एससी/एसटी/बीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के आरक्षण के खिलाफ कथित साजिशों का मुकाबला करने के लिए नेताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

परामर्श और आंतरिक चर्चाएँ

प्रशिक्षण शिविर के अलावा, राहुल गांधी मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ निजी परामर्श भी करेंगे। राज्यसभा उम्मीदवार: तेलंगाना में आगामी रिक्तियों के लिए नामों को अंतिम रूप देना। दिल्ली में बैठकों के बीच दिग्गज नेता वी. हनुमंत राव और छात्र नेता जेटी कुसुम कुमार के नामों की प्रबल चर्चा है। तेलंगाना स्थापना दिवस: 2 जून को होने वाले स्थापना दिवस समारोह की योजना पर भी चर्चा होगी।

इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस पार्टी को एक एकीकृत मोर्चे के रूप में उभारना और इसकी प्रशासनिक सफलता को दोनों तेलुगु राज्यों में एक दीर्घकालिक राजनीतिक विरासत में बदलना है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अत्तापुर में सूरजगढ़ निशान की स्थापना

आज चढ़ेगा श्याम मंदिर की गुंबद पर सूरजगढ़ का प्राचीन श्री श्याम निशान

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री श्याम मित्र मंडल अट्टापुर की ओर से हर वर्ष फागुन की एकादशी को आयोजित सूरजगढ़ श्री श्याम निशान यात्रा का आयोजन शुक्रवार को रामबाग राम मंदिर से प्रातः 4:00 बजे से निशान पूजन के पश्चात रामबाग राम मंदिर से प्रारंभ होगा।

आज रामबाग राम मंदिर प्रांगण में राजस्थान के सूरजगढ़ धाम से पधारे चमत्कारी सूरजगढ़ निशान एवं आशीर्वाद मोर छड़ी की स्थापना शाम 5:15 बजे की गई।

गणमान्य अतिथियों ने की पूजा-अर्चना

इस मौके पर मुख्य अतिथि राजेंद्र नगर के भाजपा नेता टॉकला श्रीनिवास, श्री श्याम मंदिर काचिगुडा के पदाधिकारी इंद्रकरण अग्रवाल, रामदेव अग्रवाल, जीवन भाटी, नर्सिंग जायसवाल, सुशील कुमार अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, हरिकिशन अग्रवाल, बीआरएस अतापुर वनम श्री राम रेड्डी, मोहिनी ज्वेलर्स के गोपाल जाजू, मोंडरा कोमरया, वेंकटेश, गोपाल बलदवा, पवन गुरु, गिरधारी लाल मिठहरवाल के मुख्य अतिथि में पूजा अर्चना की गई।

मंडल पदाधिकारियों ने किया सम्मान

मंडल के अध्यक्ष सुरेश कुमार मोदी, मंडल संरक्षक एवं यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया, संरक्षक राजेंद्र अग्रवाल, मंत्री नरेंद्र जांगिड़, कोषाध्यक्ष मालीराम अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, सोहनलाल नेहरा, यात्रा संयोजक संतोष अग्रवाल, अशोक शर्मा आदि ने सम्माननीय अतिथियों का सम्मान किया।

श्याम भक्तों ने की तैयारियां पूर्ण

इस मौके पर मान प्रकाश शर्मा, सुभाष सांखला, मनीष शर्मा, श्रीकांत मित्तल, राजेश स्वामी, सतीश स्वामी, विजय जांगिड़, संतोष चौधरी, छोटेलाल सैनी, बजरंग भाटी, अमित कुमार मोदी, छाजूराम मीना, धनराज चौधरी, सुनील कुमार भूत, शिव भगवान अग्रवाल, बृजेश कुमार नालपुरिया, पन्नालाल शर्मा, मूलचंद शर्मा, प्रकाश भाटी, बाबूलाल जोशी, रमेश लैदर, अभिषेक अग्रवाल सहित अन्य श्याम भक्तों ने दिनभर लगकर निशान यात्रा की तैयारी की।

निशान यात्रा संयोजक पवन नालपुरिया एवं संतोष अग्रवाल ने बताया कि निशान यात्रा का शुभारंभ प्रातः 6 बजे से पूजन के पश्चात रामबाग राम मंदिर प्रांगण से शुभारंभ होगा। यात्रा किशन बाग, बहादुरपुरा पुराना पुल, जुम्मे रात बाजार, मुस्लिम जंग पुल, अफजालगंज, इमली बन, चादरघाट होते हुए काचिगुडा श्याम मंदिर पहुंचेगी। निशान यात्रा में सूरजगढ़ का चमत्कारी निशान एवं आशीर्वाद मोरछड़ी तथा आकर्षक ढंग से सजा बाबा श्याम का दरबार मुख्य आकर्षण का केंद्र होगा तथा सैकड़ों श्याम भक्तों के हाथों में रंग-बिरंगे श्री श्याम निशान होंगे। निशान यात्रा का हैदराबाद की अनेक सामाजिक संस्थाओं द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया जाएगा।

जुबली हिल्स मेट्रो स्टेशन के पास शॉपिंग मॉल में भीषण आग, हड़कंप

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद के जुबली हिल्स इलाके में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब जुबली हिल्स मेट्रो स्टेशन के पास रोड नंबर 36 स्थित मंगलगिरी शॉपिंग मॉल में भीषण आग लग गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मॉल के सामने लगाई गई सजावटी सामग्री में आग लगने के बाद लपटें तेजी से भीतर तक फैल गईं।

घटना व्यस्त क्षेत्र में होने के कारण कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के दुकानदारों और राहगीरों में दहशत देखी गई।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां और पुलिस कर्मी तत्काल मौके पर पहुंचे। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।

घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एहतियात के तौर पर आसपास के क्षेत्र को कुछ समय के लिए खाली कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

तेलंगाना में सरकारी आईवीएफ सेवा के जरिए पहले बच्चे का जन्म

स्वास्थ्य मंत्री ने आईवीएफ केंद्र की टीम को किया सम्मानित

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज करते हुए गांधी अस्पताल के आईवीएफ केंद्र में उपचार प्राप्त करने वाली पहली महिला ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया है।

सरकारी आईवीएफ सेवाओं के माध्यम से राज्य में पहले बच्चे के जन्म के साथ ही यह एक महत्वपूर्ण रिकॉर्ड बन गया है।

इस अवसर पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने हैदराबाद स्थित भारतीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान (आईआईएचएफडब्ल्यू) में आयोजित समारोह में गांधी अस्पताल आईवीएफ केंद्र के डॉक्टरों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया।

मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली के माध्यम से उन्नत प्रजनन उपचार को आम जनता के लिए सुलभ बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने इस उपलब्धि को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक मील का पत्थर बताया।

सम्मानित किए गए सदस्यों में आईवीएफ केंद्र की प्रमुख डॉ. शोभा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुमित्रा नायर, आईवीएफ विशेषज्ञ डॉ. फातिमा रानी, भ्रूण विज्ञानी शिवकृष्ण, नर्सिंग अधिकारी पद्मावती सहित अन्य कर्मचारी शामिल थे।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि में उनके योगदान के लिए सभी को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी इस प्रकार की उन्नत सेवाएं अधिक से अधिक जरूरतमंद दंपतियों तक पहुंचाई जाएंगी।

पीएम मोदी का नामांकन रद्द कर वाराणसी में पुनर्मतदान की मांग

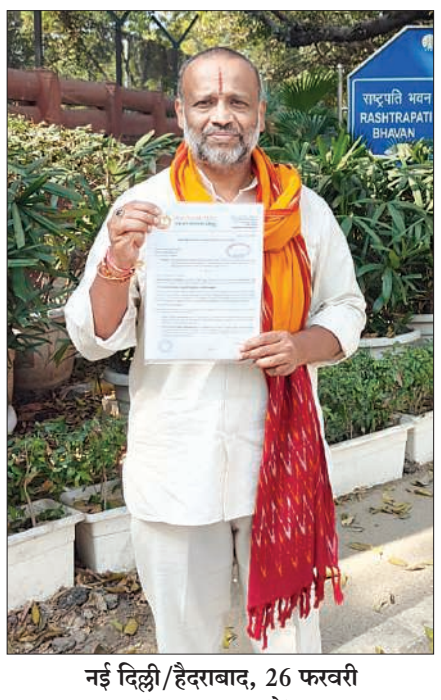

नई दिल्ली/हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

युग तुलसी पार्टी के अध्यक्ष एवं तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के पूर्व बोर्ड सदस्य कोलिसेट्टी शिवकुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी निर्वाचन को रद्द करने तथा वहां पुनर्मतदान कराने की मांग को लेकर भारत के राष्ट्रपति और भारत निर्वाचन आयोग के समक्ष आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है।

उन्होंने आरोप लगाया है कि वाराणसी संसदीय क्षेत्र से प्रधानमंत्री का नामांकन कथित त्रुटि के बावजूद स्वीकार किया गया, जबकि समान परिस्थिति में अन्य उम्मीदवार का नामांकन निरस्त किया गया था।

शिकायत के अनुसार, तेलंगाना के नलगोंडा संसदीय क्षेत्र में नागा पुल्लाराव नामक एक उम्मीदवार का नामांकन अधिकारियों द्वारा रद्द कर दिया गया था। कारण यह बताया गया कि उन्होंने अपने हलफनामे (पार्ट बी, कॉलम 8) में कुछ बॉक्स खाली छोड़ दिए थे।

कोलिसेट्टी शिवकुमार का दावा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी वाराणसी से दाखिल अपने नामांकन पत्र में वही कॉलम (पार्ट बी, कॉलम 8) खाली छोड़ा था। इसके बावजूद उनका नामांकन स्वीकार कर लिया गया।

शिकायत में कहा गया है कि यदि नलगोंडा में एक उम्मीदवार का नामांकन इसी आधार पर निरस्त किया जा सकता है, तो समान नियम वाराणसी में भी लागू होना चाहिए।

कोलिसेट्टी शिवकुमार ने मांग की है कि प्रधानमंत्री के निर्वाचन को निरस्त कर वाराणसी में नए सिरे से चुनाव कराए जाएं।

उन्होंने कहा, कानून सबके लिए समान है। यदि नलगोंडा के नागा पुल्लाराव को खाली कॉलम के लिए अयोग्य घोषित किया जा सकता है, तो पीएम मोदी के लिए अलग नियम नहीं हो सकता। हम न्याय और पुनर्मतदान चाहते हैं।

उल्लेखनीय है कि कोलिसेट्टी शिवकुमार युग तुलसी पार्टी के अध्यक्ष हैं तथा पूर्व में तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम के बोर्ड सदस्य रह चुके हैं।

इस संबंध में निर्वाचन आयोग की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है।

सेवा में बड़ा आनंद आता है: महेश अग्रवाल

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के सामने गौशाला के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम में आज सेवा कार्य उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक महेश अग्रवाल ने कहा कि सेवा में बड़ा आनंद आता है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता करने से जो आत्मिक संतोष और शांति मिलती है, वह किसी अन्य कार्य से प्राप्त नहीं हो सकती। हमारा प्रयास है कि अधिक से अधिक लोग इस सेवा कार्य से जुड़ें और मानव सेवा के इस पुनीत अभियान का हिस्सा बनें।

कार्यक्रम में महेश अग्रवाल गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, शिव भगवान अग्रवाल, महेश गोयल, नीलम विजयवर्गी, लता गोयल एवं शर्मिला अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। सभी ने मिलकर अन्न वितरण कर सेवा का संकल्प दोहराया।

अंत में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का यह नियमित सेवा कार्य आगे भी निरंतर जारी रहेगा और समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहयोग पहुँचाने का प्रयास लगातार किया जाता रहेगा।

भाजपा गोलकोंडा जिला कार्यकर्ताओं ने देखी फिल्म शतक

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गोलकोंडा जिला कार्यकर्ताओं ने गोशामहल स्थित रूंगटा सिनेमा थिएटर में एक साथ प्रेरक फिल्म शतक की स्क्रीनिंग देखी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यकर्ताओं के बीच एकजुटता और राष्ट्रवाद की भावना को सुदृढ़ करना था।

फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान भाजपा के कई प्रमुख स्थानीय नेता और पार्षद मौजूद रहे। फिल्म देखने पहुंचे प्रतिनिधियों में जामबाग के कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल, जियागुडा कॉर्पोरेटर बोइनी दर्शन, गोशामहल के कॉर्पोरेटर लाल सिंह और गोलकोंडा जिला महासचिव के. सुरेंद्र प्रमुख रूप से शामिल थे।

इस अवसर पर गोलकोंडा जिले के सभी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पार्टी नेत-ाओं ने फिल्म शतक को प्रेरणादायक बताते हुए कहा कि ऐसी फिल्में कार्यकर्ताओं में राष्ट्र सेवा के प्रति संकल्प को और मजबूत करती हैं। थिएटर परिसर भारत माता की जय के नारों से गूंज उठा, और फिल्म के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने सामाजिक और राजनीतिक विषयों पर चर्चा भी की।

अत्तापुर में रुद्राभिषेक, सत्यनारायण व्रत कथा एवं भजन संध्या का आयोजन

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अतापुर स्थित सुनील–सुनीता पाण्डेय के निवास पर श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ रुद्राभिषेक, सत्यनारायण व्रत कथा एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेकर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

कार्यक्रम के दौरान भगवान शिव का रुद्राभिषेक विधिविधान से सम्पन्न हुआ तथा सत्यनारायण व्रत कथा का श्रवण किया गया। भजन संध्या में श्रद्धालुओं ने भक्तिमय वातावरण में भजनों का गायन किया, जिससे समूचा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया।

इस अवसर पर जगन्नाथ द्वारा खाकी अखाड़ा पीठाधीश्वर अमृत दास खाकी, कमलेश त्रिपाठी स्वामी जी, रामपाल पाण्डेय, काशीराम शर्मा, राकेश शुक्ला, अनिल कुमार पाण्डेय, अवधेश द्विवेदी, सतीश त्रिपाठी, प्रदीप पाण्डेय, नर्सिंग काकाणी, राबेद्र मिश्रा, परीक्षित द्विवेदी, गिरिराज मिश्रा, विजय कुमार तोतला, कुलदीप तिवारी, पुष्पेंद्र शुक्ला, योगेश पाण्डेय, भोले महराज, मनोज महराज, विष्णु दत्त पाण्डेय, गजेन्द्र शुक्ला, ब्रजेश शुक्ला, मनीष द्विवेदी, संदीप शुक्ला, रामनारायण त्रिपाठी, शिवनारायण त्रिपाठी, सुनील त्रिपाठी, चेतन गिरी, सुशील पाण्डेय, संजय द्विवेदी, कामता पयासी, भागवत, रघुनंदन पयासी, सोनू मिश्रा एवं राजेश आनन्द सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया तथा आयोजकों ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में सभी सहयोगियों की सक्रिय भूमिका रही।

सीरवी समाज वडेर, जीडिमेट्ला का होली महोत्सव 2 मार्च से

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जीडिमेट्ला स्थित श्री आई माता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य में होली के अवसर पर 2 दिवसीय होली महोत्सव का आयोजन 2 एवं 3 मार्च को किया जाएगा। कार्यक्रम के अंतर्गत होलिका दहन, बच्चों की ढूंढ तथा रंगारंग गैर नृत्य सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित होंगी।

प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष रावतराम बर्फा एवं सचिव प्रेम पंवार ने बताया कि सोमवार 2 मार्च को सायं 7:15 बजे पूजा–अर्चना कर आई माताजी की आरती की जाएगी। इसके पश्चात रात्रि 8:15 बजे विधि–विधान से होलिका दहन सम्पन्न होगा।

मंगलवार 3 मार्च को प्रातः वेला में पूजा–अर्चना के बाद प्रातः 9:15 बजे से बच्चों की ढूंढ का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। बच्चों की ढूंढ में भाग लेने हेतु नाम दर्ज कराने के लिए संरक्षक मांगीलाल काग, सचिव प्रेम पंवार, गैर कप्तान सोहनलाल काग एवं लाबुराम चोयल से संपर्क किया जा सकता है।मध्याह्न 12:15 बजे से मंदिर प्रांगण में समाज बन्धुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। सचिव प्रेम पंवार ने समाज बन्धुओं से राजस्थानी वेशभूषा में सपरिवार उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

चौक निवासी देवकिशन लक्ष्मीनारायण बजाज के निवास पर होली के रसिया कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए श्री वैष्णव सत्संग मंडल सुल्तान बाजार की सदस्य– श्रीमती इन्दिरा बंग, इंदिरा भराड़ीया, सुरेखा सारडा, दुर्गा राठी एवं बजाज परिवार के सदस्य।

पीपल्स ऑफिसर बनकर उभरे एसआई विनायक रेड्डी

खेलों और मानवीय दृष्टिकोण से बदली पुलिसिंग की तस्वीर

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के तेजी से विकसित हो रहे उत्तर–पश्चिमी कॉरिडोर में, पटनचेरु के सर्कल इंस्पेक्टर जी. विनायक रेड्डी ने खेल, जागरूकता और सक्रिय पुलिसिंग के मेल से एक अनूठी मिसाल पेश की है। उनके प्रयासों से न केवल सामुदायिक विश्वास बढ़ा है, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति जनता का नजरिया भी बदला है।

पटनचेरु एक प्रमुख औद्योगिक और आवासीय केंद्र है, जहाँ ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों से बड़ी संख्या में प्रवासी कार्यबल निवास करता है। इतनी विविधता वाले क्षेत्र में कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए विनायक रेड्डी ने प्रवर्तन के साथ–साथ समावेशी जुड़ाव की रणनीति अपनाई है।

खेल बना पुलिस और जनता के बीच की कड़ी

विनायक रेड्डी ने युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए खेलों को एक मंच के रूप में चुना है। पतनचेरु पुलिस स्टेशन के ठीक सामने स्थित मैत्री मैदान में नियमित रूप से खेल गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। स्पोर्ट्स विलेज के सहयोग से आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों का उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच आपसी सम्मान और सहयोग की भावना पैदा करना है।

हाल ही में, फीफा वर्ल्ड कप की कवरेज के लिए लंदन में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित स्नैप्स इंडिया के संपादक मोहम्मद शम्सुद्दीन और मल्टीस्पोर्ट प्रमोटर के सीईओ ने विनायक रेड्डी से मुलाकात की। इस बैठक में पटनचेरु के इस्नापुर और इंद्रेसम नगर पालिकाओं में एक विशाल खेल कार्यक्रम आयोजित करने पर चर्चा हुई। श्री रेड्डी ने इस मेगा स्पोर्ट्स प्रोग्राम को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया है।

अपराध निवारण और सामाजिक जागरूकता

खेलों के अलावा, पतनचेरु पुलिस ने उनके नेतृत्व में कई महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान चलाए हैं। जिनमें–

नशा मुक्ति अभियान: युवाओं को ड्रग्स के खतरों के प्रति सचेत करना।

सुरक्षा कार्यशालाएं: स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा, साइबर अपराध रोकथाम और सोशल मीडिया की जिम्मेदारी पर सत्र।

छात्र संवाद: विद्यार्थियों को अन–शासन, सामाजिक जिम्मेदारी और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार के लिए प्रेरित करना।

कर्तव्य से परे: मानवीय संवेदना और सांप्रदायिक सौहार्द

श्री विनायक रेड्डी की पहचान केवल एक सख्त अधिकारी के रूप में ही नहीं, बल्कि एक दयालु इंसान के रूप में भी बनी है। एक मामले में उन्होंने अपराध से प्रभावित एक गरीब पीड़ित को पुलिस स्टेशन में ही वित्तीय सहायता प्रदान की, जो उनके मानवीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, त्योहारों के दौरान शांति समिति की बैठकें आयोजित कर वे सांप्रदायिक सद्भाव और शांतिपूर्ण उत्सव सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

साइबराबाद पुलिस के ढांचे के तहत, पटनचेरु में उनकी यह खेल–संचालित और जन–केंद्रित पुलिसिंग आज एक प्रोग्रेसिव मॉडल के रूप में उभर रही है।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा विद्यार्थियों हेतु प्रेरक व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित एलबीएमटी हाईस्कूल तथा एबीएचएस एवं एजीएचएस हाईस्कूल के विद्यार्थियों के लिए समिति के सेडमल हॉल में आगामी बोर्ड परीक्षा के मद्देनज़र एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाना एवं उन्हें परीक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

सभा को संबोधित करते हुए समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि जिस विषय में कम अंक प्राप्त होते हैं, उस पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मोबाइल का उपयोग सीमित करते हुए अध्ययन पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी जीवन के अगले पाँच वर्षों में परिश्रम कर लेता है तो वह शिक्षा के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य एवं सशक्त करियर का निर्माण कर सकता है। श्री अग्रवाल ने सभी छात्रों को आगामी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं प्रदान कीं।

इस अवसर पर अकादमिक निदेशिका डॉ. सरोज जैन ने कहा कि जीवन चुनौतियों से परिपूर्ण होता है। यह ऐसा पड़ाव है, जहाँ दृढ़ता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़कर सफलता की सीढ़ियाँ चढ़नी होती हैं। उन्होंने परीक्षाओं में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए मोबाइल का त्याग कर एकाग्रचित्त होकर अध्ययन करने की सलाह दी तथा छात्रों को शुभकामनाएं दीं।

सह–अकादमिक निदेशक डॉ. राजेश अग्रवाल ने कहा कि विद्यार्थियों के पास एक माह अर्थात लगभग 720 घंटे का समय है, जिसका सदुपयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि दसवीं की परीक्षा एक महत्वपूर्ण चुनौती है, जिसमें धैर्य बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को सफलता की शुभकामनाएं दीं।

एलबीएमटी हाईस्कूल की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीतिबाला ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन निधि कौशिक ने किया। अग्रवाल हाईस्कूल की वरिष्ठ अध्यापिका श्रीमती एम. रेणुका ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में दसवीं कक्षा के शिक्षकगण भी उपस्थित रहे। अंत में राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हिन्दी महाविद्यालय में वाणिज्य विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हिन्दी महाविद्यालय में दिनांक 26 फरवरी को वाणिज्य विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीए अमित मोदी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में सीए दीपक जैन उपस्थित रहे।

अतिथियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था एवं राष्ट्रीय बजट 2026 के विभिन्न आयामों पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने वर्तमान आर्थिक परिदृश्य, कर व्यवस्था, वित्तीय नीतियों तथा युवाओं के लिए उभरते अवसरों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने व्याख्यान को अत्यंत ज्ञानवर्धक बताया।

मुख्य अतिथि का परिचय परीक्षा नियंत्रक सत्यनारायण राव द्वारा दिया गया। कार्यक्रम में बी.कॉम एवं बी.बी.ए. के सभी छात्र उपस्थित रहे और व्याख्यान से ज्ञानार्जन किया।

इस अवसर पर वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय के प्राध्यापकगण - श्री मधुसुदन, डॉ. वसंता, श्रीमती भावना, श्रीमती उषा, डॉ. के. जगन, प्रणीत, श्रीमती नमिता, श्रीमती यशस्विनी तथा डॉ. रविकरण भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अबिड्स में पुराने एफएसएसएआई लाइसेंस के साथ मिलावटी अदरक–लहसुन का पेस्ट 4,000 किलोग्राम जब्त किया गया

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के आबिड्स में निरीक्षण के दौरान मिलावटी अदरक–लहसुन का पेस्ट बनाने के आरोप में 21 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया। करीब 4,000 किलोग्राम पेस्ट जब्त किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि आरोपी जसानी इल्यान को खुले प्लास्टिक कंटेनरों में अत्यंत अस्वच्छ परिस्थितियों में पेस्ट बनाते हुए पाया गया। अदरक–लहसुन का पेस्ट धूल, मक्खियों और अन्य दूषित पदार्थों के संपर्क में आ गया था, जिसके कारण यह मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त हो गया था। अधिकारियों को जब्ती के दौरान भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण का एक मुद्रित लाइसेंस भी मिला जिसकी वैधता समाप्त हो चुकी थी।

मिलावटी पेस्ट को हैदराबाद के विभिन्न किराना स्टोरों में बेचा जाना था। अधिकारियों ने 40 प्लास्टिक टबों में सीलबंद 1,600 किलोग्राम खुला पेस्ट, पांच किलोग्राम वजन के 130 प्लास्टिक कंटेनर, एक किलोग्राम के 900 कंटेनर, 500 ग्राम के 300 कंटेनर, 200 ग्राम के 3,000 कंटेनर और 50 ग्राम के 2,000 पाउच भी जब्त किए।

एक बड़ी और एक छोटी पीसने की मशीन, पांच किलोग्राम हल्दी पाउडर, 20 लीटर एसिटिक एसिड, 40 बोरियों में सीलबंद 1,000 किलोग्राम नमक और एक मालवाहक वाहन भी जब्त किया गया। एक मामला दर्ज किया गया है।

मानव सेवा ही सच्चा धर्म: उर्मिला गुप्ताकेबीआर नेशनल पार्कइंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर नेशनल पार्क परिसर में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मरीजों के परिजनों एवं जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया।कार्यक्रम के दौरान अपने विचार व्यक्त करते हुए उर्मिला गुप्ता ने कहा कि मानव सेवा ही सच्चा धर्म है। उन्होंने कहा कि राधे राधे ग्रुप द्वारा किया जा रहा यह सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायक है और हम सभी को समय–समय पर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि सेवा से आत्मसंतोष प्राप्त होता है और यही सच्ची भक्ति है।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, संजय गुप्ता, हरीश तोलाराम हिंदुजा, उमाकांतजी गुप्ता सहित राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

नफरत भरे भाषणों पर गुवाहाटी हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को जारी किया नोटिस

गुवाहाटी, 26 फरवरी (एजेंसियां)।
एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने गुरुवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को उन याचिकाओं के एक समूह पर नोटिस जारी किया, जिनमें मुस्लिम समुदाय के खिलाफ उनके बार-बार दिए गए कथित नफरत भरे भाषणों (हेट स्पीच) के लिए कार्रवाई की मांग की गई है।

प्रासंगिक रूप से, अदालत ने एक बिंदु पर टिप्पणी करते हुए कहा कि याचिकाकर्ताओं द्वारा उद्धृत सरमा के भाषणों में विभाजनकारी प्रवृत्ति दिखाई देती है। मुख्य न्यायाधीश आशुतोष कुमार और न्यायमूर्ति अरुण देव चौधरी की खंडपीठ ने सरमा के साथ-साथ केंद्र और असम सरकार से जवाब मांगने से पहले इस मामले पर विस्तार से सुनवाई की।

प्रतिवादियों को नोटिस जारी: अप्रैल में होगी अगली सुनवाई

अदालत ने कहा, प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया जाता है (प्रतिवादी नंबर 1 भारत संघ और प्रतिवादी नंबर 2 राज्य की ओर से उनके वकीलों द्वारा नोटिस स्वीकार कर लिया गया है)। प्रतिवादी नंबर 3 (मुख्यमंत्री सरमा) को नोटिस जारी किया जाए। अब इस मामले की अगली सुनवाई अप्रैल में होगी।

कुछ याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता सीयू सिंह ने तर्क दिया कि सरमा डॉग व्हिसलिंग (सांकेतिक राजनीति) में लिप्त रहे हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि मिया मुसलमानों को असम में मतदान करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, बल्कि उन्हें बांग्लादेश में मतदान का अधिकार मिल सकता है। सिंह ने अदालत को यह भी बताया कि सरमा ने खुलेआम कहा था कि वह मिया मुसलमानों के वोट चुराएंगे (वोट चोरी) और मतदाता सूची से कई मुस्लिम मतदाताओं के नाम हटा दिए जाएंगे।

भाषणों में दिखती है अलगाववादी प्रवृत्ति

मुख्य न्यायाधीश ने अवलोकन करते हुए कहा, हर एक बयान पिछले बयान के साथ मेल नहीं खाता। वोट चोरी क्या है, हम इसे चोरी क्यों कहते हैं, हम वोट चुराना चाहते हैं - ये सब डींगें मारने जैसा लगता है। अन्य बयानों के बारे में आप कह सकते हैं, लेकिन हर हिस्से के बारे में नहीं। आप जो दिखा रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि इसमें एक विभाजनकारी प्रवृत्ति है। आइए देखें कि उनका इस पर क्या कहना है।

अदालत उन याचिकाओं के समूह पर सुनवाई कर रही थी जिसमें बिस्वा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। उन पर असम में विशेष रूप से मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाने और बार-बार नफरत भरे भाषण देने का आरोप है।

याचिका के अनुसार, 27 जनवरी को दिए गए एक सार्वजनिक भाषण में सरमा ने कहा था कि चार से पांच लाख मिया मतदाताओं को मतदाता सूची से हटा दिया जाएगा और हिमंत बिस्वा सरमा तथा भाजपा सीधे तौर पर मियाओं के खिलाफ हैं। ज्ञात हो कि मिया शब्द का प्रयोग अक्सर मुसलमानों को अपमानजनक तरीके से संबोधित करने के लिए किया जाता है।

इसके बाद 7 फरवरी को भाजपा की असम इकाई द्वारा एक वीडियो साझा किया गया था, जिसमें मुख्यमंत्री सरमा को दो मुस्लिम पुरुषों की एनिमेटेड छवि पर निशाना साधते हुए दिखाया गया था। वीडियो में हथियारों के निशाने (क्रॉसहेयर) के बीच उन्हें दिखाया गया और फिर उन पर गोलियां बरसते हुए दिखाई गईं। इस वीडियो के साथ पॉइंट ब्लैंक शॉट और नो मर्सी (कोई दया नहीं) जैसे शब्द लिखे हुए थे।

कांग्रेस पार्टी, असमिया विद्वान हिरेन गोहेन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) सीपीएम और अन्य ने इस संबंध में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। इससे पहले, उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था और याचिकाकर्ताओं को पहले उच्च न्यायालय जाने का निर्देश दिया था।

वीर सावरकर का अपमान बंद करो, तुरंत भारत रत्न दिया जाए : बालस्वामी

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विश्व हिंदू परिषद के तेलंगाना राज्य धर्माचार्य संपर्क प्रमुख पगुडाकुला बालस्वामी ने महान क्रांतिकारी स्वतंत्रता सेनानी वीर सावरकर को इतिहास में छोटा दिखाने के प्रयासों पर आपत्ति जताते हुए उन्हें तत्काल भारत रत्न प्रदान करने की मांग की है।

सावरकर की 61वीं पुण्यतिथि के अवसर पर काचीगुड़ा चौराहे पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद बालस्वामी ने कहा कि सेलुलर जेल (काला पानी) में अमानवीय यातनाएँ सहने के बावजूद ब्रिटिश साम्राज्य को ललकारने वाले सावरकर जैसे महापुरुष का अपमान करना राष्ट्रभक्ति का अपमान है।

उन्होंने कहा, कोई माने या न माने, भारत के स्वतंत्रता संग्राम में सावरकर की भूमिका को कोई मिटा नहीं सकता।

राजनीतिक स्वार्थ के लिए इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करने वालों को देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी।

सावरकर को स्वाभिमान और स्वावलंबन की विचारधारा का प्रतीक बताते हुए बालस्वामी ने केंद्र सरकार से उन्हें भारत रत्न देने की मांग की।

उन्होंने कहा, जिस महापुरुष ने अपना जीवन राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया, उसे सम्मान देना सरकार की जिम्मेदारी है। अब और मौन नहीं - तुरंत भारत रत्न की घोषणा की जाए।

कार्यक्रम में विश्व हिंदू परिषद के कई नेता और कार्यकर्ता संख्या में उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज दोमलगुडा शाखा द्वारा 'शतक' फिल्म का विशेष शो आयोजित

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल समाज तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा द्वारा ऑडियन थिएटर में फिल्म 'शतक' का एक विशेष शो आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री मुरलीधर राव उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, उपाध्यक्ष योगेश अग्रवाल, सचिव प्रतीक अग्रवाल, सह-सचिव विजय कुंच्छल, रोशन लाल मित्तल, केंद्रीय समिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल एवं अनिल गर्ग सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मुरलीधर राव ने दोमलगुडा शाखा को विशेष फिल्म शो के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम समाज में एकता और संवाद को बढ़ावा देते हैं।

विशेष आयोजित इस फिल्म प्रदर्शन में कुल 125 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन आपसी सौहार्द और धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

डॉ. सोहिनी शास्त्री को चेन्नई में मिला यूएस ग्लोबल एक्सीलेंसी एंड वास्तु एक्सीलेंस अवार्ड 2026

चेन्नई, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत की सर्वश्रेष्ठ और दो बार राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रसिद्ध ज्योतिषी डॉ. सोहिनी शास्त्री की उपलब्धियों में अब एक और नया अध्याय जुड़ गया है। हाल ही में तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई स्थित फॉर्चून बीच रिसॉर्ट में इंटरनेशनल वैदिक एस्ट्रोलॉजी फेडरेशन (आईवीएएफ) की मल्लपुरम महा कॉन्फ्रेंस में डॉ. शास्त्री को उनके विशिष्ट ज्ञान और सेवा के लिए दो प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया। एस्ट्रोलॉजी कॉन्वोकेशन के 'ग्लोबल आइकॉन ऑफ एस्ट्रो साइंस अवॉर्ड 2026' विषयक कार्यक्रम के दौरान अनेक वैश्विक स्तर के ज्योतिर्विदों ने शिरकत की। इस मौके पर डॉ. शास्त्री को शिक्षा, ज्योतिष, वास्तु और रत्न विज्ञान के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान के लिए 'यूएस ग्लोबल एक्सीलेंसी एंड वास्तु एक्सीलेंस अवार्ड 2026' प्रदान किया गया। इस अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि पर डॉ. सोहिनी शास्त्री को देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी ज्योतिष प्रेमियों, विद्वानों और उनके प्रशंसकों की ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। डॉ. शास्त्री ने इस सम्मान के लिए फेडरेशन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका लक्ष्य ज्योतिष और वास्तु के माध्यम से समाज की सेवा करना और इस प्राचीन भारतीय विद्या को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाना है। इंटरनेशनल वैदिक एस्ट्रोलॉजी फेडरेशन (आईवीएएफ) की इंटरनेशनल ब्रांड एम्बेसडर डॉ. शास्त्री न केवल एक कुशल केपी ज्योतिषी हैं, बल्कि वे सोहिनी शास्त्री फाउंडेशन की संस्थापक भी हैं। इस संस्था के जरिए वे समाज के वंचित बच्चों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार कार्य कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने अपने संदेश में कहा कि शांत रहें, ध्यान करें और समाज के लिए कुछ प्रभावशाली कार्य करें।

जब आप निस्वार्थ भाव से आगे बढ़ते हैं, तो पूरा ब्रह्मांड आपकी सफलता के लिए काम करने लगता है। ग्लोबल स्तर पर सेलिब्रिटी व बॉलीवुड हस्तियों की पसंदीदा भविष्यवक्ता सलाहकार डॉ. शास्त्री अब तक 5 लोकप्रिय पुस्तकें लिख चुकी हैं। उनका उद्देश्य ज्योतिष को सरल भाषा में आम लोगों तक पहुँचाना है।

सेवा का अद्भुत संगम : प्रीतिका अग्रवाल

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने कहा कि सेवा ही सर्वोच्च धर्म है और राधे-राधे ग्रुप निरंतर निस्वार्थ भाव से समाज-सेवा के कार्यों में अग्रसर है। ग्रुप द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे इस अन्नदान कार्यक्रम से जरूरतमंदों को राहत मिल रही है और समाज में सहयोग व मानवता की भावना मजबूत हो रही है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, जयप्रकाश सरडा, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, भगतराम गोयल, राजेश नाथानी, संजय गोयल, किरण गोयल, महेश अग्रवाल, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दहिमा उपस्थित रहे।

भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर काचीगुड़ा चौरस्ता स्थित वीर सावरकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, लायंस इंटरनेशनल जीव जंतु कल्याण विभाग चेयरमैन प्रेम चंद मुनोत, भक्त राम, प्रदीप जाजू, सत्यनारायण शर्मा एवं अन्य।

लग्जरी सेनेटरीवेयर और बाथरूम सॉल्यूशंस के क्षेत्र में देश के अग्रणी ब्रांड 'सेरा' (उएठअ) ने गुरुवार को सेरा स्टाइल स्टूडियो का उद्घाटन किया।इस भव्य केंद्र का उद्घाटन सेरा के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. विक्रम सोमानी द्वारा किया गया। इस अवसर पर कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी और शहर के जाने-माने आर्किटेक्ट्स भी मौजूद रहे।

तेलंगाना के निजी स्कूल: शुल्क नियमों का उल्लंघन करने पर मान्यता रद्द की जाएगी

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में निजी स्कूलों द्वारा अनियमित रूप से फीस बढ़ाने की बढ़ती शिकायतों के बीच, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि यदि कोई संस्थान निर्धारित मानदंडों से अधिक फीस वसूलते हुए पाया जाता है तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाए।हैदराबाद में गुरुवार, 26 फरवरी को हुई एक समीक्षा बैठक में, शिक्षा मंत्री भी रहे रेवंत ने अधिकारियों को एक ऑनलाइन तंत्र बनाने का निर्देश दिया, जिससे अभिभावक इस मामले पर अपनी शिकायतें या सुझाव प्रस्तुत कर सकें।

पिछले महीने, तेलंगाना शिक्षा आयोग ने निजी शिक्षा क्षेत्र में स्कूलों और कॉलेजों दोनों को शामिल करते हुए फीस को विनियमित करने के लिए एक विधेयक प्रस्तावित किया। आयोग ने इस उद्देश्य के लिए एक विशेष नियामक निकाय के गठन की सिफारिश की। इस सप्ताह की शुरुआत में, तेलंगाना शिक्षा नीति मुख्यमंत्री को सौंपी गई।

गौ रक्षा दल के प्रमुख पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 26 फरवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
दो दिन पहले आरामघर चौराहे पर मवेशी ट्रांसपोर्टरों और तथाकथित गौ रक्षकों के बीच हुई सांप्रदायिक झड़प के बाद, अत्तापुर पुलिस ने तेलंगाना गौ रक्षा दल टाइगर फोर्स के प्रमुख सहित 15 से अधिक लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने दो मामले दर्ज कर पांच लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

ड्यूटी पर तैनात होम गार्ड जी करुणाकर की शिकायत के आधार पर तेलंगाना गौ रक्षा दल टाइगर फोर्स के 10 से 12 सदस्यों के खिलाफ मवेशी ट्रांसपोर्टरों पर हमला करने के आरोप में एक मामला दर्ज किया गया था।

प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में कहा गया है कि शिकायतकर्ता पिलर नंबर 315 पर लगे ट्रैफिक जाम को देखने गया था, तभी उसने लोगों के एक समूह को अपने हाथों में पत्थर लेकर मवेशी व्यापारियों पर हमला करते देखा और यह भी देखा कि एक कंटेनर लॉरी की खिड़कियां भी टूटी हुई थीं।एफआईआर में कहा गया है कि जब होम गार्ड ने मवेशी व्यापारियों को बचाने की कोशिश की , तो गौ रक्षकों ने उसे धक्का देकर एक तरफ कर दिया।

भारतीय न्याय संहिता की धारा 132 (लोक सेवक को उसके कर्तव्य निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल), 189(2) (गैरकानूनी सभा), 191(2), 191(3) (दंगा) और 190 (सामान्य उद्देश्य की पूर्ति में किए गए अपराध के लिए दोषी गैरकानूनी सभा) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, T LAKSHMI Spouse of Service No. 15416186Y Ex Sep PULLAIAH THOTA, Resident of Flat No.101, Vasavi Srinivasa Apartments, Pamuru, Dist:Markapuram, Andhra Pradesh-523108 have changed my name from T LAKSHMI to THOTA LAKSHMI vide affidavit dt:26-02-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B Nagar.

CHANGE OF NAME
I, Y VASUNDHARA Spouse of Service No. 633782A Ex Sergeant YENAMANDRA SUDHAKAR, Residing at Flat No.105, Lotus Block-B, Sandy Spring Apartments, Road No.1, Shirdi Sai Nagar, Manikonda Jagir, Puppalaguda, K.V Ranga Reddy-500089, Telangana have changed my name from Y VASUNDHARA to YANAMANDRA VASUNDHARA vide affidavit dt:26-02-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, L ANURADHA Spouse of Service No. 634895H Ex Sergeant LAGISETTY DATTU KUMAR, Residing at Plot No.101, LIC Employees Colony, opp:Fortune Plaza, Puppalaguda, K V Rangareddy - 500089, Telangana have changed my name from L ANURADHA to LAGISETTY ANURADHA vide affidavit dt:26-02-2026 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, No.15329557A Hav VENKATA RAO GANGETLA, Residing at H.No.1/62, Moningi Street, Vill and Teh: Hiramandalam, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh-532459 that my father name & DOB is changed from DALEPPANNA, DOB:01-07-1963 to GANGITLA DALAPPANNA, DOB:01-01-1951 and mother name and DOB is to changed from CHINNAMUDU, DOB:01-07-1965 to GANGITLA CHINNAMMI, DOB:01-01-1966 vide affidavit dt:26-02-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. 15707136L, Rank HAV Name OM PRAKASH TIWARI S/O. HARI NARAYAN TIWARI, Presently resident of New MD Lines, Langer House, Hyderabad, Telangana State, Permanent resident of Vill: Singhwal, P/o. champaha Bazar, Teh: Manjhanpur, singhawal, Kaushambi, Uttar Pradesh-212214, do hereby State that my daughter ADITI TIWARI correct/actual name is ADITI TIWARI which is recorded in her Aadhar Card No. 3816 1276 1768 and other records but her name is wrongly recorded as ADITI in my service records.

CHANGE OF ADDRESS
I, Service No. 15707136L, Rank HAV Name OM PRAKASH TIWARI S/o. HARI NARAYAN TIWARI, Presently resident of New MD Lines, Langer House, Hyderabad, TS Permanent resident of Vill: Singhwal, P/o champaha Bazar, Teh:Manjhanpur, singhawal, Kaushambi, Uttar Pradesh-212214, do hereby actual my address in P/o.Champaha Bazar, which is recorded in my Aadhar Card No. 4781 0052 4678, but in my service records Postal address was mentioned as P/o. champaha Bajar, Incorrect Address Po: Champaha Bajar, Correct Po: Champaha Bazar

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ ॐ श्री श्याम देवाय नमः ॥ ॥ श्री हनुमते नमः ॥

मन्नत के बाबा - पहाड़ी श्याम बाबा

पहाड़ी श्याम मन्दिर

महिन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद

हमेशा होती है इस दर पर बारिशें रहमत की, है ऐसा जलवा मेरे दिलदार श्याम प्यारे का।

MEDIA PARTNER facebook LIVE on CLICK MAGIK

श्री श्याम भजन संध्या

आज शुक्रवार दि. 27-2-2026

रात्रि 7:01 बजे से प्रभु इच्छा तक

प्रस्तुतकर्ता : श्याम दिवाने मलकपेट, हैदराबाद

संगीत संयोजन
तिलक राज एण्ड पार्टी

छप्पन भोग

अलौकिक श्रृंगार

सुमधुर भजन

दिव्य दरबार

श्री श्याम रंग रंगीला फाल्गुन महोत्सव

मनीष घी वाला
जयपुर

किशन पालीवाल
नागपुर

सभी सदस्यों, दानदाताओं एवं श्याम भक्तों से प्रार्थना है कि सपरिवार पधारकर श्री श्याम बाबा के विशेष श्रृंगार दर्शन, भजन कीर्तन एवं प्रसाद लाभ प्राप्त करें।

इच्छापूर्ति निशानों का स्वागत

प्रातः 7 बजे से

भक्तजनों के सुविधार्थ

प्रातः 7 से मध्याह्न 2 बजे तक तथा सायं 4 से मध्य रात्रि तक खुला रहेगा

शनिवार दि.28-2-2026

फागुन की बारस के प्रथम दर्शन

प्रातः 7:00 बजे से

फागुन की बारस की ज्योत

प्रातः 10:01 से 12:11 बजे तक

मंदिर सजावट सेवा
झाबरमल बाबुलाल डाकोतिया परिवार
Lee-Chee Pearls & Jewels
Feelkhana, Begum Bazar, Hyderabad

भोजन प्रसाद सेवा
Shiv Narayan

बाबा की श्रृंगार सेवा
Govind Agarwal
SRI BALAJI JEWELLERS & EXPORTERS
Himyat Nagar, Hyderabad

मंदिर सजावट सेवा
SKJ GOLD
Parklane, Secunderabad. Ph: 9849100220

बाबा के बागा की सेवा
Rajeev Agarwal
SHRI RAM ENTERPRISES
Sindhi Colony, Secunderabad

मंदिर सजावट सेवा
SREE RAJ MITRA MANDAL GYARAS SEWA SAMITHI
Nacharam Mallapur

Sureshchand Agarwal (Goyal)
Kedarmal Gurudayal Basaiwale
Banjara Hills, Hyderabad

SUBHASH CHANDRA BANSAL
Kompally

अशोक कुमार जैन
जयपुर

CRESTI PLYWOOD | VENEER

माँ तारा ज्वेलरी
कोलकाता

राधे ज्वेल्स
कोलकाता

BANSILAL BASESHWARLAL MOTIWALA
Late B. Shyam kumar

ADITYA SELECTION
Nizampet Road

A.K. ELECTRICALS & HARDWARE
Hyderabad

Mayank shroff
Kumar Anand Shroff
Patna

VIKAS SAHNI
Mumbai

MUKESH JAIN
Kachiguda, Hyderabad

ANJANI CATERERS
8499014970
9848990090

AMBICA SELECTION
KPHB Colony ✆ 9701813886

AMRITSAR HAVELI
AMRITSAR HAVELI
Abids ✆ 9281411691

TIRUMALA TIRUPATHI MEN PARLOUR
Mallapur ✆ 7899112567

MEGHNA ENGINEERING
Old Bowenpally ✆ 9849005171

SHRI SHYAM STEELS (ROLLING SHUTTER)
Kavadiguda ✆ 9246279001

जय श्री श्याम

SHYAM STEELS TRADERS
Mallapur ✆ 9866237787

RADHIKA STEELS
Mallapur ✆ 6305392800

BHAVANI POLYMERS
IDA Nacharam ✆ 8801651996

SHIV SHAKTI JEWELLERS
Vanasthalipuram ✆ 8374805532

AMBE JEWELLERS
Sangareddy ✆ 9440039822

BALAJI JEWELLERS
Warangal ✆ 8186088455

BHAVANI JEWELLERS
Aler ✆ 9848665281

MAHADEV JEWELLERS
Baligonda

S K JEWELLERS
Sangareddy ✆ 9493439705

MAHAVEER JEWELLERS
RP Road ✆ 9700567905

Ashok Singhaniya
SHYAM BABA TRADERS
Mir Alam Mandi, Hyderabad

EKLINGJI BUILDCON
श्री SHYAM RESIDENTIAL & COMMERCIAL

SHREE SHYAM RESIDENCY
Open Plot & Commercial Shops For Rent
Anita Village, Kim - Olpad, NH - 65 Surat, Gujrat

Rupesh Singhania (Sri Bansilal Pearls) 9000005105
Akshay Dakotiya (Leechee Pearls & Jewel) 9177609018
Ajjay Agarwal (Surat) 8881677777

निवेदक : **श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट** चेयरमैन : **अरुण डाकोतिया** 9030033321

प्रवीण अग्रवाल	अशोक सिंघानिया	अक्षय डाकोतिया	बृजेश मोदी	राहुल अग्रवाल	रुपेश सिंघानिया	नाचारम सुरेश अग्रवाल	नाचारम प्रवीण झाकनीवाल
9297000456	9246588443	9177609018	9246162913	9849974657	9000005101	8499014970	9887119887

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.